शर्मा शर्डअवेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 199 | गुवाहाटी | शनिवार, 17 फरवरी, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मणिपुर : आईआरबी कैंप में हुई गोला-बारूद और हथियारों की... पेज 2

राज्य में 913 परीक्षा केंद्रों पर आज से शुरू हुई हाईस्कूल की परीक्षाएं पेज 3

प्रदेशवासियों ने 7 वर्षों में कानून व्यवस्था के महत्व को बखूबी अनुभव किया : योगी पेज 5

ऑस्ट्रेलिया की सदरलैंड ने महिला टेस्ट इतिहास में सबसे तेज दोहरा शतक लगाया पेज 7

मिशन बसुंधरा 4.0

चर इलाके की अवैध कब्जेवाली जमीन वापस लेगी सरकार : सीएम

गुवाहाटी। असम के नदी तटीय रेतीले क्षेत्रों में भूमि को पुन: वापस लेने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि असम सरकार *मिशन बसुंधरा 4.0* में चर इलाके को पुन: वापस लेगी। पहल की तात्कालिकता बताते हुए शर्मा ने इन जमीनों पर अतिक्रमण को रोकने की आवश्यकता को रेखांकित किया साथ ही चेतावनी भी दी कि कार्रवाई में विफलता के परिणामस्वरूप अपूरणीय क्षति हो सकती है। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि मिशन बसुंधरा 4.0 चार क्षेत्रों में भूमि को पुन: प्राप्त करने का प्रयास करता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि ये महत्वपूर्ण पारिस्थितिक क्षेत्र संरक्षित रहें। उन्होंने अतिक्रमणकारियों द्वारा भूमि के विशाल हिस्से के अनियंत्रित अधिग्रहण पर चिंता व्यक्त की, जिससे कई लोग भूमिहीन हो गए, विशेषकर वे जिनके नाम राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) में शामिल हैं। क्षेत्र के हवाई सर्वेक्षण के दौरान, शर्मा ने कुछ चुनिंदा लोगों के पास व्यापक भूमि स्वामित्व देखा, जबकि अन्य लोगों के पास कोई भूमि स्वामित्व नहीं था। शर्मा ने कहा कि यह अस्वीकार्य है कि जहां कुछ व्यक्तियों के पास सैकड़ों बीघे जमीन है, वहीं वास्तविक नागरिकों सहित कई अन्य लोग अपने उचित हिस्से से वंचित हैं। यह पहल शोणितपुर जैसे जिलों के चार क्षेत्रों को लक्षित करती है, जहां सरकारी स्वामित्व वाली भूमि की कमी अतिक्रमण की व्यापकता के साथ बिल्कुल विपरीत है। इस असमानता को दूर करने के लिए, मिशन बसुंधरा 4.0 भूमि आवंटन को नियंत्रित करने वाले नए नियमों को लागू करेगा। ऐसे मामलों में जहां व्यापक भूमि जोत मौजूद है, ब्रह्मपुत्र बेसिन के पारिस्थितिक संतुलन को संरक्षित करने पर ध्यान देने के साथ, अतिरिक्त भूमि को सरकार द्वारा सार्वजनिक उपयोग के लिए पुन: प्राप्त किया जाएगा। शर्मा ने कहा कि मिशन का उद्देश्य स्थायी प्रकृति के चार क्षेत्रों की पहचान करना और ब्रह्मपुत्र क्षेत्र की पारिस्थितिक अखंडता की रक्षा के लिए भूमि को पुन: प्राप्त करना है। भूमि अधिग्रहण को सीमित करके और स्थायी भूमि प्रबंधन प्रथाओं को बढ़ावा देकर, मिशन बसुंधरा 4.0 असम में भूमिहीनता के गंभीर मुद्दे को संबोधित करते हुए नाजुक पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखना चाहता है।

सांसद गौरव गोगोई में *अहोम खून* नहीं बल्कि *मिया खून* बहता है : दादू ताये

गोलाघाट। असम के गोलाघाट जिले के निलंबित कांग्रेस अध्यक्ष दादू ताये ने आज कालियाबार के सांसद और पार्टी नेता गौरव गोगोई पर हमला बोलते हुए कहा कि गोगोई में अहोम का खून नहीं है, बल्कि मिया का खून है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा से मुलाकात के कारण निलंबित होने के बाद, ताये ने आज एक प्रेस वार्ता की, जहां उन्होंने कलियाबार के सांसद गौरव गोगोई पर उन्हें निलंबित करने का आरोप लगाया। टाय ने गोगोई के प्रति अपना गुस्सा फूटते हुए यहां तक कह दिया कि उनके पास तरुण गोगोई का खून नहीं है, बल्कि उनका खून मिया के खून से दूषित हो गया है। ताये ने कहा कि भाजपा की प्रचंड लहर के बीच, कलियाबार निर्वाचन क्षेत्र के लोगों ने आपको दो बार जीत दिलाई। आपने किस निचले स्तर के नेता से चर्चा की और नगांव जाने का फैसला किया? हम अपने जिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं को क्या जवाब देंगे? क्या आपने कहा है? इस संबंध में एक जिला अध्यक्ष के रूप में मुझसे कभी बात की? आप यह क्यों नहीं कह सकते कि चाहे कुछ भी हो जाए, आप काजीरंगा से चुनाव लड़ेंगे। यदि आप हमें छोड़कर सीधे रॉकीबुल हुसैन की लुंगी में नगांव भाग सकते हैं, तो नहीं आपके अंदर तरुण गोगोई का खून है, आपके अंदर अहोम का खून नहीं है। आपका शरीर रॉकीबुल हुसैन के खून से, एक मिया के खून से दूषित हो गया है। ऊपरी असम के लोग भविष्य में आपको माफ नहीं करेंगे। ताये की टिप्पणी तब आई है जब अफवाहें फैल रही हैं कि गौरव गोगोई अंतिम परिसीमन प्रक्रिया के बाद काजीरंगा के बजाय नगांव लोकसभा सीट से चुनाव लड़ सकते हैं। गोगोई के इस अफवाह भरे कदम ने कथित तौर पर उन्हें नगांव के मौजूदा कांग्रेस सांसद प्रद्युत बरदलै के साथ विवाद में डाल दिया है। गोगोई के नगांव जाने की अफवाह कांग्रेस नेता रॉकीबुल हुसैन के समर्थन से बताई गई है, जिनके बारे में अफवाह है कि वह खुद धुबड़ी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। निलंबित गोलाघाट जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने गौरव गोगोई पर यह कहकर निशाना साधा कि जहां उन्हें सीएम से मिलने के लिए निशाना बनाया गया है, वहीं पूर्व विधायक रोजेलिना तिर्की को काजीरंगा सीट से टिकट दिया जा रहा है, जबकि उन्होंने 2020 में भाजपा नेताओं से मुलाकात की थी। इससे टिर्की के भाजपा में शामिल होने की अफवाहों को बल मिला। ताये ने कहा कि गौरव गोगोई, मैं -शेष पृष्ठ दो पर

चुराचांदपुर में उपायुक्त और एसपी कार्यालय आग के हवाले, तीन की मौत

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर के चुराचांदपुर में पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सामने हिंसक भीड़ के साथ हुई झड़प में तीन प्रदर्शनकारियों की जान चली गई और 35 से अधिक अन्य लोग घायल हो गए। सशस्त्र उग्रवादियों के साथ मिलकर निर्दोष नागरिकों पर गोलीबारी करने में कथित रूप से शामिल एक पुलिस हेड कांस्टेबल के निलंबन के बाद शुरू हुआ यह विरोध प्रदर्शन हिंसा में बदल गया। इस दौरान हिंसा पर आमादा भीड़ ने चुराचांदपुर में उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक कार्यालयों को आग के हवाले कर दिया। साथ ही दोनों दफ्तरों पर लगे राष्ट्रीय ध्वज फाड़ दिए। उल्लेखनीय है कि चुराचांदपुर में लगभग 400 लोगों ने गुरुवार रात पुलिस अधीक्षक कार्यालय को निशाना बनाया। मणिपुर पुलिस -शेष पृष्ठ दो पर

इंटरनेट सेवाएं 21 तक के लिए निलंबित

इंफाल (हि.स.)। चुराचांदपुर जिले के पुलिस अधीक्षक कार्यालय को जलाने तथा अन्य हिंसक घटनाओं के मध्यनजर मणिपुर सरकार ने राज्य में 5 दिनों के लिए इंटरनेट सेवाएं स्थगित कर दी है। यह आदेश गुरुवार की देर रात जारी किया गया जो 21 फरवरी तक प्रभावी रहेगा। मणिपुर सरकार ने तनाव बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के संभावित दुरुपयोग पर -शेष पृष्ठ दो पर

पेंट फैक्टरी में आग से 11 लोगों की मौत राष्ट्रपति ने जताया दुख

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के अलीपुर क्षेत्र में एक पेंट फैक्टरी में आग लगने से 11 मजदूरों की मौत हो गई। दमकल विभाग के अनुसार, कल शाम लगभग 5:25 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। इस फैक्टरी में थिनर के ड्रम भी रखे थे। इस वजह से फैक्टरी में विस्फोट हो गया। इसके बाद आग तेजी से सामने के घरों और एक नशा मुक्ति केंद्र तक फैल गई। आग पर लगभग चार घंटे में नियंत्रण पा लिया गया। दिल्ली फायर सर्विसेज (डीएफएस) के निदेशक अतुल गर्ग ने एक्स हैंडल पर इस घटना पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि डीएफएस के सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद 11 मजदूरों की मौत हो गई। शाम 5:30 बजे आग लगने की सूचना मिली। 22 टेंडर साइट पर थे। विस्फोट के कारण इमारत ढह गई और मजदूर फैक्टरी के अंदर फंस गए और उन्हें बचाया नहीं जा सका। बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण दिन। उधर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के अलीपुर में एक पेंट फैक्टरी में आग लगने से 11 मजदूरों की मौत पर दुख -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
एक अकेला पहिया नहीं चला करता।
- आचार्य चाणक्य

नीतीश सरकार का बड़ा फैसला

आरजेडी कोटे के मंत्रियों के कामकाज की होगी समीक्षा

पटना। बिहार की महागठबंधन सरकार टूटने के बाद नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राजग सरकार ने पूर्व में सरकार में शामिल रहे राजद कोटे के कुछ मंत्रियों के विभागों के कामकाज की समीक्षा का निर्णय लिया है। मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग की ओर से इस संबंध में आदेश जारी कर दिए गए हैं। सरकार ने फिलहाल जिन विभागों के कार्य और निर्णयों की समीक्षा का निर्णय लिया है उनमें से अधिकांश विभाग उक्त सरकार में उप मुख्यमंत्री रहे तेजस्वी यादव के पास थे। तेजस्वी यादव के अलावा दो अन्य मंत्रियों के विभागों के निर्णयों की समीक्षा होगी। जो विभाग उप मुख्यमंत्री के रूप में रूप में तेजस्वी के पास थे उनमें स्वास्थ्य, पथ निर्माण, नगर विकास एवं आवास विभाग और ग्रामीण कार्य विभाग -शेष पृष्ठ दो पर

पलटन बाजार थाने में उत्तेजना

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी के पलटन बाजार थाने में गुरुवार की रात तनावपूर्ण स्थिति रही। पूरे थाना को सोलापारा इलाके के स्थानीय निवासियों द्वारा घेर लिया गया। यह घटना सरस्वती पूजा की रात सोलापारा में एक कॉम्प्लेक्स में हुई। परिसर के निवासियों ने सरस्वती पूजा का आयोजन किया था। निवासियों ने पूजा के लिए रात में एक सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया था। सीआईडी के कई अधिकारी उस परिसर में किराएदार थे। अधिकारियों ने देर रात तक प्रदर्शन को चलने से रोका। यहीं से घटना शुरू -शेष पृष्ठ दो पर

केंद्र और किसान संगठनों के बीच नहीं हो सकी सहमति, चौथी बैठक रविवार को

चंडीगढ़ (हि.स.)। पंजाब के किसान संगठनों के दिल्ली कूच के आह्वान के बाद केंद्र सरकार से चल रही तीसरे दौर की वार्ता पर भी गुरुवार रात सहमति नहीं बन सकी। अब चौथे दौर की वार्ता रविवार शाम चंडीगढ़ में होगी। तीसरे दौर की वार्ता रात करीब दो बजे तक चली। बैठक में केंद्र सरकार के प्रतिनिधि के रूप में केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, पीयूष गोयल और नित्यानंद रॉय शामिल हुए। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, वित्तमंत्री हरपाल सिंह चीमा और राज्य के अधिकारियों ने अपना -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

हेलमेट नहीं पहनने पर लाठी मारकर फोड़ी आंख

पटना। बिहार के बेगूसराय में अंखफोड़वा कांड जैसा मामला सामने आया है। यहां एक युवक के हेलमेट नहीं पहनने पर पुलिस ने लाठी से मारकर उसका आंख फोड़ दिया। एक तरफ जहां युवक और उसके परिजन पुलिस पर लाठी मारकर आंख फोड़ने का आरोप लगा रहे हैं वहीं दूसरी तरफ मंझौल -शेष पृष्ठ दो पर

चंपाई सोरेन कैबिनेट का विस्तार, आठ ने ली शपथ

रांची (हि.स.)। राज्य में चंपाई सोरेन की सरकार ने शुक्रवार को मंत्रिमंडल का विस्तार किया। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने राजभवन के बिरसा मंडप में आयोजित समारोह में आठ विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलायी। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के छोटे भाई बसंत सोरेन को मंत्री बनाया गया है। चंपाई सोरेन कैबिनेट का दूसरा विस्तार हुआ। इसमें दो नए चेहरों को शामिल किया गया है। इनमें बसंत सोरेन और -शेष पृष्ठ दो पर

केवल वही आयात करें जो अपरिहार्य रूप से आवश्यक हो : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने व्यापार और उद्योग निकायों का ध्यान आर्थिक राष्ट्रवाद की सदस्यता न लेने के दुष्परिणामों की ओर आकर्षित किया है। वह शुक्रवार को नई दिल्ली में डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में भारत स्टार्टअप और एमएसएमई शिखर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उपराष्ट्रपति ने आर्थिक राष्ट्रवाद को हमारे आर्थिक विकास के लिए मौलिक बताते हुए केवल वही आयात करने का आह्वान किया, जो अपरिहार्य रूप से आवश्यक है, ताकि -शेष पृष्ठ दो पर

भगवान राम को काल्पनिक बताने वाले भी अब जय सिया राम बोलने लगे हैं : पीएम

रेवाड़ी/नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को हरियाणा के रेवाड़ी से कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा और कहा कि भगवान राम को काल्पनिक बताने वाले कांग्रेसी भी अब जय सिया राम बोलने लगे हैं। प्रधानमंत्री ने रेवाड़ी में स्वास्थ्य, रेल और पर्यटन क्षेत्र से जुड़ी 10 हजार करोड़ रुपए की विभिन्न विकास परियोनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि देश की इच्छा थी कि अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हो, आज पूरा देश भव्य राम मंदिर में विराजे रामलला के दर्शन कर रहा है। कांग्रेस के लोग, जो भगवान राम को काल्पनिक बताते थे, जो कभी नहीं चाहते थे कि राम मंदिर बने, वो भी जय सिया राम करने लगे हैं। उन्होंने कहा कि देश-दुनिया में मोदी की -शेष पृष्ठ दो पर

स्पेन में मिला तीन हजार साल पुराना एलियन मेटल

नई दिल्ली। स्पेन में चौंकाने वाली खोज की गई है। यहां 3000 साल पुराना खजाना मिला है, जिसकी धातुएं पृथ्वी से बाहर की हैं। इसे *एलियन मेटल* भी कहा जाता है। इस खजाने में 59 सोने की परत चढ़ी वस्तुएं शामिल हैं। इसे 1963 में एलिकांटे प्रांत के विलेना शहर के पास खोजा गया था। यह इबेरियन प्रायद्वीप में कांस्य युग की सोने की कलाकृतियों की सबसे महत्वपूर्ण खोजों में से एक है। दिरियाह गेट विकास प्राधिकरण और स्पेनिश राष्ट्रीय अनुसंधान परिषद के शोधकर्ताओं की एक टीम द्वारा हाल ही में किए गए एक अध्ययन -शेष पृष्ठ दो पर

नेपाल के सबसे बड़े जमीन घोटाले में दो पूर्व सचिव सहित 131 सरकारी कर्मचारी दोषी करार

काठमांडू (हि.स.)। नेपाल में अब तक के सबसे बड़े जमीन घोटाला मामले में दो पूर्व सचिव सहित एक सौ से अधिक सरकारी कर्मचारियों को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई गई है। सरकारी अधिकारियों के अलावा कई भू माफिया और बड़े व्यापारियों को भी सजा सुनाई गई है। इसके साथ ही अदालत ने बेची गई करीब 10 बीघा जमीन को पुन: सरकार के नाम करने का फैसला भी सुनाया है। काठमांडू में प्रधानमंत्री के सरकारी आवास के आसपास की करीब 10 बीघा जमीन को पहले संस्था के नाम पर करते हुए उस जमीन की प्लॉटिंग कर अलग अलग व्यक्तियों को बेचने के आरोप में नेपाल सरकार के चार पूर्व सचिव सहित 131 सरकारी कर्मचारियों को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई गई है। इसके अलावा इस मामले में कई भूमाफिया और बिचौलिए को भी दोषी पाया गया है। इनमें देश के सबसे बड़े शॉपिंग मॉल चेन के मालिक भी हैं, जिन्हें दो साल तक की जेल की सजा और 80 लाख रुपए जुर्माना की सजा मुकर्रर की गई है। सरकारी भ्रष्टाचार सम्बंधी जांच एजेंसी अख्तियार दुरुपयोग अनुसंधान आयोग की तरफ से -शेष पृष्ठ दो पर

म्यांमार में सशस्त्र बलों और विद्रोहियों के ताजा संघर्ष से बांग्लादेश में दहशत

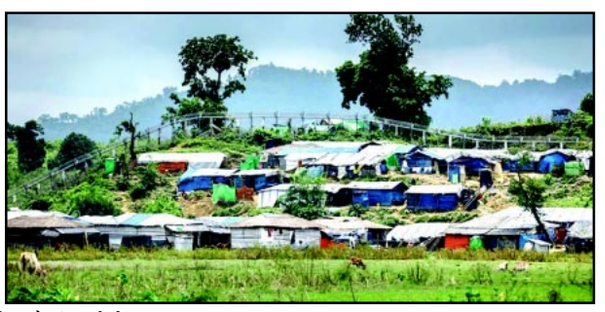

ढाका (हि.स.)। बांग्लादेश के नागरिक सीमापार म्यांमार में सशस्त्र बलों और विद्रोहियों (अराकान सेना) के बीच हुए ताजा संघर्ष से दहशत में हैं। म्यांमार के रखाइन राज्य में तेज धमाकों और भीषण गोलीबारी से बांग्लादेश के कॉक्स बाजार के टेकनाफ उप जिला में नफ नदी सीमा के पास स्थित घरों की दीवारों पर हुए कंपन से लोग सुरक्षित ठिकानों की तलाश में बाहर आ गए। ढाका ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार मोर्टार शेल के विस्फोटों की आवाज से बांग्लादेश के लोग थर्रा गए। ह्लिा, सबरंग और सेंट मार्टिन द्वीप में रहने वाले बांग्लादेश के लोगों ने शुक्रवार सुबह से दोपहर करीब 2:45 बजे तक मोर्टार गोले दागने की आवाज सुनी। टेकनाफ नगर पालिका में नफ नदी के पास रहने वाले मोहम्मद इस्लाम ने कहा कि शुक्रवार सुबह से म्यांमार सीमा पर रुक-रुक कर भारी गोलाबारी की आवाज सुनाई दे -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

मणिपुर : आईआरबी कैंप में हुई गोला-बारूद और हथियारों की लूट, सात जवान सस्पेंड

इंफाल। मणिपुर के इंफाल पूर्वी जिले में विशेष बल के चिंगारेल शिविर से हथियारों और गोला-बारूद की लूट के मामले में इंडिया रिजर्व बटालियन के सात कर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। इन सात जवानों पर अपनी ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप लगे हैं। गुरुवार को 5वीं इंडिया रिजर्व बटालियन के कमांडेंट द्वारा जारी एक आदेश के अनुसार, इन साथ कर्मियों को बिना अनुमति के अपना मुख्यालय नहीं छोड़ने का भी निर्देश दिया गया है। आदेश में कहा गया है कि तीन दिन पहले शिविर से हथियार और गोला-बारूद लूटे जाने के बाद सात कर्मियों को गंभीर लापरवाही और अपने कर्तव्यों के प्रति अनदेखी के लिए निलंबित कर दिया गया था। मणिपुर पुलिस ने गुरुवार को कहा कि हथियार लूट मामले में छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है और पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। आईआरबी कैंप से लूटी गई चार इंसास राइफलें, एक एके घटक, एसएलआर की दो मैगजीन और 9 एमएम गोला बारूद के 16 छोटे बक्से भी बरामद किए गए हैं। बता दे कि इससे पहले 13 फरवरी को एक भीड़ चिंगारेल में 5वीं आईआरबी के शिविर में घुस गई थी और हथियार और गोला-बारूद लेकर भाग गई थी।

कोचिंग सेंटरों के भ्रामक विज्ञापनों पर नकेल की तैयारी, मसौदा दिशा-निर्देश जारी

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने कोचिंग क्षेत्र में भ्रामक विज्ञापनों की रोकथाम के लिए मसौदा दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन पर लोग अपने सुझाव एवं प्रतिक्रिया 30 दिनों के भीतर 16 मार्च तक केंद्रीय प्राधिकरण को दे सकते हैं। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अनुसार कोचिंग क्षेत्र में भ्रामक विज्ञापनों की रोकथाम के लिए दिशा-निर्देशों का मसौदा कोचिंग संस्थानों, कानून फर्मों, सरकार और स्वैच्छिक उपभोक्ता संगठनों (वीसीओ) सहित सभी हितधारकों के साथ विस्तृत विचार-विमर्श के बाद तैयार किया गया है। गाइडलाइंस के तहत विज्ञापन से जुड़ी शर्तें रखी गई हैं, जिनका अनुपालन न होने की स्थिति में कोचिंग से जुड़े व्यक्ति को भ्रामक विज्ञापन से जोड़ा जाएगा। विज्ञापन को भ्रामक माना जाएगा अगर सफल उम्मीदवार के पाठ्यक्रम और अवधि की जानकारी छिपाए जाए, मनमाने ढंग से सफलता की दर निर्धारित की जाए, चयन और रैंकिंग से जुड़े झूठे दावे किए जायें, छात्र के व्यक्तिगत प्रयासों को नकारते हुए सारा श्रेय कोचिंग सेंटर को दिया जाए।

অসম লোকসেৱা আয়োগ
ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-781022.

No. 24PSC/E-11/2023-24

NOTIFICATION

It is for information to all concerned that the **Combined Competitive (Prelim) Examination, 2023** will be held on **17th March, 2024 (Sunday)** at **32 District Headquarters** viz. Amingaon, Barpeta, Biswanath Chariali, Bongaigaon, Dhemaji, Dhubri, Dibrugarh, Diphu, Goalpara, Golaghat, Haflong, Hamren, Hatsingimari, Hojai, Jorhat, Kajalgaon, Karimganj, Kokrajhar, Majuli, Mangaldoi, Morigaon, Mushalpur, Nagaon, Nalbari, North Lakhimpur, Silchar, Sivsagar, Sonari, Tezpur, Tinsukia, Udalguri and Guwahati. The status of the applications and e-Admission Certificates of candidates for the said examination will be uploaded in the website www.apsc.nic.in in due course. All candidates should check the status of their applications before downloading their e-Admission Certificate.

IMPORTANT INSTRUCTIONS TO CANDIDATES :

1. For detailed information, please refer to **"Instruction to Candidates"** which can be downloaded from the APSC website www.apsc.nic.in. in due course.
2. Candidates should note that **no hard copy of the e-Admission Certificate** will be dispatched.
3. No request for change of centre already chosen by candidates will be entertained.
4. No candidate will be allowed to enter in the Examination Hall unless he/she produces the e-Admission Certificate.
5. Candidates must bring any one of the valid Photo ID proof such as PAN card/Driving License/ Passport/Voter ID Card/ Aadhaar Card/ ID card issued by Educational Institutions, Govt. Departments, Public Sector Undertakings and other institutions.

For any query candidates can mail us at cceapsc@gmail.com.

Sd/-
Secretary,
Assam Public Service Commission
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22

-- Janasanyog /D/17871/23/17-Feb-24

प.बंगाल में राष्ट्रपति शासन की सिफारिश एनसीएससी ने राष्ट्रपति को सौंपी रिपोर्ट

कोलकाता। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग (एनसीएससी) जमीनी स्तर पर जानकारी जुटाने के बाद सक्रिय है। संदेशखाली की यात्रा के 24 घंटे के भीतर राष्ट्रपतिभवन को एनसीएससी की पूर्ण पीठ ने रिपोर्ट भेज दी है, जिसमें हर कदम पर बंगाल पुलिस प्रशसान द्वारा असहयोग से लेकर जांच में लापरवाही समेत कई और आरोप लगाकर बंगाल में राष्ट्रपति शासन की अनुशंसा की गई है। अरुण हलदर ने बताया कि आयोग ने संदेशखाली में टीएमसी समर्थकों द्वारा महिलाओं के कथित उत्पीड़न पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपी अपनी रिपोर्ट में पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की सिफारिश की है। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग (एनसीएससी) के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को संदेशखाली का दौरा किया था। बताते चलें कि संदेशखाली मामले में अनुसूचित जाति की महिलाओं व लोगों पर अत्याचार का आरोप तृणमूल नेता उत्तम सरदार और शिवप्रसाद हाजरा उर्फ शिबू पर लगा है। अनुसूचित जाति आयोग की टीम गुरुवार संदेशखाली गई थी। क्षेत्र का दौरा करने के बाद अनुसूचित जाति आयोग ने राष्ट्रपति भवन को रिपोर्ट सौंपी। हालांकि रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई, लेकिन आयोग के अध्यक्ष अरुण हलदर ने कहा कि वे राष्ट्रपति शासन की मांग करते हैं। इधर, संदेशखाली को लेकर फिर से कलकत्ता हाई कोर्ट में जनहित मामला दायर किया गया है। वकील ने मुकदमा दायर करने की अनुमति मांगी। उस क्षेत्र की स्थिति को देखते हुए शीघ्र केंद्रीय बलों की तैनाती का अनुरोध किया गया है। जस्टिस जयमाल्य बागची ने केस दायर करने की इजाजत दे दी है। अगले सोमवार को सुनवाई संभव है। संदेशखाली मामला बंगाल से बाहर ले जाने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल की गई है।

कांग्रेस के बैंक खातों से हटा प्रतिबंध

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस के बैंक खातों पर लगा प्रतिबंध हटा दिया गया है। इस बात की जानकारी देते हुए कांग्रेस नेता विवेक तन्खा ने कहा कि आयकर अपीलीय अधिकरण में सुनवाई लंबित रहने तक कांग्रेस पार्टी के खातों पर लगी रोक को बुधवार तक हटा दिया गया है। इससे पहले कांग्रेस नेता अजय माकन ने शुक्रवार को एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान आरोप लगाया था कि मोदी सरकार के इशारे से देश की मुख्य विपक्षी पार्टियों के खाते फ्रीज कर दिए गए हैं। माकन ने कहा कि देश में लोकतंत्र पूरी तरह से खत्म हो चुका है। मुख्य विपक्षी पार्टी के सारे अकाउंट्स फ्रीज कर दिए गए हैं। कांग्रेस पार्टी के अकाउंट पर तालाबंदी कर दी गई है। माकन ने कहा था कि बैंक खाते तो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के फ्रीज होने चाहिए, क्योंकि जो असंवैधानिक कॉर्पोरेट बांड उन्होंने अपने खातों में डाल रखे हैं, सुप्रीम कोर्ट के अनुसार असंवैधानिक हैं। हमारे खातों में कार्यकर्ताओं द्वारा ऑनलाइन डोनेशन से जुटाया गया पैसा है। इसे इनकम टैक्स और मोदी सरकार कैसे फ्रीज कर सकती है। इस कदम से स्पष्ट है कि अब हमारे देश में लोकतंत्र नहीं रहा। ऐसा लगता है देश में *वन पार्टी सिस्टम* लाने का प्रयास किया जा रहा है।

पृष्ठ एक का शेष

सांसद गौरव गोगोई ...

आपके लिए छाया की तरह था। मुझे लगा कि आप असम का उज्ज्वल भविष्य हैं। मुसीबत के क्षण में आपने मेरी रक्षा नहीं की। आपके परामर्श और आपकी अनुमति के बिना, भूपेन बोरा में मुझे हटाने की क्षमता नहीं है मेरी पोस्ट से। अगर मैं गलत हूं तो आप आगामी लोकसभा चुनाव के लिए काजीरंगा सीट से रोजलीन तिर्की को टिकट क्यों दे रहे हैं? आपको ऐसे लोगों का भी बहिष्कार करना चाहिए। जब वह विधायक थीं, तो वहां जाने वाली पहली विधायक थीं सरूपथार में भाजपा का कार्यालय और उनसे एक गमोसा प्राप्त करें कि। ताये ने आगे कहा कि अगर मुख्यमंत्री से मिलना गुनाह है तो वह ऐसा कई बार करेंगे। निलंबित गोलाघाट कांग्रेस अध्यक्ष ने यह भी कहा कि कई कांग्रेस नेता कांग्रेस में शामिल होने की तैयारी कर रहे हैं, और उन्होंने विधायक कमलाख्या डे पुरकासयस्थ और बसंत दास का भी उल्लेख किया, जिन्होंने हाल ही में विधानसभा में सीएम शर्मा को अपना खुला समर्थन देने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा कि मिसिंग समुदाय का आदमी होने के नाते, अगर मैंने हिमंत विश्व शर्मा से मिलकर कोई अपराध किया है, तो मैं यह अपराध एक हजार बार करूंगा। लेकिन जो लोग नियमित रूप से रात के दौरान मुख्यमंत्री से मिल रहे हैं, उन्हें उनके खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए साथ ही। कई विधायक चले गए हैं। मुझे पता है कि कमलाख्या डे पुरकायश्ता, बसंत दास और कई अन्य लोग जाने की कतार में हैं। कई अन्य लोग जाने पर विचार कर रहे हैं। उनमें उनके खिलाफ कार्रवाई करने की हिम्मत नहीं है। लेकिन वे एक जिले के सामान्य अध्यक्ष को हटाने का साहस रखें। गौरव गोगोई के खिलाफ दादू ताये की कड़ी टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब असम कांग्रेस पहले से ही अशांत दौर का सामना कर रही है। ताये ने अली ऐ लिगांग उत्सव के अवसर पर सीएम शर्मा से मुलाकात की थी और उन्हें मिसिंग गमोसा भेंट किया था। बैठक के बाद, ताये को गोलाघाट जिला कांग्रेस अध्यक्ष के पद से निलंबित कर दिया गया और उन्हें कारण बताओ नोटिस भी दिया गया। इससे पहले, पुरकायस्थ और दास द्वारा असम के मुख्यमंत्री को खुला समर्थन देने के बाद कांग्रेस पार्टी को झटका लगा था। पुरकायस्थ ने कांग्रेस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष पद से भी इस्तीफा दे दिया, जबकि पार्टी की प्राथमिक सदस्यता अभी भी उनके पास बरकरार है।

चुराचांदपुर में उपायुक्त...

ने आज (शुक्रवार) सुबह बताया कि एक वीडियो में कथित तौर पर हथियारबंद लोगों के साथ दिख रहे जिला पुलिस के एक हेड कांस्टेबल के निलंबन के कुछ घंटे बाद हिंसा भड़की। भीड़ ने सबसे पहले चुराचांदपुर एसपी कार्यालय पर हमला किया। मणिपुर पुलिस ने एक्स हैंडल पर कहा कि लगभग 300-400 की संख्या में भीड़ ने एसपी चुराचांदपुर के कार्यालय पर धावा बोलने का प्रयास किया तथा पथराव किया। आरएएफ सहित सुरक्षा बल नियंत्रण के लिए आंसू गैस के गोले दागकर उचित जवाब दिया। इसके बाद स्थिति नियंत्रित हुई। चुराचांदपुर के एसपी शिवानंद सुर्वे द्वारा हेड कांस्टेबल सियामलाल पॉल को तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक निलंबित कर दिया।

इंटरनेट सेवाएं 21...

चिंताओं का हवाला देते हुए चुराचांदपुर जिले में वीपीएन के माध्यम से सेवाओं सहित मोबाइल इंटरनेट और डेटा सेवाओं को अस्थायी रूप से निलंबित करने का आदेश दिया है। यह निलंबन गुरुवार की रात 1:40 बजे से शुरू होकर पांच दिनों की अवधि के लिए प्रभावी होगा। दूरसंचार सेवाओं के अस्थायी निलंबन (सार्वजनिक आपातकाल या सार्वजनिक सुरक्षा) नियम, 2017 के नियम 2 के तहत लिया गया यह निर्णय सार्वजनिक शांति और सांप्रदायिक सद्भाव में व्यापक गड़बड़ी की आशंकाओं के बीच लिया गया है। सरकार का लक्ष्य भड़काऊ सामग्री और झूठी अफवाहों के प्रसारण को रोकना है जो वर्तमान अस्थिर कानून और व्यवस्था की स्थिति को खराब कर सकते हैं। सभी मोबाइल सेवा प्रदाताओं को निलंबन को प्रभावी ढंग से लागू करने के सख्त निर्देश के साथ आदेश का अनुपालन करने का निर्देश दिया गया है। इसके अतिरिक्त, मणिपुर सरकार ने तत्काल कार्यान्वयन की सुविधा के लिए पुलिस महानिदेशक और दूरसंचार विभाग सहित संबंधित अधिकारियों को निर्देश भेज दिया है। मणिपुर सरकार के संयुक्त सचिव (गृह) डॉ. मायेंगबाम वीटो सिंह ने सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने में सभी से सहयोग का आग्रह किया है।

आरजेडी कोटे के ...

शामिल हैं। तेजस्वी के पास के इन चार विभाग के अलावा राजद विधायक रामानंद यादव के पास रहे खान एवं भू-तत्व विभाग और ललित यादव के पास रहे लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (पीएचईडी) के कार्यों और निर्णयों की भी समीक्षा होगी। मंत्रिमंडल सचिवालय ने संबंधित विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव व सचिवों को इस संबंध में जो पत्र भेजा है उसमें कहा गया है कि पहली अप्रैल 2023 के बाद संबंधित विभागों ने कार्य किए और जो निर्णय लिए उनकी समीक्षा की जाए। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि यदि आवश्यक हो तो सक्षम प्राधिकार से अनुमोदन के बाद उन निर्णयों और आदेशों में संशोधन कर दिया जाए। पत्र में यह भी कहा गया है कि इस संबंध में विभागीय मंत्री को संबंधित आदेशों की जानकारी दी जाए एवं मंत्री से आवश्यक निर्देश भी प्राप्त किए जाए। बता दें कि 10 अगस्त 2022 में बनी जदयू, राजद, कांग्रेस और वामदलों की महागठबंधन सरकार में अकेले राजद के कोटे से 16 जबकि कांग्रेस के कोटे से दो मंत्री थे। 28 जनवरी 2024 तक महागठबंधन चली। अब सरकार ने तीन मंत्रियों और उनके विभागों के काम और निर्णयों की समीक्षा का निर्णय लिया है। बता दें कि महागठबंधन सरकार से अलग होने के बाद विधानसभा में नीतीश कुमार ने सरकार के शक्ति परीक्षण के दौरान कहा था कि उन्हें जानकारी मिल रही थी कि कई विभागों के कामकाज में गड़बड़ की जा रही थी। उन्होंने विधानसभा में एलान किया था कि यदि आवश्यकता पड़ी तो संबंधित विभागों के काम की जांच पड़ताल कराई जाएगी। मुख्यमंत्री के साथ ही उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भी जांच कराए जाने की बात कही थी। सरकार के इसी एलान के बाद मंत्रिमंडल सचिवालय ने राजद सरकार के कुछ मंत्रियों के कामकाज की समीक्षा और पूर्व के निर्णयों में गड़बड़ होने की स्थिति में उसमें संशोधन का निर्णय लिया है।

पलटन बाजार थाने ...

हुई। निवासियों ने आरोप लगाया कि सीआईडी अधिकारियों ने कॉम्प्लेक्स के स्थानीय निवासियों की पिटाई की। लोगों पर सीआईडी अधिकारियों को धमकाने का आरोप है। सीआईडी अधिकारियों ने घटना के संबंध में पलटन बाजार थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई। इस एफआईआर के आधार पर पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों की गिरफ्तारी को लेकर इलाके के लोगों ने हंगामा कर दिया। उधर, इसी घटना को लेकर पलटन बाजार थाने में सीआईडी अधिकारियों के खिलाफ लोगों ने एफआईआर दर्ज कराई। लेकिन, एफआईआर नहीं लेने के आरोप लग रहे हैं। इसके तुरंत बाद, एक उत्तेजक स्थिति उत्पन्न हो गई। स्थानीय निवासियों ने सीआईडी अधिकारियों की गिरफ्तारी की मांग की है। लोगों ने चेतावनी दी कि जब तक अधिकारियों को गिरफ्तार नहीं किया जाता तब तक वे थाना नहीं छोड़ेंगे।

केंद्र और किसान ...

पक्ष रखा। केंद्रीयमंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि कई मामलों पर सहमति बन रही है। कुछ मांगों पर विस्तार से रिपोर्ट तैयार करने की जरूरत है। किसान बातचीत के लिए तैयार हैं। एमएसपी की अधिसूचना जारी करने और किसानों की कर्ज माफी को लेकर अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी गई है। अब 18 फरवरी की शाम छह बजे चौथे चरण की बैठक होगी। मुख्यमंत्री मान ने कहा कि किसानों की मांगों को पूरा करने के लिए राज्य सरकार हर तरह का फैसला लेने को तैयार है। किसानों को इस बात के लिए राजी कर लिया गया है कि वह रविवार को चंडीगढ़ में होने वाली बैठक में शामिल हों। किसान नेता स्वर्ण सिंह पंधेर और जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा है कि दिल्ली कूच प्रतिष्ठा का सवाल नहीं है। अगर यहीं पर मांगें मान ली जाती हैं तो किसान इस समय जहां बैठे हैं वहीं से लौट जाएंगे। सरकार मांगों को पूरा करने के लिए लिखित में आश्वासन दे। वह रविवार को होने वाली बैठक में शामिल होंगे। उधर भारतीय किसान संघ (बीकेएस) ने किसान आंदोलन से दूरी बनाई है। इस संबंध में बीकेएस के अखिल भारतीय महामंत्री मोहिनी मोहन मिश्र ने शुक्रवार को कहा कि किसान आंदोलन हिंसक हो चुका है। ऐसे में संगठन इस आंदोलन को अपना समर्थन नहीं दे रहा है। मिश्र ने कहा कि जब राजनैतिक मंशा के साथ किसानों के कंधे का प्रयोग कुछ लोग अपना राजनैतिक हित साधने के लिए करते हैं तो पीड़ा होती है। उन्होंने कहा कि जब किसान के नाम राजनैतिक आंदोलन चलता है तो सबसे अधिक नुकसान किसानों को होता है। ऐसे में संगठन का आग्रह है कि किसानों के नाम पर राजनैतिक चुनावी पैंतरेबाजी बंद होनी चाहिए।

पेंट फैक्टरी में ...

जताया है। राष्ट्रपति ने शुक्रवार को घटना पर दुख जताते हुए एक्स पर पोस्ट में कहा कि दिल्ली के अलीपुर में एक फैक्टरी में आग लगने से अनेक लोगों की मृत्यु होने का समाचार अत्यंत दुखद है। मैं शोक संतप्त परिवारजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करती हूं और घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं। उपराष्ट्रपति ने एक्स पर लिखा कि नई दिल्ली के अलीपुर में एक फैक्टरी में आग लगने की दुखद घटना में लोगों की मौत से बहुत दुखी हूं। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। इस कठिन समय में उन्हें शक्ति और सांत्वना मिले। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। उल्लेखनीय है कि 15 फरवरी को अलीपुर में स्थित एक पेंट की फैक्टरी में भयंकर आग लग गई। दिल्ली फायर सर्विसेज (डीएफएस) के सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद 11 मजदूरों की मौत हो गई।

केवल वही आयात ...

भारत की विदेशी मुद्रा की निकासी, नागरिकों के लिए रोजगार के अवसरों की हानि और उद्यमिता के विकास में बाधाओं को रोका जा सके। वोकल फॉर लोकल की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि यह भावना आत्मनिर्भर भारत का एक पहलू है और भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान स्वदेशी आंदोलन के सार को प्रतिबिंबित करती है। उन्होंने भारत के एमएसएमई क्षेत्र के प्रभावी प्रदर्शन की सराहना की और कहा कि यह टियर 2 और 3 शहरों और गांवों में परिवर्तनकारी बदलाव ला रहा है। यह रेखांकित करते हुए कि कैसे व्यावसायिक नीतियों और पहलों में आसानी के साथ सकारात्मक शासन ने देश में उद्यमशीलता और नवाचार की भावना को फलने-फूलने में मदद की है, उपराष्ट्रपति ने उद्यमियों से उनके प्रदर्शन को अनुकूलित करने में मदद करने का आह्वान किया। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि कैसे स्टार्टअप और एमएसएमई भारत जैसे लोकतांत्रिक राष्ट्र के लिए वृद्धि सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, ताकि समाज के सभी वर्गों का समान रूप से उत्थान हो सके। कॉरपोरेट नेताओं से देश में अनुसंधान और विकास में शामिल होने की अपील करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि दुनिया भर में अनुसंधान और विकास को उद्योगों द्वारा बढ़ावा, वित्तपोषित, प्रचारित और कायम रखा जाता है लेकिन हमारे यहां इसकी कमी है। कॉरपोरेट्स से उस दिशा में एक बड़ा कदम उठाने का आग्रह करते हुए उन्होंने कहा कि हालांकि बाहर के विश्वविद्यालयों को वित्तीय सहायता प्रदान करना अच्छा है लेकिन स्थानीय विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों पर ध्यान देना भी महत्वपूर्ण है।

भगवान राम को ...

गारंटी योजना की चर्चा है। रेवाड़ी तो मोदी की गारंटी का सबसे पहला गवाह है। यहां प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में मैंने देश को कुछ गारंटियां दी थीं। देश की इच्छा थी कि दुनिया में भारत की साख बढ़े, वो हमने करके दिखाया। देश की इच्छा थी कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हो। भव्य मंदिर का निर्माण हुआ। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने की बात कही थी, आज ये आर्टिकल इतिहास के पन्नों में कहीं खो गया है। उन्होंने कहा कि लोगों ने एक और संकल्प लिया है और जनता जनार्दन कह रही है, जिसने 370 हटाया उस भाजपा का टीका 370 सीटों से होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2013 में जब मुझे भाजपा ने प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया गया था, तब मेरा पहला कार्यक्रम रेवाड़ी में हुआ था और रेवाड़ी ने मुझे 272 पार का आशीर्वाद दिया था। आपका वो आशीर्वाद सिद्धि बन गया। अब लोग कह रहे हैं कि मैं फिर एक बार रेवाड़ी आया हूं तो आपका आशीर्वाद है- अबकी बार एनडीए सरकार 400 पार। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सीटें महत्वपूर्ण हैं, लेकिन मेरे लिए लोगों का आशीर्वाद बहुत बड़ी संपत्ति है। पूरी दुनिया में भारत आपके आशीर्वाद के कारण नई ऊंचाइयों पर पहुंचा है। प्रधानमंत्री ने लोगों से कहा कि अब मुझे अपने तीसरे कार्यकाल में भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए आपके आशीर्वाद की जरूरत है। कांग्रेस पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस का ट्रैक रिकॉर्ड देश की आधे से अधिक आबादी को दशकों तक छोटी-छोटी जरूरतों से दूर रखने, सिर्फ एक ही परिवार के हित को देशवासियों के हित से ऊपर रखने, घोटालों, सेना और सैनिक दोनों को कमजोर करने का है। प्रधानमंत्री ने लोगों को आगाह करते हुए कहा कि आज भी कांग्रेस की टीम, नेता और नीयत वही है। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का नाम लिये बिना तंज कसते हुए कहा कि एक परिवार के मोह में फंसी कांग्रेस आज अपने इतिहास के सबसे दयनीय दौर से गुजर रही है। इनके नेता से अपना एक स्टार्टअप नहीं संभल रहा, ये लोग देश संभालने का सपना देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता एक-एक कर पार्टी छोड़ कर जा रहे हैं। आज स्थिति ये है कि कांग्रेस के पास अपने कार्यकर्ता तक नहीं बचे हैं। जहां सरकार में हैं, वहां इनसे सरकारें तक नहीं संभल रही हैं।

स्पेन में मिला ...

से पता चला है कि धातु स्थलीय लोहे से नहीं बने, बल्कि उस मेटल से बनी थीं जो एक उल्कापिंड से आया था जो पृथ्वी पर लगभग दस लाख वर्ष पहले गिर गया था। शोधकर्ताओं ने इन वस्तुओं में लौह-निकल मिश्र धातु के निशान का विश्लेषण करने के लिए मास स्पेक्ट्रोमेट्री का उपयोग किया और पुष्टि की कि वे उल्कापिंड लोहे की संरचना से मेल खाते हैं। उन्होंने वस्तुओं की तुलना प्राचीन संस्कृतियों के उल्कापिंड लौह कलाकृतियों के अन्य ज्ञात उदाहरणों से भी की, जैसे मिस्त्र के मरास पठार पर पाया गया धातू। जर्नल ट्रैबजोस डी प्रीहिस्टोरिया में प्रकाशित अध्ययन से पता चलता है कि ये इबेरियन प्रायद्वीप में पाए जाने वाले पहले और सबसे पुराने उल्का पिंड हैं और ये कांस्य युग (1400-1200 ईसा पूर्व) के हैं। शोधकर्ताओं का यह भी प्रस्ताव है कि लोहा एक उल्कापिंड से प्राप्त किया गया था जो खजाने के स्थान के पास टकराया थामऔर स्थानीय लोगों ने इसका उपयोग इन प्रतिष्ठित और प्रतीकात्मक वस्तुओं को बनाने के लिए किया था। खजाने में मिली 59 कलाकृतियों में कई सुंदर चीजें मिली। इसमें एक मुकुट, 28 कंगन, 11 कटोरे और तीन बोतल और कुछ छोटे आभूषण हैं। शोधकर्ताओं की मानें तो ज्यादातर को बनाने में सोने जैसी धातु का इस्तेमाल हुआ। इसमें ज्यादातर उल्कापिंडों में पाए जाने वाले सिलिकेट के भी हिस्से मिले।

नेपाल के सबसे ...

काठमांडू की विशेष अदालत में दायर रिट पर फैसला सुनाते हुए इसमें शामिल सभी सरकारी कर्मचारियों को दोषी करार दिया गया। हालांकि अख्तियार की तरफ से दायर याचिका में दो पूर्व प्रधानमंत्री, एक पूर्व उपप्रधानमंत्री, तीन विभागीय मंत्रियों को भी आरोपित बनाया गया था। विशेष अदालत ने अपने फैसले में पूर्व प्रधानमंत्री और मंत्रियों के खिलाफ सजा सुनाने को क्षेत्राधिकार से बाहर की बात कही है। विशेष अदालत के फैसले में इस जमीन घोटाला को नीतिगत भ्रष्टाचार बताते हुए इस जमीन को संस्था के नाम पर करने से लेकर व्यक्ति के नाम पर करने तक जितने भी सरकारी कर्मचारी भौतिक योजना मंत्रालय में कार्यरत थे, उन सबकी भूमिका पर उन्हें दोषी करार दिया गया है। सजा पाने वालों में अख्तियार दुरुपयोग अनुसंधान आयोग के पूर्व प्रमुख दीप बस्नेत भी शामिल हैं। वो अख्तियार का प्रमुख बनने से पहले भौतिक मंत्रालय में सचिव के पद पर कार्यरत थे। इसी तरह पूर्व सचिव छविराज पन्त को भी जेल की सजा सुनाई गई है। विशेष अदालत के रजिस्ट्रार धन बहादुर कार्की ने पत्रकार सम्मेलन में बताया कि करीब 10 बीघा जमीन को पुन: सरकार के नाम पर करने का फैसला दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस जमीन घोटाला के मुख्य योजनाकार देश के सबसे बड़े रिटेल चेन भाटभटेनी सुपर स्टोर के संचालक मीन बहादुर गुरूंग, भूमाफिया शोभाकान्त ढकाल तथा रामकुमार सुवेदी को मुख्य अभियुक्त करार दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस मामले में अख्तियार द्वारा आरोपित बनाए गए पूर्व प्रधानमंत्री, पूर्व उप प्रधानमंत्री, पूर्व मंत्रियों को बरी कर दिया गया है।

म्यांमार में सशस्त्र ...

रही है। हमारे घर हिल रहे हैं। कभी-कभी ऐसा महसूस होता है, जैसे भूकंप आ गया हो। अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, टेकनाफ-2 बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश के कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल मोहिउद्दीन अहमद ने कहा है कि मुझे म्यांमार के अंदर भारी गोलीबारी की खबर मिली है। परिणामस्वरूप, सीमा पर गश्त बढ़ा दी गई है। स्थानीय लोगों ने यह भी बताया है कि एक हेलीकॉप्टर बांग्लादेश के शापुरी द्वीप के दूसरी छोर पर म्यांमार के माउंगडॉ के ऊपर से उड़ान भर रहा था। उन्होंने कहा कि सीमा पार के गांवों में जुंटा सरकार और अराकान सेना के बीच भारी झड़पें हो रही हैं। दोनों पक्ष भारी हथियारों का इस्तेमाल कर रहे हैं। सीमावर्ती इलाकों में घर हिल रहे हैं। ढाका ट्रिब्यून के अनुसार एक अधिकारी ने कहा है कि हमें ऐसा लगा जैसे हमारे कार्यालय की छत पर कुछ गिर गया हो। शापुरी द्वीप के पास सीमावर्ती क्षेत्र के निवासी रसेल ने कहा कि मैं सुबह से म्यांमार के रखाइन राज्य से गोलियों की आवाज सुन रहा हूं। द्वीप के लोग डरे हुए हैं। ढाका ट्रिब्यून ने इस संबंध में टेकनाफ उप जिला में यूएनओ के अधिकारी अदनान चौधरी से बातचीत की है। चौधरी ने कहा कि मेरे घर से गोलीबारी की आवाज सुनी जा सकती है। हमारी कानून प्रवर्तन एजेंसियां सीमा पर अलर्ट पर हैं। सीमा के पास रहने वाले लोग वास्तव में भयभीत हैं लेकिन हम लगातार सीमा की निगरानी कर रहे हैं।

हेलमेट नहीं पहनने ...

डीएसपी पुलिस को देखकर भागने के दौरान युवक के गिरने और आंख फूटने की बात कह रहे हैं। पीड़ित की पहचान गढ़पुरा थाना क्षेत्र के हरकपुरा के रहने वाले प्रदीप कुमार के रूप में हुई है। घटना छौराही थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि पीड़ित प्रदीप कुमार अपने भांजे दीपक के साथ मोटरसाइकिल से हरकपुरा जा रहे थे। दोनों ने हेलमेट नहीं पहना था। रामपुर के पास छौराही पुलिस के द्वारा गाड़ियों की चेकिंग की जा रही थी। इस दौरान पुलिस ने बाइक सवार को रूकने के लिए कहा। दोनों जबतक रूकते तब तक पुलिस के एक जवान वे डंडा चला दिया जो प्रदीप की आंख में लग गया। इसके बाद उसकी आंख से खून बहने लगा। इसके बाद प्रदीप को उसका भांजा इलाज के लिए ले गया। बताया जा रहा है कि उसे कुछ नहीं दिख रहा है। इधर आरोपी जवान थाने से गायब है। घटना के बारे में पीड़ित ने बताया कि मैं अपने भांजे के साथ मोटरसाइकिल से जा रहा था। हमने हेलमेट नहीं पहना था। पुलिस चेकिंग कर रही थी। हमें रूकने के लिए कहा हम रुक ही रहे थे कि पुलिस वाले ने डंडा मार दिया। जो मेरी आंख में लगा और मेरे आंख से खून बहने लगा। पीड़ित ने कहा कि मुझे कुछ भी नहीं दिखाई दे रहा है। पीड़ित के परिजन ने कहा कि पुलिस मामले में कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। आरोपी सिपाही को थाने से भगा दिया गया है। मामले में मंझौल डीएसपी श्याम किशोर रंजन ने बताया है कि चेकिंग के दौरान पुलिस को देखकर दोनों युवक भागने लगे। भागने के दौरान ही दोनों गाड़ी से गिर गए। जिससे एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। अभी किसी ने आवेदन नहीं दिया है पुलिस मामले की जांच कर रही है। जो दोषी होगा उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

चंपाई सोरेन कैबिनेट ...

दीपक बिरुआ को जगह दी गई है। आठ में छह पहले भी हेमंत सोरेन की सरकार में मंत्री थे। सबसे पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ रामेश्वर उरांव ने शपथ ली। इसके बाद दीपक बिरुआ ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। तीसरे नंबर पर बन्ना गुप्ता और चौथे नंबर पर बादल पत्रलेख ने शपथ ली। इसके बाद मिथिलेश ठाकुर, बसंत सोरेन, हफीजुल हसन और बेबी देवी ने शपथ ली। उल्लेखनीय है कि इससे पहले मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन समेत दो मंत्री आलमगीर आलम और सत्यानंद भोक्ता शपथ ले चुके हैं। कैबिनेट में 12वें मंत्री की जगह अभी खाली है।

राज्य में 913 परीक्षा केंद्रों पर आज से शुरू हुई हाईस्कूल की परीक्षाएं

गुवाहाटी (हिंस)। कुछ बड़े बदलावों के बीच शुक्रवार से असम में हाईस्कूल की परीक्षाएं शुरू हो गई। इस बार प्रदेशभर में 913 परीक्षा केंद्रों पर 4 लाख 25 हजार से अधिक परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। परीक्षा के पहले दिन अंग्रेजी की परीक्षा हुई और अंतिम परीक्षा 4 मार्च को होगी। इस साल पहली बार मैट्रिक परीक्षा में ओएमआर शीट की व्यवस्था की गई है। गणित, अंग्रेजी, सामान्य विज्ञान और सामाजिक विज्ञान में एक ओएमआर शीट होगी। ओएमआर शीट में 50 प्रतिशत प्रश्न होंगे। ओएमआर शीट में 1 अंक के 45 प्रश्न होंगे। एक अलग पुस्तक में परीक्षार्थी को 45 अंकों के लंबे प्रश्न

का उत्तर लिखना होगा। यानी उम्मीदवार को 45-45 अंकों के दो प्रश्न पत्र मिलेंगे। विषयों की प्रैक्टिकल परीक्षा 10 अंकों की होगी। ओएमआर शीट का उपयोग करने के लिए कुछ नियम हैं। पिछले साल से गणित, अंग्रेजी, सामान्य विज्ञान और सामाजिक विज्ञान विषयों में 50 प्रतिशत प्रश्नों को वस्तुनिष्ठ बनाया गया था। इस बार ऑब्जेक्टिव प्रश्न के लिए उत्तर पुस्तिका की जगह ओएमआर शीट की व्यवस्था की गई है। प्रत्येक ओएमआर शीट में उम्मीदवार का नाम और रोल नंबर होगा। उल्लेखनीय है कि सेबा ने पहले ही ओएमआर शीट के नमूने प्रकाशित कर दिए थे ताकि परीक्षार्थियों को लाभ हो सके। कई स्कूलों ने छात्रों के लाभ के लिए छह महीने की परीक्षा में अपने दम पर ओएमआर शीट का भी इस्तेमाल किया। सेबा ने एडमिट कार्ड के पीछे ओएमआर शीट का उपयोग करने के तरीके पर नीतिगत दिशानिर्देशों का उल्लेख किया। शिक्षा विभाग ने कहा है कि ओएमआर शीट के उपयोग से पुस्तकों को देखने के लिए कम समय की आवश्यकता होगी और परिणाम पहले की तुलना में पहले प्रकाशित किए जाएंगे।

आग में पांच प्रतिष्ठान जलकर राख

होजाई (हिंस)। जिले के लंका में लंका-नगांव बाईपास इलाके में अचानक लगी भीषण आग के चलते अफरा-तफरी मच गई। हादसे में पांच व्यावसायिक प्रतिष्ठान जलकर राख हो गए। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि लंका के वार्ड नंबर 7 इलाके में बाईपास के पास लगी आग में दो मोटर पार्ट्स की दुकानें, दो गैरेज और एक किराने की दुकान जलकर राख हो गई। व्यापारियों को आग लगने की खबर रात में उस समय लगी जब आग की उठ रही ऊंची-ऊंची लपटें उठ रही थीं। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची दमकल की तीन गाड़ियां पहुंचकर आग पर जब तक काबू पाने में सफल हुई तब तक पांच व्यावसायिक प्रतिष्ठान जलकर राख हो गईं। हालांकि, इससे सटे बड़े रिहायशी इलाके को बचा लिया गया है। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। विनाशकारी आग में 50 लाख रुपए से अधिक की संपत्ति के नुकसान का अनुमान लगाया है।

केआईयूजी 2023: स्पोर्ट्स लेगेसी तैयार करने का आदर्श प्लेटफार्म

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर हमेशा से देश में खेलों के प्रमुख स्थलों में से एक रहा है और असम खेल के बुनियादी ढांचे को विकसित करने में सबसे आगे रहा है। यह बुनियादी ढांचा इस क्षेत्र में अलग अलग योजनाओं के माध्यम से एथलीटों की जरूरतों को पूरा करती है, साथ ही सभी आठ पूर्वोत्तर राज्यों के खिलाड़ियों के लिए भी अभ्यास और प्रतिस्पर्धा का मौका प्रदान करता है। फरवरी 19 से 29 तक सात राज्यों में आयोजित होने वाले खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2023 खेल संस्कृति को प्रचारित करने तथा भविष्य के सितारों को अपने कौशल दिखाने के अवसर प्रदान करने की दिशा में एक उपयोगी कदम है। असम सरकार राज्य को खेल आयोजनों के साथ-साथ प्रशिक्षण के लिए एक पसंदीदा वैश्विक गंतव्य बनाने के लिए भी उत्सुक है। साथ ही तीन राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) बनाने और स्टेडियमों को अपग्रेड करने की योजना पहले ही लागू की जा चुकी है। इसके अलावा, हाल ही में सरुसजाई स्पोर्ट्स कांप्लेक्स और जोरहाट में इसी तरह के उच्च-प्रदर्शन खेल प्रशिक्षण और पुनर्वास केंद्र की शुरूआत, एथलीटों के लिए उन्नत खेल प्रशिक्षण और पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने पर राज्य के फोकस का एक प्रमाण है। कोकराझाड़ में एक और हाई परफॉरमेंस सेंटर स्थापित करने का प्रस्ताव किया गया है। केंद्र विशेष रूप से राज्य और सामान्य रूप से क्षेत्र के एथलीटों की जरूरतों को पूरा करने के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं और उन्नत खेल प्रौद्योगिकी से सुसज्जित हैं। हाई परफॉरमेंस सेंटर्स का मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिक मूल्यांकन, फिजियोथेरेपी और पुनर्वास सेवाएं प्रदान करके एथलीटों को सपोर्ट करना है। यह केंद्र एथलीटों की कंडीशनिंग और प्रशिक्षण पर भी ध्यान केंद्रित करेंगे। साथ ही डेटा-संचालित मूल्यांकन और प्रशिक्षण के लिए उन्नत उपकरणों के उपयोग के माध्यम से उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता का आंकलन सुनिश्चित करेंगे। इन केंद्रों में विभिन्न विशिष्ट प्रयोगशालाएं हैं, जिनमें मोशन एनालिसिस लैब, गैट और बायोमैकेनिक्स लैब, पैरा-एथलीट परफॉर्मेंस लैब, बायोमैकेनिक्स और पोस्टुरल लैब आदि शामिल हैं। असम सरकार ने गुवाहाटी शहर के मध्य में स्थित नेहरू स्टेडियम को ओलंपिक स्तर के फुटबॉल स्टेडियम में अपग्रेड करने का बड़ा भी प्रस्ताव रखा है। 1962 में बनाया गया यह स्टेडियम 2007 तक एकमात्र बहुउद्देश्यीय स्टेडियम था। इसके बाद सरुसजाई स्पोर्ट्स कांप्लेक्स का निर्माण किया गया था। अब वही असम का मुख्य मल्टी स्पोर्ट्स स्टेडियम बन गया है।

कन्याकुमारी और डिब्रूगढ़ के बीच चलेगी सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेनें

गुवाहाटी (हिंस)। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए कन्याकुमारी-डिब्रूगढ़- कन्याकुमारी के बीच दो पाक्षिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेनों के परिचालन का निर्णय लिया गया है। सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन संख्या 06103/06104 (कन्याकुमारी-डिब्रूगढ़-कन्याकुमारी) और ट्रेन संख्या 06105/06106 (कन्याकुमारी-डिब्रूगढ़-कन्याकुमारी) सुपरफास्ट दोनों दिशाओं में आठ-आठ ट्रिपों के लिए चलेगी। ये ट्रेनें पूर्वोत्तर के प्रतीक्षा सूची वाले यात्रियों की सुविधा के लिए चलाई जाएंगी, जिन्होंने दक्षिण भारत की ओर यात्रा करने की योजना बनाई है। पूर्वोत्तर सीमा रेल के सीपीआरओ सब्यसाची दे ने आज बताया है कि ट्रेन संख्या 06103 (कन्याकुमारी-डिब्रूगढ़) सुपरफास्ट स्पेशल 16 फरवरी, 1, 15 और 29 मार्च को कन्याकुमारी से 17.25 बजे रवाना होगी और सोमवार को डिब्रूगढ़ 20.50 बजे पहुंचेगी। वापसी में, ट्रेन संख्या 06104 (डिब्रूगढ़-कन्याकुमारी) सुपरफास्ट स्पेशल 21 फरवरी, 06, 20 मार्च और 03 अप्रैल को डिब्रूगढ़ से 19.55 बजे रवाना होगी और शनिवार को कन्याकुमारी 21.55 बजे पहुंचेगी। इन ट्रेनों में यात्रियों के लिए एसी-3 टीयर, एसी-3 टीयर इकोनॉमी क्लास, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे। ट्रेन संख्या 06105 (कन्याकुमारी-डिब्रूगढ़) सुपरफास्ट स्पेशल 23 फरवरी, 08, 22 मार्च और 05 अप्रैल को कन्याकुमारी से 17.25 बजे रवाना होगी और सोमवार को डिब्रूगढ़ 20.50 बजे पहुंचेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन संख्या 06106 (डिब्रूगढ़-कन्याकुमारी) सुपरफास्ट स्पेशल 28 फरवरी, 13, 27 मार्च और 10 अप्रैल को डिब्रूगढ़ से 19.55 बजे रवाना होगी और शनिवार को कन्याकुमारी 21.55 बजे पहुंचेगी।

नौ बैल जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

कार्बी आंग्लांग (हिंस)। पश्चिम कार्बी आंग्लांग जिला के डोंगकामोकाम में अवैध रूप से मवेशियों की तस्करी में लिप्त एक वाहन को जब्त करने के साथ ही दो तस्करों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि डोंगकामोकाम पुलिस ने तुम्प्रेंग बालीगांव में छापा मारा और टाटा मोबाइल वाहन (एएस-02डीसी-2110) से नौ बैलों को जब्त किया गया। मिली जानकारी के अनुसार बैलों को पश्चिम कार्बी आंग्लांग जिला के रास्ते पड़ोसी राज्य मेघालय ले जाया जा रहा था।

विपक्ष ने चुनावी बांड पर उच्चतम न्यायालय के आदेश की सराहना की

गुवाहाटी। असम विधानसभा में विपक्ष के नेता देवव्रत सैकिया ने कहा कि इस योजना के माध्यम से, सत्तारूढ़ दल ने एकतरफा रूप से व्यापारिक समुदाय को उन्हें चंदा देने के लिए मजबूर किया। यह सूचना के अधिकार और लोगों के हित के खिलाफ था। असम में विपक्षी दलों ने चुनावी बांड योजना को निरस्त करने के उच्चतम न्यायालय के फैसले का बृहस्पतिवार को स्वागत किया और कहा कि फैसले ने न्यायपालिका और संविधान पर भरोसा मजबूत किया है। असम विधानसभा में विपक्ष के नेता देवव्रत सैकिया ने कहा कि इस योजना के माध्यम से, सत्तारूढ़ दल ने एकतरफा रूप से व्यापारिक समुदाय को उन्हें चंदा देने के लिए मजबूर किया। यह सूचना के अधिकार और लोगों के हित के खिलाफ था। सैकिया ने कहा कि इसे निरस्त करके शीर्ष अदालत ने संविधान के सम्मान और गरिमा को बरकरार रखा है। फैसले ने न्यायपालिका और संवैधानिक मूल्यों में भरोसा मजबूत किया है। कांग्रेस ने पीटीआई-से बात करते हुए इस योजना की विस्तृत जांच की भी मांग की और कहा कि इसके माध्यम से प्राप्त चंदे को सरकारी खजाने में जमा किया जाना चाहिए।

पांच डकैत चढ़े पुलिस के हत्थे, कार जब्त

दरंग (हिंस)। दरंग पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाते हुए पांच डकैतों को गिरफ्तार किया है। मंगलदोई पुलिस ने आज बताया है कि खुफिया जानकारी के आधार पर आर्मी लिखी हुई एक कार से डकैती की घटना को अंजाम देने निकले पांच डकैतों को पुलिस ने पकड़ लिया। संदेह के आधार पर आई 20 कार (एएस-11एम-6777) को रोककर जब तलाशी ली गई तो अंदर से एक प्लास, डेगार, तिरपाल और नकद रुपए बरामद किए गए, जिसके बाद कार को भी पुलिस ने जब्त कर लिया। कार के साथ लुटेरों को मंगलदोई के पास मेनापारा से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि लुटेरों का गिरोह सड़क पर डकैती, गाय चोरी समेत अन्य असामाजिक गतिविधियों में शामिल था। गिरफ्तार डकैतों की पहचान फुलुद्दीन, जमालुद्दीन, दरबेज अली, सोनहर अली, जैनल आबेदीन के रूप में हुई हैं।

एसएसबीने लगाया सामुदायिक कल्याण कार्यक्रम का शिविर

कोकराझाड़ (विभास)। छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) रानीघुली के कमांडेंट श्री रविन्द्र कुमार के नेतृत्व में सीमा चौकी दादगिरी, जिला चिरांग में सामुदायिक कल्याण कार्यक्रम शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें बटालियन के सीमावर्ती गांवों जैसे सरलपारा, नहारानी, टुकड़ाबस्ती, दादगिरी, शशिपुर, सोनापुर, आईपोली के आस पास ग्रामीणों को कृषि हेतु मौसमी सब्जी के बीज तथा व्यावसाय से संबंधित 250 मिर्गी से पीड़ित बच्चे को वितरण किया गया। इसके अलावा जिन गांवों में बिजली उपलब्ध नहीं है उन गांवों के लिए 30 सोलर लाइट वितरण किया गया। बटालियन के कमांडेंट रविन्द्र कुमार ने सामुदायिक कल्याण कार्यक्रमों का लाभ लेने आए सीमावर्ती क्षेत्र के ग्रामीणों को संबोधित करते हुए बताया कि इस तरह के शिविर सशस्त्र सीमा बल के द्वारा सीमावर्ती इलाकों में समय समय पर कराया जाता है ताकि सीमावर्ती क्षेत्र में रहने वाले लोगों में स्वरोजगार की भावना विकसित हो सके एवं वे स्वावलंबी व आत्मनिर्भर हो सके। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि सशस्त्र सीमा बल के द्वारा इस तरह के सामाजिक कल्याण एवं स्वावलंबन के लिए मोटर ड्राइविंग, मोबाईल रिपयेरिंग, मशरूम खेती, टेलरिंग

(सिलाई बुनाई), कंप्यूटर प्रशिक्षण इत्यादि कराए गए हैं ताकि सीमार्ती क्षेत्र के युवक एवं युवतियों का आर्थिक स्थिति ठीक हो सके व आत्मनिर्भर बन सके। साथ ही साथ उन्होंने यह भी बताया कि पूर्व में भी छठी वाहिनी सशस्त्र सीमा बल के द्वारा कौशल विकास का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कराया गया है, जो निश्चित रूप से ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनने में सहायक होंगे, उन्होंने यह भी बताया कि आने वाले वर्षों में भी ग्रामीणों के आवश्यकता के अनुसार इस तरह के नागरिक कल्याण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस कार्यक्रम में श्री प्रभाकर कुमार वैद्य, उप कमांडेंट, श्री विनीत कुमार, सहायक कमांडेंट तथा अर्पण कटवाल, वीसीडीसी अध्यक्ष, हाथीसार, कपिल मनी शर्मा, गांव बूढ़ा, मलीविता, तुइला मुर्मू, गांव बूढ़ा, सरलपरा, प्रॉन्पिक लकरा, गांव बूढ़ा, उल्टापानी, बिरेन सोरेन, गांव बूढ़ा, उल्टापानी 2, प्राणजीव नर्जरी, पत्रकार, दादागिरी उपस्थित रहे, तथा सीमा चौकी दादगिरी में उपस्थित बलकर्मियों ने सामुदायिक कल्याण कार्यक्रम शिविरों का लाभ लेने आये ग्रामीणों को बढ़-चढ़कर सहयोग किया। सीमावर्ती क्षेत्रों के ग्रामीणों ने सशस्त्र सीमा बल, के द्वारा आयोजित की गई शिविर के लिए सराहना की।

एमजी मोटर इंडिया ने सिलचर में नई सुविधा के साथ किया अपने नेटवर्क का विस्तार

सिलचर। एमजी मोटर इंडिया ने शहर के केंद्र में 3 एस (सेल्स, सर्विस और स्पेयर) सुविधा शुरू की है। इसी के साथ ही कंपनी ने सिलचर में कार खरीदारों के लिए आधिकारिक तौर पर अपने दरवाजे खोल दिए हैं। यह डीलरशिप असम में एमजी के नेटवर्क का एक महत्वपूर्ण विस्तार है, जो ग्राहकों को विभिन्न सर्विस और ऑफर्स की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करती है। असम के दूसरे सबसे बड़े शहर सिलचर में रणनीतिक रूप से स्थित यह सुविधा कुल 7, 500 वर्ग फुट जगह में बनी है, जिसमें लगभग 2, 500 वर्ग फुट में शोरूम और 5, 000 वर्ग फुट में एक वर्कशॉप बना हुआ है। यह सेटअप संभावित खरीदारों और मौजूदा ग्राहकों की

जरूरतों को पूरा करने के लिए उपलब्धता और सर्विस प्रदान करता है। इस सुविधा को एक समर्पित बॉडीशॉप के साथ जेड-नेक्स्ट सुविधा के तौर पर डिजाइन किया गया है। एमजी मोटर इंडिया के डिप्टी मैनेजर गौरव गुप्ता ने देश भर में अपनी उपस्थिति बढ़ाने के लिए ब्रांड की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा हाल के वर्षों में हमने अपने प्रचार-प्रसार और प्रोडक्ट पोर्टफोलियो के जरिए देश में अपने भविष्य के विकास के लिए एक ठोस नींव रखते हुए महत्वपूर्ण प्रगति की है। हमारी सोच बिल्कुल स्पष्ट है कि हमें एक ऐसा मजबूत सेल्स और सर्विस नेटवर्क बनाना है जो देश के हर कोने में मौजूद हो। असम अपने बढ़ते ऑटोमोटिव बाजार के साथ हमें अवसर प्रदान करता है। हमारा लक्ष्य है कि हम अपने शोरूम में ही यहां के ग्राहकों को एक व्यापक अनुभव दें। उद्घाटन के मौके पर एमजी सिलचर के डीलर पार्टनर, निंगथौजम ढिनेल सिंह ने उत्साह जताते हुए कहा कि एमजी के तकनीकी रूप से प्रगतिशील उत्पादों का उपयोग करके और ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण को अपनाकर हम असम राज्य में मूल्यवान ग्राहकों को खास स्वामित्व अनुभव प्रदान करने का प्रयास करते हैं। यह प्रतिबद्धता हमें पूरे क्षेत्र में हमारे ग्राहकों की बढ़ती गतिशील मांगों को सटीकता और उत्कृष्टता से पूरा करने में सक्षम बनाती है। एमजी ने भारत में अपनी स्थापना के बाद से अब तक 200, 000 से ज्यादा वाहन बेचे हैं और ब्रांड ने अपनी 100वीं वर्षगांठ पर असाधारण ग्राहक सेवा प्रदान करना जारी रखा है। इस नए शोरूम को ऑटोमेकर के भावनात्मक गतिशीलता सिद्धांत के तहत डिजाइन किया गया है, जो आधुनिक ब्रांड तत्वों और आकर्षक रंग पैलेट को जोड़ता है।

महिला की नृशंस हत्या आरोपी ने किया आत्मसमर्पण

चराईदेव (हिंस)। जिले के सोनारी थाना क्षेत्र में एक महिला की नृशंस हत्या का मामला सामने आया है। हत्या के आरोपी ने सोनारी थाने में अत्मसमर्पण कर दिया है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि सोनारी के टियक रजाबाड़ी में एक महिला की चाकू से हमलाकर एक युवक ने हत्या कर दिया। साजन बनिक देव नामक युवक ने मामूली बात पर लड़ने के बाद रेखा गोवाला नामक महिला की हत्या कर दी। हत्या करने के बाद साजन बनिक ने थाने में आत्मसमर्पण कर दिया। फिलहाल हत्या के आरोपी से सोनारी थाने में पुलिस पूछताछ कर रही है।

केंपा कोष के करोड़ों रुपए दुरुपयोग का आरोप

इटानगर (हिंस)। ताई शिवा के नेतृत्व में युवाओं की एक टीम ने अरुणाचल प्रदेश में हर साल गलत जियो टैगिंग करके प्रतिपूरक वनरोपण निधि प्रबंधन और योजना प्राधिकरण (केंपा) के करोड़ों रुपए का दुरुपयोग का आरोप लगते हुए राज्य की विशेष जांच सेल (एसआईसी) में शिकायत दर्ज कराते हुए मामले की जांच की अपील की है। आज यहां अरुणाचल प्रेस क्लब में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए ताई शिवा ने कहा कि पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अनुसार, राज्य सरकार के वन विभाग ने राष्ट्रीय राजमार्गों, ट्रांस-अरुणाचल राजमार्ग के निर्माण, जल विद्युत परियोजनाएं, ट्रांसमिशन लाइनें और अन्य परियोजनाएं के लिए गैर वन उद्देश्यों के लिए वन भूमि को डायवर्जन करने की तैयारी करते हुए केंद्र से कोष की मांग की गई है। उपरोक्त वन मंजूरी की तैयारी करने के बाद, 2010 के बाद से उपयोगकर्ता एजेंसी को परिवर्तित वन भूमि के विरुद्ध निम्नीकृत भूमि पर प्रतिपूरक वनीकरण कार्यों के लिए करोड़ों की राशि जमा की गई थी। इस मामले में धन के गबन का आरोप लगाया गया है। उन्होंने कहा कि अगर एसआईसी जांच करने में विफल रहती है तो हम कोर्ट और नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) जाएंगे।

विधायक कलिता ने किया संगम संघ के नव निर्मित सार्वजनिक भवन का उद्घाटन

रंगिया (विभास)। रंगिया के विधायक तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता ने बृहस्पतिवार को रंगिया नगर के बीचों-बीच स्थित वार्ड नं-4 के संगम संघ प्रांगण में नव निर्मित सार्वजनिक भवन का उद्घाटन किया। यह भवन विधायक विकास पूंजी द्वारा 10 लाख रुपए की लागत से बनाया गया है। विधायक कलिता ने उद्घाटन समारोह के मौके पर आयोजित बैठक में भाषण देते हुए कहा कि इस भवन से रंगिया की जनता को विभिन्न सार्वजनिक बैठकों और कार्यक्रमों के आयोजन में सुविधा मिलेगी। इस मौके पर उन्होंने भवन की सीलिंग और टाइल्स के लिए 5 लाख रुपए अनुदान देने की भी घोषणा की। उन्होंने आने वाले समय मे भवन के परिसर में एक स्टेज बनाने का भी आश्वासन दिया। विधायक कलिता ने इसके पश्चात रंगिया तथा इसके आसपास के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित बहुत से बैठकों और उद्घाटन समारोह में भी भाग लिया। कार्यक्रम में रंगिया संगम संघ के अध्यक्ष चंदन कुमार डेका, मुख्य सचिव रिंकू दास गुप्ता, संघ के पदाधिकारी प्रतुल भट्टो, अंजन भट्टो, भाजपा उत्तर कामरूप जिलाध्यक्ष सुबल पाल सहित संघ के बहुत से पदाधिकारी और स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

उत्तरपूर्व में पहली बार विमान दुर्घटना पर मॉक ड्रिल सफलतापूर्वक संपन्न

रंगिया (विभास)। उत्तर पूर्व में पहला हवाई दुर्घटना रिहर्सल बचाव अभियान आज कामरूप जिले के चांदडुबी में आयोजित किया गया। मॉक ड्रिल का आयोजन भारतीय विमानन प्राधिकरण, असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और कामरूप जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इसमें वायु सेना वाहिनी, नौ सेना वाहिनी, एनडीआरएफ, अग्निशमन सेवा, जिला पुलिस, असामरिक प्रतिरक्षा वाहिनी, स्वास्थ्य और जनसंपर्क विभाग ने भी भाग लिया। वायु सेना के हेलीकॉप्टरों, कई ड्रोन, स्वास्थ्य विभाग की एम्बुलेंस, अग्निशमन गाड़ियों और कई आपदा प्रबंधन विभाग के उपकरणों की मदद से बचाव अभ्यास सुबह 10 बजे शुरू हुआ। इस विषय में अतिरिक्त जिला आयुक्त तथा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्राणजीत कुमार देब ने कहा

कि किसी भी आपदा की स्थिति के लिए तैयार रहने के लिए इस तरह के अभ्यास की आवश्यकता हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विभाग ऐसी स्थिति में कैसे काम करेगा, इस पर एक प्रारंभिक अभ्यास से हमारे लिए ऐसी स्थितियों को ठीक से प्रबंधित करना आसान हो जाएगा। कार्यक्रम में उपस्थित जिला पुलिस अधीक्षक हितेश रॉय ने कहा कि आज का कार्यक्रम इस बात का प्रशिक्षण है कि हम सभी विभागों के समन्वय के माध्यम से आपातकालीन स्थितियों से कैसे बेहतर ढंग से निपट सकते हैं। मिशन के लिए एक क्षतिग्रस्त डोनियर 228 का भी मॉडल बनाया गया । इस मौके पर ऑपरेशन के साथ-साथ आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बचाव अभियान में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न अत्याधुनिक उपकरणों की एक प्रदर्शनी भी लगाई गई। इस अवसर पर डॉ. सन्मुख जुगानी, क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, आशीष दुबे, उप महानिदेशक, विमान परिवहन विभाग, ग्रुप कैप्टन, वायु सेना, मनु कपूर, ग्रुप कैप्टन, अनिल कुमार, भारतीय उपकुल सुरक्षा वाहिनी के कमांडेंट, बीके डुगर नौ सेना वाहिनी के कैप्टन, उत्पल बरुवा, गुवाहाटी इंटरनेशनल हवाई अड्डे के मुख्य कार्यकारी अधिकारी उत्पल बरुवा, कामरूप के जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी विकास शर्मा, राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के इंजीनियर राजेश दत्ता और प्रतिक्रिया अधिकारी कृपालज्योति मजूमदार सहित बहुत से ज्येष्ठ अधिकारी, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रकल्प अधिकारी राजीब दत्त चौधुरी उपस्थित थे। अभ्यास में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने भी भाग लिया। वहीं शाम को सभी संबंधित अधिकारियों ने आज के अभ्यास की समीक्षा करने के लिए चांदडुबी पर्यटक आवास के चर्चा कक्ष में बैठक की।

संपादकीय

किसान मांगों के वित्तीय आयाम

यह किसान आंदोलन नहीं, हिंसक टकराव लगता है। चूंकि 2500 ट्रैक्टर और अन्य निजी गाडियां पंजाब से रवाना हुई थीं। वे दिल्ली जाने पर आमादा हैं। ऐसे में हालात हिंसक होना स्वाभाविक है। सुरक्षा बलों और पुलिस को ड्रोन से आंसू गैस के गोले दागने पड़े, क्योंकि कानून-व्यवस्था बनाए रखना राज्य सरकार का दायित्व है। किसानों को खदेडना पड़ा, तो पलट कर उन्होंने जमकर पथराव किया। शंभु बॉर्डर पर इस टकराव में 100 से अधिक किसान घायल हुए और 50 से ज्यादा बेहोश हुए, जबकि अंबाला के डीएसपी समेत 21 पुलिसकर्मी भी जख्मी हुए। क्या ऐसे आंदोलन से किसानों की समस्याएं हल हो सकती हैं? मांगें मानी जा सकती हैं? दरअसल किसानों की मांगें वित्तीय और बजटीय अधिक हैं, लिहाजा आज हम उन्हीं आयामों का विश्लेषण करेंगे।

> सरकार को एमएसपी गारंटी पर ही 22-23 फसलों की खरीद करनी पड़े, तो उसे कमोबेश 10 लाख करोड़ रुपए खर्च करने पड़ेंगे। यह राशि देश के आधारभूत ढांचे के लिए तय बजट के लगभग बराबर है।

हमारा कुल खर्च बजट करीब 45 लाख करोड़ रुपए का है। यदि इसका एक-चौथाई हिस्सा फसलों की खरीद पर ही खर्च किया जाता है, तो अन्य विकास परियोजनाओं का क्या होगा? मौजूदा सरकार ने अपने 10-साला कार्यकाल के दौरान 18.40 लाख करोड़ रुपए के एमएसपी बढ़ाए हैं। जाहिर है कि किसानों की फसलें बेहतर दाम पर बिक रही हैं। यदि उन्हें कम दाम मिलते हैं अथवा मंडियों में आढ़तियों के गिरोह किसान का आर्थिक शोषण करते हैं, तो वह खुले बाजार की व्यवस्था को स्वीकार क्यों नहीं करता? भारत सरकार की विभिन्न एजेंसियां 2.28 लाख करोड़ रुपए सालाना की फसलें खरीदती हैं, जबकि यूपीए सरकार के दौरान 1.06 लाख करोड़ रुपए की फसलों की खरीद ही की जाती थी। बहरहाल आंदोलित किसानों की मांगें सिर्फ एमएसपी गारंटी कानून तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि वे आग्रह कर रहे हैं कि भारत 'विश्व व्यापार संगठन' से बाहर आ जाए। उसके साथ समझौते को रद्द कर दे। यह कैसे संभव है? भारत ने यूपीए सरकार के दौरान इस संगठन के दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए थे। कल किसान कहेंगे कि अमुक देश के साथ कारोबार करना या नहीं करना है। वे अनाप-शनाप आग्रह कर सकते हैं। उन्हें मानना कैसे संभव है? इसके अलावा, किसान 10,000 रुपए माहवार की पेंशन और फसल बीमा की किस्त का सरकार द्वारा ही भुगतान की मांग भी कर रहे हैं। देश के अन्य समुदाय, पेशेवर और उद्यमी भी ऐसी मांगों को लेकर आंदोलन करेंगे। देश की सरकार क्या करेगी और बजट कहां से लाएगी? सिर्फ किसानों के लिए देश की अर्थव्यवस्था बर्बाद नहीं की जा सकती।

पंजाब में कांग्रेस की सरकार थी तो उस समय के मुख्यमंत्री ने बहुत ही चालाकी से आंदोलन को दिल्ली के दरवाजे पर धकेल दिया था

किसान आंदोलन से सोनिया के राजस्थान तक

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

> सरकार भी बनाएंगे और किसानों की सभी मांगें भी मान लेंगे। वैसे मांगें तो उन्होंने मान ही ली हैं। अब तो काम का दूसरा हिस्सा किसानों को पूरा करना है कि वे उनकी सरकार बना दें। किसान उस पर विचार करते, उससे पहले ही सोनिया गांधी उत्तर प्रदेश छोड़ कर राजस्थान चली गईं। राहुल गांधी की सरकार बनने में यह एक अपशकुन हो गया लगता है। लगता है जब तक सरकार नहीं बना लेते, तब तक न्याय यात्रा करते रहेंगे। कभी नहीं रुकेंगे। सरकार बनाने में एक दूसरी बाधा भी आ गई लगती है।

हालात देखकर इस बार चुनाव से पहले ही सोनिया गांधी भी उत्तर प्रदेश छोड़ गई। अमेठी चाहे छोड़ दी हो, लेकिन राहुल गांधी ने जिद नहीं छोड़ी। वे सरकार भी बनाएंगे और किसानों की सभी मांगें भी मान लेंगे। वैसे मांगें तो उन्होंने मान ही ली हैं। अब तो काम का दूसरा हिस्सा किसानों को पूरा करना है कि वे उनकी सरकार बना दें। किसान उस पर विचार करते, उससे पहले ही सोनिया गांधी उत्तर प्रदेश छोड़ कर राजस्थान चली गईं। राहुल गांधी की सरकार बनने में यह एक अपशकुन हो गया लगता है। लगता है जब तक सरकार नहीं बना लेते, तब तक न्याय यात्रा करते रहेंगे। कभी नहीं रुकेंगे। सरकार बनाने में एक दूसरी बाधा भी आ गई लगती है। बहुत दिनों से राहुल गांधी आशा लगाए बैठे थे कि आम आदमी पार्टी से मिल जाएंगे तो हमारे हिस्से पंजाब और दिल्ली की आधी-आधी सीटें तो आ ही जाएंगी। लेकिन इतने बड़े किसान आंदोलन के बीच में ही केजरीवाल की पार्टी ने कहा कि दिल्ली में कांग्रेस की औकात तो एक सीट की भी नहीं है, लेकिन फिर भी आपको एक सीट दे देंगे। जहां तक पंजाब का प्रश्न है, वहां सारी सीटें आम आदमी पार्टी को ही लडनी हैं।

पंजाब में तथाकथित किसान आंदोलन पुनः शुरू हो गया है। उसके लिए जिन्होंने भी समय का चयन किया है, उनकी दाद देनी पड़ेगी। चुनाव सिर पर हैं, इसलिए दिल्ली को घेरने की योजना जरूरी थी। लेकिन किनको इस समय जरूरत थी, यह महत्वपूर्ण प्रश्न है। जाहिर है यह जरूरत कांग्रेस और आम आदमी पार्टी को सबसे ज्यादा थी। पिछली बार जब पंजाब में कांग्रेस की सरकार थी तो उस समय के मुख्यमंत्री ने बहुत ही चालाकी से आंदोलन को दिल्ली के दरवाजे पर धकेल दिया था। केवल धकेल ही नहीं दिया था बल्कि परोक्ष रूप से उसकी सब प्रकार से सहायता भी की थी। अंग्रेजी वाले जिसको लोजिस्टिकल फैसलिटीज कहते हैं, वे सभी मुहैया करवाई। आन्दोलन से कांग्रेस को कोई फायदा हुआ या नहीं, यह तो वही जानती होगी। लेकिन जो मुख्यमंत्री अति उत्साह में था उसका जरूर उत्साह भंग हो गया। अब मोहरे बदल गए हैं। पंजाब में केजरीवाल की आम आदमी पार्टी गद्दी पर है। लेकिन उसके मुखिया अरविंद केजरीवाल अत्यंत संकट में हैं। ईडी ने उन्हें दिल्ली के शराब घोटाले के मामले में पांचवीं बार समन किया है। इस जांच में केजरीवाल के तीन साथी सत्येन्द्र जैन, मनीष सिसोदिया और

संजय बाबू पिछले लम्बे अरसे से जेल में हैं। जमानत के लिए हाथ-पैर मारते रहते हैं, लेकिन नसीब नहीं होती। जरूर कोई पुख्ता सबूत रहे होंगे। अब शायद वही सबूत केजरीवाल की ओर झांक रहे होंगे। इसलिए ईडी उन्हें बार-बार बुला रही है, लेकिन वे उसके सामने जा नहीं रहे।

उनका कहना है कि उन्हें देश में अस्पताल और स्कूल खोलने हैं। इसलिए उनके पास समय कहां है। इसलिए पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार चाहती है कि पंजाब से ज्यादा से ज्यादा किसान जाकर दिल्ली को घेर लें। दिल्ली ही तो शराब को लेकर केजरीवाल के पीछे हाथ धोकर पड़ी हुई है। इसलिए आम आदमी पार्टी की सरकार को भी कुछ न कुछ करना पड़ेगा। पंजाब का मुख्यमंत्री दहाड़ रहा है। वह हरियाणा सरकार को कोस रहा है। पंजाब के किसानों को दिल्ली क्यों नहीं जाने दिया जा रहा? अब वह पंजाब की एयर स्पेस को लेकर भी सक्रिय है। पंजाब के आकाश में हरियाणा का ड्रोन क्यों? कल हो सकता है वह अपनी पुलिस को इसी काम में लगा दे कि पंजाब का ड्रोन हरियाणा के आकाश में दिखाई दे तो चुनिए गिरा लिया जाए। इससे सिद्ध हो जाएगा कि आम आदमी पार्टी की सरकार किसान के पक्ष में है। बाकी पंजाब के मुख्यमंत्री यह भी आगाह कर रहे हैं कि कल लोकसभा राष्ट्रगीत में से पंजाब को भी निकाल सकती है। आम आदमी पार्टी अब इस प्रकार के मुद्दों की तलाश में निकल पड़ी है। पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार किसानों को ललकार रही है। दिल्ली जाने के रास्ते में जो बाधा हो, उसको हटाओ। इस काम में चोट वगैरह लग जाए तो सारा खर्चा सरकार उठाएगी। शायद केजरीवाल को लगता होगा कि शराब का जो मामला पीछा नहीं छोड़ रहा, शायद उसको दिल्ली जाने की जिद पर अड़े किसान ही छुड़ा दें। शेष बात रही किसानों की मांगों की। कोई भी मसला हो उसे बातचीत से ही सुलझाना चाहिए। जब सरकार बातचीत करना चाहती है तो सडक़ों पर निकल आना और रास्ते अवरुद्ध कर देना शायद उचित नहीं है। किसानों को सरकार से बातचीत करनी चाहिए। अलबत्ता राहुल गांधी ने अवश्य किसानों से वादा किया है कि जब 2024 में कांग्रेस की सरकार आएगी तो वे किसानों की सभी मांगें स्वीकार कर लेंगे। राहुल गांधी किसानों की इतनी भीड़ देख कर सरकार आने का गणित बिठा ही रहे थे, इसी बीच पता चला कि उनके माता जी, कभी कांग्रेस के गढ़ रहे उत्तर प्रदेश को त्याग कर राजस्थान चली गईं। वे वहां से संसद में आना चाहती हैं। यकीनन आ भी जाएंगी। उत्तर प्रदेश में लम्बे अरसे से मां-बेटा अमेठी और रायबरेली से लोकसभा का चुनाव लड़ा करते थे। जीत भी जाते थे। इन्हीं दो सीटों पर पंजे की छाप दिखाई देती थी। लेकिन पिछले चुनाव में राहुल गान्धी उत्तर प्रदेश छोड़ कर केरल चले गए। उन्हें पूरी आशा थी कि अमेठी वाले अब नहीं मानेंगे। इसलिए वे समय रहते केरल चले गए। अमेठी वालों ने सचमुच राहुल जी की आशा पर फूल चढ़ा दिए। वे वहां से हार गए।

हालात देखकर इस बार चुनाव से पहले ही सोनिया गांधी भी उत्तर प्रदेश छोड़ गई। अमेठी चाहे छोड़ दी हो, लेकिन राहुल गान्धी ने जिद नहीं छोड़ी। वे सरकार भी बनाएंगे और किसानों की सभी मांगें भी मान लेंगे। वैसे मांगें तो उन्होंने मान ही ली हैं। अब तो काम का दूसरा हिस्सा किसानों को पूरा करना है कि वे उनकी सरकार बना दें। किसान उस पर विचार करते, उससे पहले ही सोनिया गान्धी उत्तर प्रदेश छोड़ कर राजस्थान चली गईं। राहुल गान्धी की सरकार बनने में यह एक अपशकुन हो गया लगता है। लगता है जब तक सरकार नहीं बना लेते तब तक न्याय यात्रा करते रहेंगे। कभी नहीं रुकेंगे। सरकार बनाने में एक दूसरी बाधा भी आ गई लगती है। बहुत दिनों से राहुल गान्धी आशा लगाए बैठे थे कि आम आदमी पार्टी से मिल जाएंगे तो हमारे हिस्से पंजाब और दिल्ली की आधी-आधी सीटें तो आ ही जाएंगी। लेकिन इतने बड़े किसान आन्दोलन के बीच में ही केजरीवाल की पार्टी ने कहा कि दिल्ली में कांग्रेस की औकात तो एक सीट की भी नहीं है, लेकिन फिर भी आपको एक सीट दे देंगे। जहां तक पंजाब का प्रश्न है, वहां सारी सीटें आम आदमी पार्टी को ही लडनी हैं। वहां शायद कांग्रेस की एक सीट की भी औकात नहीं है।

दृष्टि कोण

प्रदूषित हवा परागण की दुश्मन, पूरी दुनिया में उत्पादन प्रभावित

विश्व स्वास्थ्य संगठन के शोध में यह पाया गया है कि वायु प्रदूषण बढ़ने से मनुष्यों में हाइपरटेंशन और डायबिटीज का जोखिम बढ़ जाता है, जो दिल के दौरे और हृदयाघात की सबसे बड़ी वजह बनता जा रहा है। अब नए शोध में सामने आया है कि यह पौधों में परागण को भी बुरी तरह प्रभावित कर रहा है। परागण की प्रक्रिया से आशय परागकणों का नर से मादा के अंगों में पहुंचना है। परागण पौधों के प्रजनन का एक जरूरी हिस्सा है। वायु प्रदूषण के कारण अब कीट परागण की प्रक्रिया बाधित हो रही है। यह शोध फ्रंटियर्स इन इकोलॉजी ऐंड द एनवायरनमेंट पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। इस शोध के निष्कर्षों में कहा गया है कि वायु प्रदूषण परागणकर्ता कीटों और पौधों के लिए कई समस्याएं पैदा कर रहा है। पौधे अपने फूल आने का समय बदल रहे हैं या कीड़े फूलों की ओर आकर्षित नहीं हो रहे हैं। विभिन्न कारणों से होने वाला वायु प्रदूषण परागण प्रक्रिया को बाधित कर रहा है। अध्ययन के अनुसार, पौधों में फूल कम आने से परागण करने वाले कीट, जैसे-मधुमक्खियां, ततैया और तितलियां फूलों का पर्याप्त

रस नहीं चूस पा रही हैं। पौधों और परागण वाले जीवों का संबंध टूटने से खेती पर बुरा असर पड़ रहा है। इस वजह से दुनिया के कई हिस्सों में उत्पादन पर असर पड़ रहा है। प्रदूषित हवा परागणकों पर बुरा असर डाल रही है। यह पराग की गुणवत्ता को कम कर रही है या पौधों और कीट समुदायों की संरचना में मूलभूत परिवर्तन का कारण बन रही है। ड्यूक कहते हैं कि कीट परागण पर वायु प्रदूषकों के प्रभावों पर आगे का शोध पौधों और परागणकों के बीच परस्पर प्रभाव की पहचान करने के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह वायु प्रदूषण के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील है। कीटों द्वारा परागण किए जाने वाले पौधों में बड़ी संख्या में खेती वाले पौधे हैं। कॉफी या स्ट्रॉबेरी में तो कीड़ों द्वारा परागण की कमी से फसल को भारी नुकसान हो रहा है। इसके अलावा, वायु प्रदूषण अन्य जीवों के साथ पौधों के परस्पर रिश्ते को भी प्रभावित करता है। ड्यूक ने बताया कि वह यह जांच करना चाहते हैं कि ओजोन प्रदूषण कीटों के एक विशिष्ट समूह के परागण और शिकार को कैसे प्रभावित करता है? खासकर, शिकारी कीट होवरफ्लाइज पर कैसा असर पड़ता है? जीव विज्ञानी कहते हैं कि हम इस शोध के माध्यम से कीट परागण के लिए वायु प्रदूषण के खतरों और उचित सुरक्षात्मक उपाय करने के महत्व पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि ये होवरफ्लाइज बहुत दिलचस्प हैं, क्योंकि ये वयस्कों के रूप में पौधों को परागित करते हैं, लेकिन लार्वा चरण में एफिड्स को खाते हैं और इस प्रकार एफिड आबादी को कम कर सकते हैं। एफिड्स पौधे के प्रसिद्ध कीटों में से एक हैं। एफिड्स नरम शरीर वाले कीड़े हैं, जो पौधों का रस चूसते हैं। वे आम तौर पर कोमल टर्मिनल विकास के नीचे की तरफ कॉलोनियों में होते हैं। नए पौधों के लिए एफिड नियंत्रण सबसे मूल्यवान है, क्योंकि अत्यधिक रस चूस लेने से पौधे की सामान्य शक्ति प्रभावित होने की आशंका रहती है। इसी विषय पर जर्मनी के मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट फॉर केमिकल इकोलॉजी और अमेरिका के वर्जीनिया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं की एक टीम ने फूलों और परागणकर्ताओं के बीच रासायनिक संचार पर ओजोन वायु प्रदूषण के प्रभाव का अध्ययन किया है। उन्होंने दिखाया कि तंबाकू के फूलों पर मंडराने वाले कीटों ने अपने पसंदीदा फूलों की ओर आकर्षित होना बंद कर दिया है, क्योंकि वायु प्रदूषण के प्रभाव से उनकी खुशबू बदल गई थी। यह ऑक्सीकरण प्रदूषक पौधे और उसके परागणकर्ता के बीच के संबंध में गड़बड़ी फैलाता है। प्रदूषण पौधे और परागणकर्ता कीट के बीच लाखों वर्षों में विकसित हुए रिश्ते में बाधा डालता है। शोधकर्ता कहते हैं कि वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के हमारे पारिस्थितिकी तंत्र के लिए दूरगामी परिणाम हैं। ये न केवल पौधों की गंध को बदल देता है, बल्कि नर को आकर्षित करने के लिए सेक्स फेरोमोन मादा कीट को भी भ्रमित कर देते हैं।

कुछ अलग

खेलों को नई दिशा

खेल की चर्चा में हिमाचल का आना, एक सतत प्रयास का नतीजा है, जिसे पिछली कुछ सरकारों, खास तौर पर प्रेम कुमार धूमल के मुख्यमंत्रित्व काल से हम पनपता हुआ देख सकते हैं। यह इसलिए क्योंकि पहली बार व्यापक स्तर पर विभिन्न खेलों से संबंधित प्रशिक्षकों को उनकी सरकार ने नियुक्ति देकर एक माहौल बनाया था। बहरहाल वर्तमान मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू भी आगामी बजट के माध्यम से खेलों के प्रति अपनी दृष्टि रखने जा रहे हैं और इसका उल्लेख करते हुए वह खेल नीति को और व्यावहारिक, परिणाममूलक व भविष्यगामी बनाने का आश्वासन देते हैं। हालांकि खेलों को स्तरोन्नत तथा खिलाडियों के भविष्य के प्रति चिंताएं तो पूर्व सरकारों ने भी प्रकट कीं, लेकिन लिफाफों में ये मजमून बंद होकर रह गए। पिछली जयराम सरकार के खेल मंत्री राकेश पठानिया ने नीतिगत निर्णयों का जाम पीया, लेकिन वह सिर्फ नूरपुर के आधे-अधूरे खेल स्टेडियम की परिक्रमा ही करते देखे गए। दरअसल खेलों का शिखर उस नर्सरी में तलाश किया जाना चाहिए, जो छोटे बच्चों की प्रतिभा से संपन्न हो। पंजाब, हरियाणा, कर्नाटक, महाराष्ट्र, केरल व मणिपुर जैसे राज्यों ने टेलेंट सर्च के तहत निष्पक्षता से खिलाड़ी चुने और बेहतर प्रशिक्षण व सुविधाएं प्रदान कीं। खेलों के प्रति राज्य के सरोकार पैदा करने में हरियाणा व पंजाब के उदाहरण हमारे सामने हैं। बेशक राज्य के कुछ खेल छात्रावासों और खासकर राष्ट्रीय खेल प्राधिकरण के केंद्रों के कारण हमारा टेलेंट भी कुछ हद तक बाहर आया है, लेकिन ग्रामीण व स्कूली खेलों को आगे बढ़ाने के प्रयत्न न के बराबर हुए। इस दौरान कुछ खेल प्रशिक्षकों के कारण बच्चे आगे बढ़े और राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में कबड्डी, हॉकी, वालीबॉल, हैंडबाल और एथलेटिक्स में संभावना दिखी। हमें मणिपुर जैसे राज्य से सीखना होगा कि किस तरह वहां की अनुकूल आबोहवा को खेलों में तराशा गया। हिमाचल की विशेष भौगोलिक व जलवायु की परिस्थितियों में अगर प्रतिभा को उपयुक्त प्रशिक्षण मिले तो यह प्रदेश भी कुछ खेलों में आगे बढक़र राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पदकों की टोली में शरीक हो सकता है, लेकिन हमारी शिक्षा-हमारे शिक्षण संस्थान तथा बच्चों की परवरिश अब खेल विरोधी है। खेलों की बात अगर कठिन है, तो भी सामान्य कसरतों से हम बच्चों का बाल्यकाल छीन रहे हैं। हिमाचल के निजी स्कूलों में पढ़ाई के अर्थ ने खेल का मैदान अति छोटा कर दिया है। सरकार को परीक्षा परिणाम के साथ खेलों के परिणाम में भी स्कूलों के लक्ष्य निर्धारित करने चाहिएं, ताकि व्यक्तित्व विकास की शाखा में बच्चों का नजरिया बदले। हैरानी यह कि स्कूली गतिविधियों में अब खेल या खिलाड़ी हैं ही नहीं। उधर प्रदेश के पांच सरकारी विश्वविद्यालयों से खेल का पन्ना गायब है। गुरु नानक देव विश्वविद्यालय अपने समर कैंप कई बार हिमाचल में लगाकर साइकिलिंग, एथलेटिक्स और वाटर स्पोर्ट्स को तरजीह देता है। हिमाचल अगर नगरोटा सूरियां व बिलासपुर के कालेजों में वाटर स्पोर्ट्स के विंग खोल दे, तो पौंग व गोविंद सागर जैसे जलाशय हमारी प्रतिभा का उत्थान जल क्रीड़ाओं के माध्यम से कर सकते हैं। निस्संदेह सांसद अनुराग ठाकुर ने क्रिकेट के जरिए हिमाचल को एक समृद्ध ढांचा, परिकल्पना व प्रतिभा को मौका दिया और जिसका असर दिखाई देता है, लेकिन बतौर खेल मंत्री वह अब तक हमीरपुर में एक्सीलेंस सेंटर व धर्मशाला में हाई आल्टीट्यूट खेल प्रशिक्षण केंद्र को घोषणा से आगे नहीं बढ़ा पाए। अगर प्रदेश की सरकारें व केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर मिल कर हिमाचल में राष्ट्रीय खेलों का महाकुंभ भी सजा पाते, तो एक साथ ऊना, हमीरपुर, मंडी, कांगड़ा, बिलासपुर, सोलन व पौंग तथा भाखड़ा बांध में अनेक खेलों का ढांचा विकसित हो जाता।

देश दुनीया से

बजट में व्यवस्था परिवर्तन की डगर

> लोकसभा चुनाव से ठीक पहले पेश होने वाला यह बजट खास होने की संभावना है। इसमें सुक्खू सरकार राज्य की अर्थव्यवस्था में बेहतरी और आम जनता के दृष्टिकोण से सकारात्मक बदलावों की डगर तलाशती नजर आएगी। यह कहना अतिशयोक्तिपूर्ण नहीं होगा कि हिमाचल प्रदेश ने अपने अस्तित्व में आने के बाद से पहाड़ सी चुनौतियों को पार कर विकास और कामयाबी की वह इबारतें लिखी हैं जो भारत के अन्य राज्यों के लिए भी मिसाल है। आज हिमाचल प्रदेश की अर्थव्यवस्था भारतवर्ष के अन्य राज्यों के मुकाबले में सबसे तेजी से बढऩे वाली इकॉनोमी है और यह मुख्यत: ऊर्जा, पर्यटन, कृषि-बागवानी और केंद्रीय सहायता पर आश्रित अर्थव्यवस्था है। पूर्ण राज्य का दर्जा मिलने के बाद वित्त वर्ष 1971-72 के लिए 80.18 करोड़ रुपए का पहला बजट पेश किया गया था। वित्त वर्ष 2023-24 में अब बजट बढक़र 56683.69 करोड़ हो गया है। ऐसे में आगामी वित्त वर्ष का वार्षिक बजट लगभग 60 हजार करोड़ तक हो सकता है। लेकिन इसके साथ ही सरकार की जिम्मेवारियां भी बढ़ती जा रही हैं। राज्य की कुल जीडीपी लगभग 195404 करोड़ रुपए है। राज्य की जीडीपी में प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक क्षेत्रों का योगदान क्रमशः 13.7 फीसदी, 43.36 प्रतिशत और 43.57 फीसदी है। करीब 75 हजार करोड़ के कर्ज के बोझ तले दबे हिमाचल प्रदेश का सिर्फ 29 फीसदी हिस्सा ही विकास के कामों में खर्च हो पाता है। पिछले साल 2023-24 के बजट के मुताबिक प्रति 100 रुपए में से वेतन पर 26 रुपए, पेंशन पर 16 रुपए, ब्याज और ऋण की अदायगी पर 10-10 और स्वायत्त संस्थानों के लिए ग्रांट पर 9 रुपए खर्च हो रहे थे, जबकि पूंजीगत विकास के लिए सिर्फ 29 रुपए ही शेष रहते हैं। हिमाचल में 14 लाख के करीब बेरोजगार हैं। जाहिर है इतने बड़े वर्ग को रोजगार मुहैया करवाना हिमाचल सरकार के लिए गंभीर चुनौती बनी हुई है। हिमाचल प्रदेश ने प्रति व्यक्ति आय में भी शानदार उपलब्धि हासिल की है। हिमाचल में कोरोना संकट के बावजूद प्रति व्यक्ति आय 2.22 लाख रुपए प्रति व्यक्ति है। इसी तरह हिमाचल ने पूर्ण विद्युतीकरण का लक्ष्य भी हासिल किया है। हिमाचल की पहचान फल राज्य के तौर पर तो है ही, इसे ऊर्जा राज्य के रूप में भी पहचाना जाता है। हिमाचल प्रदेश में 27436 मेगावाट पनविद्युत उत्पादन की क्षमता है। इसमें से अभी 10781 मेगावाट पनविद्युत उत्पादन हो रहा है। सरकार को न केवल ऊर्जा क्षेत्र में उत्पादन बढ़ाने की दिशा में और सौर ऊर्जा के क्षेत्र में ज्यादा काम करने की आवश्यकता है, बल्कि मार्च 2024 में पंजाब से शानन जलविद्युत परियोजना को भी अपने नियंत्रण में लेने हेतु कमर कसनी होगी। अपने दूसरे बजट को लेकर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का कहना है कि यह बजट प्रदेश को आत्मनिर्भर और समृद्धशाली बनाने की दिशा में अहम कदम साबित होगा। मुख्यमंत्री सुक्खू का यह भी कहना है कि प्रदेश में व्यवस्था परिवर्तन की भावना से काम करते हुए आर्थिक स्थिति में सुधार के साथ-साथ तीव्र विकास पर भी ध्यान दिया जा रहा है। कर्मचारियों के लिए ओल्ड पेंशन स्कीम की बहाली की गई है और इससे करीब 1.36 लाख कर्मचारियों को सम्मानजनक जीवन जीने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह हिमाचल प्रदेश को पर्यटन राज्य के तौर पर स्थापित करने की दिशा में भी काम कर रहे हैं। विशेष तौर पर जिला कांगड़ा को प्रदेश की पर्यटन राजधानी बनाने की दिशा में काम हो रहा है। बीबीएमबी को लेकर लगभग 4200 करोड़ की हिमाचल की राशि पड़ोसी राज्यों के पास पिछले कई वर्षों से अटकी पड़ी हुई है और पिछले पांच वर्षों में इस मसले पर कोई खास प्रगति नहीं हुई है। अतएव हिमाचल सरकार को इसके लिए पुनः सुप्रीम कोर्ट की ओर रुख करना होगा। प्रत्येक वर्ष के बजट में कई नई योजनाओं की घोषणाएं की जाती हैं, लेकिन आज जरूरत इस बात की भी है कि इन योजनाओं को किस तरह से धरातल पर लागू किया गया है, इसकी मॉनिटरिंग की जाए और हर बड़ी योजना का जिम्मा किसी उच्चाधिकारी को नामांकित करके उसके समयबद्ध क्रियान्वयन की जवाबदेही तय होनी चाहिए। पंचायतों के कामकाज में पारदर्शिता हो, इसके लिए खंड विकास अधिकारियों को फील्ड में जाकर कार्यों का निरीक्षण एवं मूल्यांकन करने की आवश्यकता है।

आप का नजरीया

अरब में 'नमो नारायण'

संयुक्त अरब अमीरात के रेगिस्तान में हिंदू मंदिर बना है। यह दुनिया के किसी अजूबे, करिश्मे और अभूतपूर्व मिसाल से कम नहीं है। इसके गहरे सामाजिक-सांस्कृतिक निहितार्थ भी हैं, जिन्हें दुनिया पढ़ेगी और समझेगी। अरब के इस्लामी देश अमूमन कट्टरपंथी, धार्मिक तौर पर संकीर्ण और असहिष्णु माने जाते रहे हैं। यह मंदिर उन धारणाओं को खंडित करता है। अबू धाबी शहर के मरुस्थल में बने हिंदू मंदिर में मिस्र, एजटेक, अफ्रीकी, यूरोपीय और चीनी सभ्यताओं के प्रतिचिह्न भी हैं और कहानियां भी हैं। कुरान को भी देखा जा सकता है। जो 'वॉल ऑफ हॉरमोनी' बनाई गई है, वह सर्वधर्म समभाव का दुर्लभ उदाहरण है। वोहरा समुदाय के मुसलमानों ने उसमें योगदान दिया है। हिंदू के अलावा बौद्ध, जैन, ईसाई संप्रदायों की प्रतिमाएं भी हैं। यकीनन यह मंदिर अध्यात्म और आस्थाओं का सामंजस्य है, सह-अस्तित्व का बेजोड़ नमूना है। करीब 27 एकड़ भूखंड के आधे भाग में बनाए गए मंदिर के लिए संयुक्त अरब अमीरात के इस्लामी शासक, राष्ट्रपति शेख मुहम्मद बिन जायद ने जमीन दान में दी और अरब देश में हिंदू स्वामीनारायण मंदिर बनाने की इजाजत भी दी। इससे व्यापक सहिष्णुता और धार्मिक उदारता और क्या हो सकती है? महत्वपूर्ण यह भी है कि हिंदू मंदिर बनाने का न तो कोई विरोध किया गया और न ही कोई दंगा-फसाद भडक़ा। किसी अन्य अरब देश ने भी आपत्ति नहीं की। असल में यही धर्मनिरपेक्षता है। मंदिर के सात शिखर सात महत्वपूर्ण भगवानों को समर्पित हैं। भगवान राम, भगवान शिव, भगवान कृष्ण, भगवान जगन्नाथ, भगवान स्वामीनारायण, तिरुपति बालाजी और भगवान अयप्पा की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। सात शिखर अरब के सात अमीरात के भी प्रतीक हैं। हिंदू मंदिर में गंगा, यमुना, सरस्वती नदियों को प्रतीक-रूप में बनाया गया है। समुद्री जहाजों से पवित्र नदियों के जल अबू धाबी में लाए गए और अब वही जल इन प्रतीकात्मक नदियों में प्रवाहित हो रहा है। मंदिर के आंगन में वाराणसी का घाट भी बनाया गया है। ऐसे बिम्बात्मक भारत की कल्पना हमने तो कभी नहीं की थी। मंदिर में खासतौर पर 96 घंटियां बनाई गई हैं। घंटियां हमारे मंदिर की सार्थक पहचान होती हैं। मंदिर को देखें, तो 'लघु हिंदुस्तान' प्रतीत होता है। मंदिर परिसर में एक 'दैवीय आंख' भी बनाई गई है, जिसके जरिए क्या देखा जा सकता है, वह अनिर्वचनीय है। करीब 900 करोड़ रुपए की लागत से बने मंदिर में सफेद संगमरमर, राजस्थान का गुलाबी बलुआ पत्थर का ही प्रयोग किया गया है। नागर शैली में बनाए गए मंदिर में कोई लोहा, इस्पात जैसी धातु का इस्तेमाल नहीं किया गया है। मंदिर के 402 स्तंभों पर जो मूर्तियां, पशु-पक्षी, जानवर उकेरे गए हैं, उस नक्काशी का वर्णन एक आलेख में नहीं किया जा सकता। मेजबान देश को समान प्रतिनिधित्व देने के लिए भारतीय पौराणिक कथाओं में हाथी, ऊंट और शेर जैसे महत्वपूर्ण स्थान रखने वाले जानवरों के साथ संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रीय पक्षी बाज को भी स्थान दिया गया है। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि एक अरब, इस्लामी देश में हिंदू मंदिर बनाया गया है और भारत के प्रधानमंत्री मोदी ने उसका उद्घाटन किया है।

प्रदेशवासियों ने 7 वर्षों में कानून व्यवस्था के महत्व को बखूबी अनुभव किया : योगी

67वीं ऑल इंडिया पुलिस ड्यूटी मीट के समापन समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री

लखनऊ (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि प्रदेशवासियों ने पिछले 7 वर्षों में कानून व्यवस्था के महत्व को बखूबी अनुभव किया है। प्रदेशवासियों ने प्रदेश के लॉ एंड आर्डर की बेहतर स्थिति और सुरक्षा के माहौल को देखते हुए ही दोबारा इस सरकार को चुना है। आज हर नागरिक के मन में सुरक्षा का विश्वास है। प्रदेश की मजबूत कानून व्यवस्था का ही परिणाम है कि जीआईएस-23 में 40 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए जबकि 2017 से पहले प्रदेश में निवेश के लिए कोई आना नहीं चाहता था। मुख्यमंत्री ने 67वीं ऑल इंडिया पुलिस ड्यूटी मीट के समापन समारोह में कहा कि 19 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में 10 लाख से अधिक निवेश के प्रस्तावों को ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के जरिए धरातल पर उतारने जा रहे हैं। इससे 35 लाख नौजवानों को सीधे नौकरी मिलेगी, जो यह दर्शाता है कि संकल्प के साथ कानून व्यवस्था को लागू किया जाए तो उसके परिणाम भी सामने आते हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री ने स्मारिका का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं के विजेताओं को ट्रॉफी भी प्रदान की। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा, कानून व्यवस्था और सुरक्षा का बेहतर माहौल बनाने में पुलिस के विभिन्न बलों की अति महत्वपूर्ण भूमिका है। इतना ही नहीं पब्लिक परसेप्शन तय करने में भी पुलिस बल का अहम रोल है। उन्हें यह परसेप्शन बनाने में काफी चुनौतियों का सामना किया है। इसके लिए उन्हें दोहरी मानसिकता के साथ काम करना पड़ता है। वह असामाजिक और अराष्ट्रीय तत्वों के साथ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अपने काम को अंजाम तक पहुंचाते हैं, जबकि कॉमन मैन के गुहार लगाने पर संवाद स्थापित कर उन्हें न्याय दिलाते हैं। इससे कॉमन मैन के मन में एक नया विश्वास पैदा होता है। साथ ही यह पुलिस बल की संवेदनशीलता को भी दर्शाता है। समारोह में देशभर के विभिन्न बलों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने हिस्सा लिया है। उनके अपने-अपने अनुभव हैं। उन अनुभवों का लाभ किस रूप में हम ले सकते हैं यह काफी महत्वपूर्ण है। हमारे देश में ज्ञान के आदान-प्रदान की परंपरा वर्षों पुरानी है। लखनऊ से 70 किलोमीटर दूर नौमिषारण्य है, जो हजारों वर्ष पहले ऋषियों के ज्ञान के आदान प्रदान के मंथन का केंद्र था। यहां पर भारत के वैदिक ज्ञान की परंपरा को लिपिबद्ध करने का काम किया गया था। इसमें पूरे देश भर के 88 हजार ऋषि-मुनि शामिल थे। ऑल इंडिया पुलिस ड्यूटी मीट इसी धरोहर को आगे बढ़ाता है। योगी ने कहा कि ज्ञान वह नहीं होता है जो पुस्तकों में लिखा होता है, जबकि ज्ञान वह है जो फील्ड की ड्यूटी के दौरान आप अनुभव करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपराध की बदलती प्रकृति के अनुसार हम सभी को अपने आप को तैयार करना होगा। हम जब अपनी बेस्ट प्रैक्टिसेज को जनता के सामने शेयर करते हैं तो बहुत कुछ जानने और सीखने को मिलता है। वहीं इस प्रकार की प्रतियोगिताओं और प्रतिस्पर्धाओं के माध्यम से बहुत सारी चीजों को देखने और सीखने का अवसर मिलता है। यही वजह है कि पिछले कुछ वर्षों में प्रदेश में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हो चुका है। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी अक्सर देश के अंदर की चुनौतियों और भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रख करके स्मार्ट पुलिसिंग की बात करते हैं। इस दौरान वह सख्त और सेंसिटिव पुलिस की बात करते हैं। पुलिस बल जब स्मार्ट पुलिसिंग की व्यवस्था से जुड़ जाएगी तो वर्तमान की चुनौतियों का सामना सफलतापूर्वक कर सकेगी। कार्यक्रम में प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद, डीजीपी प्रशांत कुमार समेत कई प्रमुख अधिकारी मौजूद रहे।

नीतीश के राजद के साथ आने के लालू के बयान पर सम्राट चौधरी का पलटवार

पटना (हिंस)। राजद सुप्रीमो लालू यादव और तेजस्वी यादव की ओर से नीतीश के वापसी के बयान पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शुक्रवार को बयान दिया है। राजधानी दिल्ली में भाजपा केंद्रीय टीम की ओर से बुलाई गई एक बैठक में शामिल होने जा रहे सम्राट चौधरी ने पटना एयरपोर्ट पर पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि यह नीतीश को तय करना है कि भाजपा के साथ गठबंधन में रहना है या राष्ट्रीय जनता दल के साथ। यह लालू को तय नहीं करना है कि नीतीश कुमार किस गठबंधन के साथ रहेंगे। उन्होंने कहा कि नीतीश ने अपनी सारी बातें रख दी है। जनता के बीच साफ संदेश गया है तो फिर इसमें लालू को क्या तय करना है। हकीकत तो यह है कि लालू यह जान चुके हैं कि अब हमारा खाता नहीं खुलने वाला है। इसलिए कुछ भी बोले जा रहे हैं। तेजस्वी और राहुल गांधी के एक साथ होने पर उन्होंने कहा कि दो भ्रष्टाचार के प्रतीक एक साथ हैं। एक बिहार की जनता को लूटने वाला है और दूसरा देश को लूटने वाला है।

संयुक्त किसान मोर्चा एवं केंद्रीय ट्रेड यूनियन के बैनर तले धरना-प्रदर्शन

सहरसा (हिंस)। संयुक्त किसान मोर्चा एवं केंद्रीय श्रमिक संगठनों के राष्ट्रीय व्यापी आह्वान पर शुक्रवार को वीर कुंवर सिंह चौक से प्रतिरोध मार्च निकालकर केंद्र सरकार के एवं राज्य सरकार के खिलाफ गगनभेदी नारे लगाते हुए सीटू, बिहार राज्य किसान सभा, एटक, इंटक से जुड़े अन्य संगठनों के दर्जनों नेता और कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। संयुक्त किसान मोर्चा एवं संयुक्त ट्रेंड यूनियन के राष्ट्रीय व्यापी आवाहन पर केंद्र सरकार के किसान विरोधी, मजदूर विरोधी, जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आज भारत बंद एवं चक्का जाम को सफल बनाने को लेकर आम लोगों से अपील की गई। सड़क जाम, दुकान व वाहन को जाम से मुक्त कर भारत बंद का सांकेतिक प्रदर्शन किया गया। किसान नेता परमानंद ठाकुर, प्रदेश नेता विनोद कुमार झा ने किसानों को एमएसपी देने, प्राइवेट व कार्पोरेट घरानो के लोगो के हाथ सरकारी संस्थान का विरोध करते हुए पुराने लेबर कोड बिल लागू करने संबंधी अन्य मांग को लेकर आंदोलन रत रहे। वही दिल्ली जाने से रोकने, उन पर आंसू गैस छोड़ने को लेकर जमकर विरोध प्रदर्शन किया गया ।

भगवंत मान ने हरियाणा पुलिस के सीमा पर ड्रोन उड़ाने पर आपत्ति जताई

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने हरियाणा पुलिस के पंजाब की सीमा में ड्रोन उड़ाने पर आपत्ति जताई है। मान ने केंद्र सरकार और किसान संगठनों के मध्य गुरुवार रात दो बजे तक चली बैठक में केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, नित्यानंद रॉय, पीयूष गोयल की मौजूदगी में यह मुद्दा उठाया। मान ने शुक्रवार सुबह पत्रकारों से कहा कि आंदोलनकारी किसानों पर हमला करने के लिए ड्रोन का प्रयोग असहनीय है। मान ने कहा कि डीसी पटियाला ने भी डीसी अम्बाला के समक्ष यह मुद्दा उठाया है। मान ने कहा कि पंजाब के तीन जिलों में इंटरनेट सेवाएं निरस्त कर दी गई हैं। इससे विद्यार्थियों की पढ़ाई पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब को भारत से अलग करने के लिए हरियाणा के साथ लगती राज्य की सरहद पर कंटीले तार लगाना जायज नहीं है। उन्होंने किसान संगठन शांति के साथ प्रदर्शन कर रहे हैं। कर्फ्यू लगाने की कोई आवश्यकता नहीं है। किसानों की जायज मांगों का हल किया जाना चाहिए। राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने की अफवाह या धमकी से हम डरते नहीं हैं। मान ने कहा कि राज्य के सभी अस्पतालों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। अब तक 54 किसान गंभीर रूप से जख्मी हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि यदि कोई किसानों को उकसाता है तो राज्य सरकार उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी।

किसानों के आंदोलन के साथ खड़ी है सपा : शिवपाल

इटावा (हिंस)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने शुक्रवार को केंद्र और प्रदेश सरकार पर जमकर निशाना साधा है और कहा कि सपा किसानों के आंदोलन के साथ खड़ी है। उन्होंने विधानसभा क्षेत्र जसवंतनगर में पत्रकारों से बात करते हुए किसानों के आंदोलन का समर्थन किया। उन्होंने किसानों पर लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले दागने पर कहा कि ऐसी सरकार को सत्ता में रहने का अधिकार नहीं है। कहा कि दो साल पहले भी किसानों ने लंबे समय तक आंदोलन किया था, जिसमें कई किसानों की जानें गईं थी। उन्होंने कहा कि किसानों के आंदोलन के आगे सरकार को झुकना पड़ा था और किसानों की मांगे माननी पड़ी थी, लेकिन सरकार ने अभी तक एमएसपी नहीं दी है, जिसके कारण विवश

किसानों को फिर से आंदोलन करना पड़ा है। सरकार उन पर लाठियां और आंसू गैस के गोले चलवा रही है हम किसानों के साथ खड़े हैं और किसानों पर इस तरह की बर्बरता करने वाले लोगों को सरकार में रहने का अधिकार नहीं है। सपा नेता शिवपाल यादव ने कहा कि इस सरकार में महंगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी चरम पर है। युवा और किसान परेशान है। उन्होंने कहा कि पल्लवी पटेल समाजवादी पार्टी की विधायक हैं और उन्होंने भाजपा के एक बड़बोले नेता को हराया थ। वह स्वामी प्रसाद मौर्य को सेक्युलर नेता बताते हुए कहा कि वह सपा के साथ हैं, हम लोग आपस में बैठकर बातचीत करके निपटा लेंगे। स्वामी प्रसाद मौर्य के पार्टी छोड़ने के एलान पर कहा कि वह (स्वामी प्रसाद मौर्य) सीनियर नेता हैं, अगर उन्हें कोई नाराजगी है तो हमलोग एक साथ बैठकर निपटा लेंगे। उन्होंने कहा कि यूपी में लोकनिर्माण विभाग की ओर से सड़कों के गड्ढा भरने में चालीस हजार करोड़ रुपए खर्च कर दिए गए। इस सरकार में हर जगह भ्रष्टाचार है। यह सरकार पिछले सात वर्षों से सिर्फ गड्ढे ही भर रही है, फिर भी सड़कों के गड्ढे खत्म नहीं हुए। सुप्रीम कोर्ट द्वारा इलेक्ट्रोल बांड को खत्म करने के फैसले को शिवपाल यादव ने स्वागत योग्य बताया और कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने अपने फायदे के लिए इसे लागू किया था।

सड़क हादसे में डॉक्टर दंपति सहित पांच की मौत

बीकानेर (हिंस)। राजस्थान के बीकानेर जिले के नोखा थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में डॉक्टर दंपति सहित पांच की मौत हो गई। घटना रासीसर से 12 किलोमीटर भारतमाला एक्सप्रेस वे की है। नोखा थाने के एएसआई ओमप्रकाश यादव के अनुसार दुर्घटना में दो पुरुष, दो महिलाओं और एक मासूम बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। ये सभी गुजरात के कच्छ निवासी हैं। पुलिस को पांच आईडी कार्ड मिले हैं। उनके अनुसार मृतकों में डॉ. प्रतीक व उनकी पत्नी, एक नर्स व उसका पति तथा दो साल की बच्ची है। ये चिकित्सकीय पेशे से जुड़े लोग हैं, यह पुष्टि हो चुकी है लेकिन पूर्ण पहचान परिजनों के पहुंचने पर ही होगी। परिजनों से संपर्क किया जा चुका है।

केंद्र और किसान संगठनों के बीच नहीं हो सकी सहमति, चौथी बैठक कल

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के किसान संगठनों के दिल्ली कूच के आह्वान के बाद केंद्र सरकार से चल रही तीसरे दौर की वार्ता पर भी गुरुवार रात सहमति नहीं बन सकी। अब चौथे दौर की वार्ता रविवार शाम चंडीगढ़ में होगी। तीसरे दौर की वार्ता रात करीब दो बजे तक चली। बैठक में केंद्र सरकार के प्रतिनिधि के रूप में केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, पीयूष गोयल और नित्यानंद रॉय शामिल हुए। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, वित्तमंत्री हरपाल सिंह चीमा और राज्य के अधिकारियों ने अपना पक्ष रखा। केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि कई मामलों पर सहमति बन रही है। कुछ मांगों पर विस्तार से रिपोर्ट तैयार करने की जरूरत है। किसान बातचीत के लिए तैयार हैं। एमएसपी की अधिसूचना जारी करने और किसानों की कर्ज माफी को लेकर अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी गई है। अब 18 फरवरी की शाम छह बजे चौथे चरण की बैठक होगी। मुख्यमंत्री मान ने कहा कि किसानों की मांगों को पूरा करने के लिए राज्य सरकार हर तरह का फैसला लेने को तैयार है। किसानों को इस बात के लिए राजी कर लिया गया है कि वह रविवार को चंडीगढ़ में होने वाली बैठक में शामिल हों। किसान नेता स्वर्ण सिंह पंधेर और जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा है कि दिल्ली कूच प्रतिष्ठा का सवाल नहीं है। अगर यहीं पर मांगें मान ली जाती हैं तो किसान इस समय जहां बैठे हैं वहीं से लौट जाएंगे। सरकार मांगों को पूरा करने के लिए लिखित में आश्वासन दे। वह रविवार को होने वाली बैठक में शामिल होंगे।

शंभू बार्डर पर फायरिंग के विरोध में पंजाब कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हरियाणा भाजपा कार्यालय घेरा

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा व पंजाब की सीमा पर किसान आंदोलन के दौरान पुलिस की फायरिंग से घायल हुए पंजाब के किसानों का समर्थन करते हुए पंजाब कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को चंडीगढ़ में हरियाणा भाजपा कार्यालय का घेराव किया। पंजाब कांग्रेस के कार्यकर्ताओं व नेताओं ने इसके लिए हरियाणा पुलिस व हरियाणा सरकार को जिम्मेदार ठहराया। पंजाब कांग्रेस के प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग की अगुआई में आज कांग्रेस नेताओं ने हरियाणा बीजेपी कार्यालय के बाहर रोष प्रदर्शन किया है। इसमें कांग्रेस के कई नेता शामिल हुए। चंडीगढ़ पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया। पुलिस का तर्क था कि इलाके में धारा -144 लगी हुई है। ऐसे में प्रदर्शन नहीं किया जा सकता है। इससे पहले पंजाब कांग्रेस के सारे नेता सेक्टर-15 स्थित पार्टी कार्यालय में जुटे थे। पहले उनकी पंजाब के गवर्नर बीएल पुरोहित से मुलाकात की योजना थी। एन मौके पर उनकी तरफ से अपने प्रोग्राम में बदलाव किया गया। इसके बाद सारे नेता सेक्टर-3 स्थित हरियाणा भाजपा कार्यालय के बाहर पहुंच गए और प्रदर्शन किया। चंडीगढ़ पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस व कांग्रेस कार्यकर्ताओं में कुछ धक्का-मुक्की हुई। इसके बाद पुलिस ने पंजाब कांग्रेस प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग समेत कई नेताओं व सैकड़ों कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया।

आईएनडीआईए की सरकार बनी तो किसानों को मिलेगी वाजिब एमएसपी : राहुल गांधी

पटना (हिंस)। राज्य के सासाराम में शुक्रवार को राहुल गांधी ने न्याय यात्रा में घोषणा किया कि आईएनडीआई गठबंधन की सरकार बनने पर किसानों को उनका वाजिब एमएसपी मिलेगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि आपकी जमीन आपसे छीनी जा रही है। सही राशि और सही मुआवजा नहीं दिया जा रहा है। जब हमारी सरकार थी तब किसानों के जमीन की रक्षा के लिए जमीन अधिग्रहण बिल लाया गया। राहुल गांधी ने कहा कि यह कानून हमारी सरकार लेकर आई और वह कानून आपके लिए देश के किसानों के लिए लागू किया गया था लेकिन इस कानून को केंद्र सरकार ने रद्द कर दिया और किसानों के साथ हकमारी कर रहे हैं। याद रखें जब हमारे गठबंधन की सरकार आएगी तो किसानों को वापस से वह सभी सुविधाएं मिलेंगी जो हमारी सरकार में पहले से मिला करती थी। हमारी सरकार बनेगी तो जितने भी सरकारी बहाली हैं वह पूरी कर ली जाएगी। यह हमारी गठबंधन का पूरे देश से लागू होगा। उन्होंने कहा कि किसानों को फसल का सही दाम नहीं मिल रहा है। हमारी सरकार में आने के बाद

कांग्रेस एमएसपी की लीगल गारंटी देगी। जब भी किसानों ने कांग्रेस से कुछ मांगा है, उन्हें दिया है। चाहे वो कर्ज माफी हो या फिर एमएसपी कांग्रेस ने हमेशा किसानों के हितों की रक्षा की है और हमेशा करेंगे।

प्रधानमंत्री 20 को जम्मू-कश्मीर में 3, 161 करोड़ की परियोजनाओं का करेंगे उद्घाटन व शिलान्यास

जम्मू (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 फरवरी को जम्मू-कश्मीर यात्रा के दौरान 3, 161 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी केंद्र शासित प्रदेश में लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा के चुनाव अभियान की औपचारिक शुरुआत भी करेंगे। प्रधानमंत्री जम्मू शहर के एमए स्टेडियम में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करेंगे। हाल ही में एसटी का दर्जा प्राप्त पहाड़ी समुदाय में इस सार्वजनिक रैली में शामिल होने के लिए विशेष उत्साह देखा जा रहा है। स्टेडियम में दो घंटे के कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री 3, 161 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। अधिकारियों ने कहा कि वह युवाओं को नियुक्ति पत्र भी देंगे और स्टेडियम से एक वीडियो कांफ्रेंसिंग कार्यक्रम के माध्यम से लोगों से बातचीत करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी महत्वाकांक्षी जम्मू-श्रीनगर ट्रेन का आंशिक उद्घाटन करेंगे, जो बनिहाल शहर से 48.5 किलोमीटर आगे की प्रतीकात्मक यात्रा करेगी। इसके अलावा उद्घाटन की जाने वाली परियोजनाओं में सांबा जिले के विजयपुर शहर में एम्स, रियासी जिले में सबसे ऊंचा रेलवे पुल, देविका कायाकल्प परियोजना, शाहपुर कंडी परियोजना, आईआईएम जम्मू, जम्मू और कश्मीर दोनों डिवीजनों में कई प्रमुख सड़कें और परियोजनाएं हैं। प्रधानमंत्री की यात्रा के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा बलों को अधिकतम अलर्ट पर रखा गया है।

ख्वाजा साहब की दरगाह पर हुआ बसंत पेश, शाही कव्वालों ने गाया बसंत

अजमेर (हिंस)। अजमेर स्थित ख्वाजा मोईनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी बसंत पंचमी का उत्सव मनाया गया। दरगाह के शाही कव्वालों ने हिंदू परंपरा के अनुरूप ख्वाजा गरीब नवाज की मजार पर सरसों की पौध के साथ पीले पुष्प का गुलदस्ता बसंत के रूप में पेश किया। इस दौरान दरगाह के शाही कव्वाल पार्टी ने ख्वाजा की शान में कलाम पेश किया। कव्वालों ने बसंत गाया। कव्वालियां सुनाते हुए मजार शरीर तक पहुंचे। दरगाह में बसंत पेश करने की परम्परा अमीर खुसरो के जमाने से चली आ रही है। दरगाह के दीवान सैयद जैनुल आबेदीन के पुत्र व उत्तराधिकारी सैयद नसीरुद्दीन चिश्ती के सानिध्य में दरगाह में पेश बसंत के दौरान भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे। नसीरुद्दन ने देश में साम्प्रदायिक नफरत फैलाने वालों के लिए सूफी संत ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह से एक संदेश भी दिया। उन्होंने कहा नफरत फैलाने वालों को यह समझना होगा कि हम सब पहले भारतीय हैं। हिंदू और मुसलमान बाद में है। उन्होंने कहा कि भारत की सभ्यता की यही खूबसूरती है कि हम हर धर्म का त्यौहार मिल जुलकर मानते है जिस की मिसाल बसंत पंचमी है जो अजमेर सहित देश

की हर बड़ी दरगाह में मनाई जाती है। मगर कुछ लोग भारत विरोधी विदेशी ताकतों को खुश करने के लिए दुष्प्रचार कर रहे है कि भारत में मुसलमान खुश नहीं और भारत में मुसलमानों पर जुल्म हो रहा है जबकि वास्तविकता बिलकुल अलग है। क्योंकि सच्चाई यह है कि भारत का मुसलमान पूरी आजादी के साथ इस देश में रह रहा है। इस देश के हर मुसलमान को अपने धर्म अनुसार पूर्ण रूप से जीने की स्वतंत्रता है जो लोग भारत के खिलाफ दुष्प्रचार कर रहे है, उन्हें अपनी इन नापाक हरकतों से बाज आना चाहिए और एक बार दुनिया के गैर अरब देशों का पूर्ण रूप से विश्लेषण कर लेना चाहिए की वहां के मुसलमान किन हालात में है और क्या उन्हें भारत के मुसलमानों की तरह पूरी धार्मिक स्वतंत्रता है या नहीं। उन्होंने कहा कि आज देश में जहां देखो नफरत फैलाने कि होड़ मची हुई है। यहां तक समाज के जिम्मेदार भी अपने भाषणों से एक दूसरे की धार्मिक भावनाएं और जज़्बात भड़काने में लगे हुए है, कोई कहता है कि मैं मुस्लिम हूं तो कोई कहता है मैं हिंदू हूं, कोई यह नहीं कहता की हम हिंदुस्तानी हैं, और यही मेरी पहचान है।

झारखंड प्रशासनिक सेवा के कई अधिकारियों का तबादला

रांची (हिंस)। राज्य सरकार ने झारखंड प्रशासनिक सेवा के कई अधिकारियों का तबादला किया गया है। इस संबंध में कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग ने गुरुवार देर रात अधिसूचना जारी कर दी है। जारी अधिसूचना के अनुसार कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के संयुक्त सचिव नवीन कुमार को स्थानांतरित करते हुए देवघर का डीडीसी बनाया गया है। जबकि चतरा के अपर समाहर्ता पवन कुमार मंडल को स्थानांतरित करते हुए चतरा का डीडीसी, गुमला के भूमि सुधार के उपसमाहर्ता सागरी बारल को एसडीओ देवघर, हजारीबाग के चौपारण के अंचल अधिकारी आशीष कुमार मंडल को रामगढ़ के पतरातू का अंचल अधिकारी, साहिबगंज के बरहरवा के अंचल अधिकारी एजाज हुसैन अंसारी को जामताड़ा का कार्यपालक दंडाधिकारी, सरायकेला नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी राजेंद्र प्रसाद गुप्ता को जमशेदपुर का जिला कल्याण पदाधिकारी, श्रम नियोजन विभाग के संयुक्त सचिव संदीप बक्शी को स्वर्ण रेखा परियोजना जमशेदपुर का संयुक्त सचिव के पद पर पदस्थापित किया गया है। इसी प्रकार विशाल दीप खलखो को नगर आयुक्त गिरिडीह, संदीप कुमार को बोकारो डीडीसी, पूनम कच्छप को जामताड़ा का अपर समाहर्ता, मिथिलेश कुमार चौधरी को गोड्डा का भूमि सुधार विभाग का उपसमाहर्ता, भागीरथ प्रसाद को धनबाद का विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी, नरेश रजक को धनबाद का भूमि सुधार विभाग का उपसमाहर्ता, हेमा प्रसाद को धनबाद का अपर समाहर्ता विधि व्यवस्था बनाया गया है। हेमा को धनबाद का लेखा प्रशासन विभाग का भी अतिरिक्त प्रभार में रहेंगी। साथ ही सुदर्शन मुर्मू को रांची का भूमि सुधार एवं नक्सल का अपर समाहर्ता, रंजीत लोहरा को जमशेदपुर का राष्ट्रीय नियोजन कार्यक्रम का निदेशक, जेम्स सुरीन को रांची का विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी, राजेश कुमार राय को रांची का ग्रामीण विकास विभाग का विशेष सचिव, राकेश कुमार दुबे को रांची का वाणिज्य कर विभाग संयुक्त सचिव, संतोष कुमार सिंह को गृह विभाग का संयुक्त सचिव, अमित कुमार को ग्रामीण विकास विभाग का संयुक्त सचिव, नागेंद्र पासवान को श्रम विभाग का संयुक्त सचिव, महेश कुमार संथालिया को स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा और कल्याण विभाग का संयुक्त सचिव, राजेश कुमार बरवार को मुख्य सचिव कार्यालय में उपसचिव के पद को संयुक्त सचिव के पद में उत्क्रमित करते हुए पदस्थापित किया गया है। इसके अलावा नंदकिशोर लाल को स्कूली, शिक्षा एवं साक्षरता विभाग का संयुक्त सचिव, सुषमा नीलम सोरेन को समेकित जनजाति विकास अभिकरण लोहरदगा का परियोजना निदेशक, संगीता लाल को परिवहन विभाग का संयुक्त सचिव, विद्या भूषण कुमार को गुमला का लेखा प्रशासन का निदेशक, संजीव कुमार लाल को मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग का उपसचिव, शिशिर कुमार सिंह को पंचायती राज विभाग का जिला पंचायत राज पदाधिकारी, कुमार अभिनव स्वरूप को मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग का अवर सचिव, विनय प्रकाश तिग्गा को वित्त विभाग काअवर सचिव, मोहम्मद लियाकत अली को खान विभाग का अवर सचिव, पायल राज को सूचना एवं जनसंपर्क विभाग का अवर सचिव, श्वेता वेद को श्रम विभाग का अवर सचिव और विजयनाथ मिश्रा को कृषि विभाग का अवर सचिव बनाया गया है।

पहली बार प्रदेश में वक्फ बोर्ड संपत्तियों के सर्वे के लिए कर रहा नई कवायद

जयपुर (हिंस)। नगर निकाय संस्थाओं की तर्ज पर अपनी सम्पत्तियों का पता लगाकर उन्हें अतिक्रमण मुक्त करने की कवायद में वक्फ बोर्ड जुट गया है। बेशकीमती जमीनों के लिए राजस्थान बोर्ड आफ मुस्लिम वक्फ्स अपने सीधे अधीन वाली संपत्तियों का सर्वे करवाने के लिए यह नई कवायद करने जा रहा है। लगातार वक्फ बोर्ड को सम्पत्तियों पर अतिक्रमण की शिकायतें मिल रही है। इसी को ध्यान में रखकर यह फैसला किया गया। बोर्ड की तरफ से अतिक्रमण को ध्वस्त करने के साथ ही कई नोटिस भी जारी किए गए हैं, लेकिन अब संपत्तियों का राजस्व रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने के लिए जिलों के अनुसार शिविर लगाए जाएंगे। ताकि जयपुर विकास प्राधिकरण और नगर निगम की तर्ज पर सीधी संपत्ति पर अतिक्रमण और अन्य जानकारी जुटाई जा सके। बोर्ड अध्यक्ष खानू खान बुधवाली के मुताबिक पहले चरण में बोर्ड झुंझुनूं में दो-तीन दिन का कैंप लगाकर अधिकारियों को साथ लेकर इन जमीनों को चिह्नित करने की शुरूआत कर चुका है। बुधवाली ने कहा कि बार-बार कहने के बावजूद लगातार अतिक्रमी आगे बढ़ रहे हैं। हाल ही में कई दरगाह में जमीनों में भूमाफियाओं ने प्लॉटिंग तक कर डाली है। इस बार किसी को बख्शा नहीं जाएगा। इसके लिए यह कदम उठाया जा रहा है। संबंधित निकायों से मदद ली जाएगी। अप्रेल के पहले सप्ताह से यह कवायद शुरू होगी। शासकीय राजपत्र 1989, औकाफ की पंजी, एवं राज्य गठन पश्चात वाकिफ द्वारा वक्फ की गई संपत्तियों को शामिल किया जाएगा। इससे सभी जिलों के गांवों, कस्बों में स्थित वक्फ संपत्ति का चिह्नांकन संभव होगा तथा इन संपत्तियों को राजस्व रिकॉर्ड में शामिल किया जा सकेगा। इससे वक्फ की संपत्ति विलुप्त होने से बचेगी। प्रदेशभर में वक्फ बोर्ड की संपत्तियों के सर्वेक्षण कार्य में प्रत्येक जिले के जिला प्रशासन के उच्चाधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा।

मुंबई हवाई अड्डे पर व्हीलचेयर नहीं मिलने से बुजुर्ग की मौत, एयर इंडिया ने दी सफाई

मुंबई।
हवाई अड्डे से एक दुखद मामला सामने आया है। यहां एक बुजुर्ग को बुकिंग के बाद भी व्हीलचेयर नहीं मिली, जिसके कारण उनकी मौत हो गई। हालांकि, इस घटना पर एयर इंडिया ने सफाई दी है। उसका कहना है कि यात्री से व्हीलचेयर मिलने तक इंतजार करने का अनुरोध किया था, लेकिन उन्होंने अपनी पत्नी के साथ पैदल जाने का विकल्प चुना।

एयर इंडिया की सफाई

एयर इंडिया के एक प्रवक्ता ने कहा, 12 फरवरी को न्यूयॉर्क से मुंबई जा रहे हमारे एक मेहमान अपनी पत्नी के साथ इमिग्रेशन क्लियर करने के लिए जाते समय बीमार पड़ गए। बुजुर्ग यात्री ने व्हीलचेयर की मांग की थी। व्हीलचेयर की भारी मांग के कारण हमने यात्री से थोड़ा इंतजार करने का अनुरोध किया था लेकिन उन्होंने अपनी पत्नी के साथ पैदल चलने का विकल्प चुना। ऐसे में बुजुर्ग इमिग्रेशन काउंटर तक पैदल चलकर गए। ऐसे में उनकी हालत बिगड़ गई। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई।

यह है मामला

एक रिपोर्ट के मुताबिक, 80 साल के बुजर्ग ने न्यूयॉर्क से मुंबई के लिए उड़ान भरी थी। दंपति ने अपने लिए व्हीलचेयर की बुकिंग की थी। मुंबई एयरपोर्ट पर एयर इंडिया की फ्लाइट जब लैंड हुई तो दंपति को सिर्फ एक व्हीलचेयर मिली। ऐसे में पति ने उसपर अपनी बुजुर्ग पत्नी को बैठाया और खुद पैदल चलने लगे। विमान से लेकर 1.5 किलोमीटर की दूरी पर टर्मिनल में बने इमिग्रेशन काउंटर तक बुजुर्ग को पैदल जाना पड़ा। काउंटर पर पहुंचने के बाद बुजुर्ग को चक्कर आया और हार्ट अटैक के बाद बुजुर्ग की मौत हो गई। घटना के बाद बुजुर्ग को नानावती अस्पताल भी ले जाया गया, लेकिन इससे पहले मौत हो गई।

न्यूज ब्रीफ

अब जगन्नाथ पुरी से सीधे पहुंच सकेंगे अयोध्या धाम, जल्द शुरू होगी विशेष ट्रेन सेवा

भुवनेश्वर। धार्मिक पर्यटन के जरिए अर्थव्यवस्था को गति देना मोदी सरकार की प्राथमिकताओं में रहा है। फिर चाहे काशी विश्वनाथ कॉरिडोर हो या फिर उज्जैन का महाकाल कॉरिडोर। और अब अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा और भव्य राम मंदिर का उद्घाटन। इन सभी से न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा बल्कि अर्थव्यस्था को भी तेजी मिलने की संभावना है। इसी कड़ी में भगवान जगन्नाथ के धाम पुरी में रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास का काम जोरों से चल रहा है। रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव इस कार्य को देखने पुरी में थे। इस दौरान उन्होंने जगन्नाथ पुरी से अयोध्या धाम के लिए सीधी रेल सेवा शुरू करने का ऐलान किया। इस रेल सेवा के शुरू हो जाने से यात्री जगन्नाथ पुरी से सीधे भगवान राम के धाम अयोध्या पहुंच सकेंगे। वैष्णव ने पुरी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, मैं यह घोषणा करते हुए खुश हूं कि पुरी से अयोध्या के लिए एक विशेष ट्रेन सेवा शुरू की जाएगी। इससे लाखों श्रद्धालुओं को अयोध्या की यात्रा करने में सुविधा होगी। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब भारतीय रेलवे धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई पहल कर रहा है। हाल ही में, रेलवे ने काशी विश्वनाथ धाम तक कई नई ट्रेनें शुरू की हैं और अन्य धार्मिक स्थलों को जोड़ने वाली ट्रेनों की संख्या बढ़ाने की योजना बनाई है। ये होगा ट्रेन का संभावित मार्ग हालांकि अभी आधिकारिक तौर पर मार्ग की घोषणा नहीं की गई है, लेकिन ट्रेन के पुरी से भुवनेश्वर, राउरकेला, झारसुगुड़ा, बिलासपुर, कटनी, सतना, प्रयागराज, वाराणसी होते हुए अयोध्या पहुंचने की संभावना है। इस ट्रेन के शुरू होने से क्या होगा लाभ इस ट्रेन सेवा से ओडिशा और उत्तर प्रदेश के बीच सीधी कनेक्टिविटी बढ़ेगी। इससे धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और दोनों राज्यों के आर्थिक विकास में मदद मिलेगी।

सोने का भाव 61000, चांदी 71 हजार से ऊपर

नई दिल्ली। देश के सराफा बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव में तेजी देखी जा रही है। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। इस तेजी के साथ चांदी के वायदा भाव 71 हजार रुपये के ऊपर कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव 61,650 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वैश्विक बाजार में भी सोने और चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 29 रुपये की तेजी के साथ 61,651 रुपये के भाव पर खुलकर 38 रुपये की तेजी के साथ 61,660 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत तेजी के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 155 रुपये की तेजी के साथ 71,276 रुपये के भाव पर खुला जो 254 रुपये की तेजी के साथ 71,375 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। कॉमेक्स पर सोना 2,0016.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,0014.90 डॉलर था जो 1.40 डॉलर की तेजी के साथ 2,016.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 22.98 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 22.95 डॉलर था जो 0.09 डॉलर की तेजी के साथ 23.04 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

इंडिया यामाहा मोटर तीन लाख स्कूटर वापस मंगाएगी

नई दिल्ली। इंडिया यामाहा मोटर ब्रेक के कलपुर्जे को ठीक करने के लिए अपने 125 सीसी स्कूटर मॉडल रे जेडआर 125 एफआई हाइब्रिड और फैसिनो 125 एफआई हाइब्रिड की लगभग तीन लाख इकाइयां वापस मंगाएगी। दोपहिया वाहन बनाने वाली जापान की कंपनी ने कहा कि वह एक जनवरी, 2022 से चार जनवरी, 2024 के बीच विनिर्मित स्कूटर इकाइयों को तत्काल प्रभाव से वापस मंगा रही है। कंपनी ने कहा कि वह उत्पादों की उच्च गुणवत्ता और सुरक्षा मानक को लेकर प्रतिबद्ध है। इसी के तहत इंडिया यामाहा मोटर (आईवाईएम) ने स्वैच्छिक रूप से 125 सीसी के स्कूटरों की लगभग 3,00,000 इकाइयों को वापस मंगाने की घोषणा की है। बयान के अनुसार वाहन वापस मंगाने का उद्देश्य रे जेडआर 125 एफआई हाइब्रिड और फैसिनो 125 एफआई हाइब्रिड स्कूटर मॉडल (जनवरी 2022 के बाद के मॉडल) की चुनिंदा इकाइयों में ब्रेक लीवर के काम करने से जुड़ी समस्या का हल करना है। आईवाईएम ने कहा कि संबंधित ग्राहकों को कलपुर्जे मुफ्त उपलब्ध कराए जा रहे हैं। ग्राहक वाहन वापस मंगाये जाने की पात्रता के बारे में जानने के लिए कंपनी की वेबसाइट के सेवा अनुभाग पर जा सकते हैं।

दास ने कहा- लगातार चौथे साल 7 प्रतिशत से अधिक रहेगी विकास दर, महंगाई पर काबू पाने में अभी कई चुनौतियां

नई दिल्ली।
भारत कई चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना कर सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। हालांकि, महंगाई को काबू करने के मोर्चे पर अभी कई चुनौतियां हैं। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास का कहना है कि विवेकपूर्ण मौद्रिक एवं राजकोषीय नीतियों ने मुश्किल परिस्थितियों से निपटने में भारत की सफलता का मार्ग प्रशस्त किया है। 2024-25 में जीडीपी की वृद्धि दर 7 फीसदी रहने का अनुमान है। यह लगातार चौथा साल होगा, जब विकास दर 7 फीसदी या उससे अधिक रहेगी। इसके साथ ही, खाद्य कीमतों की ओर से बार-बार झटके लगने और देशों के बीच नएतनाव पैदा होने से महंगाई से निपटने में बाधा आ रही है।

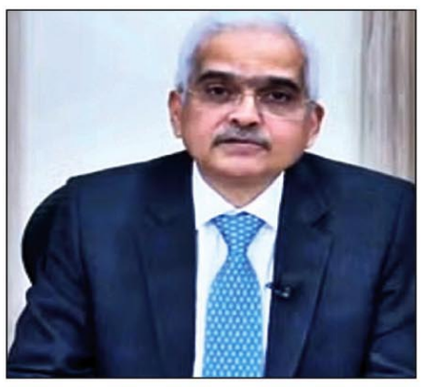

वैश्विक जीडीपी में मुश्किलों के साथ अवसर भी

दास ने कहा, वैश्विक अर्थव्यवस्था एक चौराहे पर खड़ी है। चुनौतियां भी तमाम हैं। लेकिन, नए अवसर भी दस्तक दे रहे हैं। हम यहां से जो रास्ता अपनाएंगे, वही हमारा भाग्य तय करेगा। हमें ऐसी नीतियां चाहिए, जो वैश्विक जीडीपी की नई वास्तविकताओं के अनुरूप हों। अनिश्चित दुनिया में केंद्रीय बैंकों को अपने उद्देश्यों को बेहतर ढंग से पूरा करने के लिए सक्रिय होने की जरूरत है।

सफर के सबसे मुश्किल दौर में

गवर्नर ने बृहस्पतिवार को 59वें दक्षिण-पूर्व एशियाई केंद्रीय बैंकों (सीसेन) के गवर्नर्स सम्मेलन में कहा, हम अवस्फीति (महंगाई में गिरावट) के अंतिम चरण से निपटने के लिए सतर्क हैं क्योंकि यह सफर का सबसे मुश्किल दौर होता है। हमें भरोसा है कि स्थिर व निम्न महंगाई स्थायी आर्थिक वृद्धि के लिए जरूरी आधार देगी। महंगाई 2022 की गर्मियों के उच्चतम स्तर से अब नीचे आ चुकी है। खुदरा महंगाई जनवरी, 2024 में 5.1 फीसदी रही है।

यूपीआई में अंतरराष्ट्रीय मॉडल बनने की क्षमता

दास ने कहा, इंडिया स्टैक और यूपीआई में हमारी भागीदारी ने हमें विश्वास दिलाया है कि राष्ट्रीय सीमाओं से परे बढ़ने पर डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा वैश्विक भलाई का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकता है। भारतीय यूपीआई और कुछ अन्य देशों की तेज भुगतान प्रणालियों का जुड़ाव यूपीआई को सीमा पार लेनदेन के लिए एक अंतरराष्ट्रीय मॉडल बनने की क्षमता देता है।

आरबीआई ने कार्ड नेटवर्क पर की कार्रवाई, बिना कानूनी मंजूरी के दी जा रही थी यह सुविधा

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ने उस कार्ड नेटवर्क पर रोक लगा दी जो कंपनियों को कार्ड से भुगतान स्वीकार नहीं करने वाली इकाइयों को कुछ मध्यस्थों के माध्यम से कार्ड भुगतान करने में सक्षम बनाता है। यह गतिविधि कानूनी मंजूरी के बिना चल रही थी। रिजर्व बैंक ने हालांकि कार्ड नेटवर्क या मध्यस्थों के नाम नहीं बताए हैं। केंद्रीय बैंक ने कहा कि उपलब्ध सूचना के अनुसार देश में अब तक केवल एक कार्ड नेटवर्क ने इस व्यवस्था को लागू किया है। रिजर्व बैंक ने कहा, चूंकि मामले की विस्तृत जांच चल रही है, कार्ड नेटवर्क को सलाह दी गई है कि अगले आदेश तक इस तरह की सभी व्यवस्था को स्थगित रखा जाए। आरबीआई ने कहा कि यह उसके संज्ञान में आया है कि एक कार्ड नेटवर्क में एक व्यवस्था थी जो व्यवसायों को कुछ मध्यस्थों के माध्यम से ऐसी संस्थाओं को कार्ड भुगतान करने में सक्षम बनाती है, जो कार्ड भुगतान स्वीकार नहीं करती हैं। आरबीआई ने कहा, इस व्यवस्था के तहत मध्यस्थ वाणिज्यिक भुगतान के लिए कंपनियों से कार्ड से भुगतान स्वीकार करता है और फिर आईएमपीएस/आरटीजीएस/एनईएफटी के जरिए कार्ड से भुगतान नहीं करने वालों को रिफंड करता है। आरबीआई की ओर से की गई इस कार्रवाई के पहले मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि केंद्रीय बैंक ने एक बड़ा फैसला लेते हुए वीजा और मास्टरकार्ड जैसे कार्ड नेटवर्कों को कॉरपोरेट और छोटे उद्यमों की तरफ से किए जाने वाले कार्ड-आधारित वाणिज्यिक भुगतान रोकने को कहा है। आरबीआई ने कहा कि करीब से जांच करने पर यह पाया गया कि यह व्यवस्था भुगतान प्रणाली के लिए योग्य है पर भुगतान और निपटान प्रणाली (पीएसएस) अधिनियम, 2007 के प्रावधानों के तहत, इस तरह के भुगतान प्रणाली के लिए मंजूरी की आवश्यकता होती है जो इस मामले में प्राप्त नहीं की गई है। आरबीआई के बयान के अनुसार यह गतिविधि कानूनी मंजूरी के बिना की गई।

यूएसआईएसपीएफ बोर्ड में शामिल हुए आईबीएम के सीईओ अरविंद कृष्णा, कैसे कंपनी को आगे बढ़ाएंगे

नई दिल्ली।
आईबीएम के सीईओ अरविंद कृष्णा यूएस इंडिया स्ट्रैटेजिक एंड पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) के निदेशक मंडल में शामिल हो गए हैं। एक आधिकारिक घोषणा से इसकी सूचना मिली।

बता दें कि भारतीय-अमेरिकी 62 वर्षीय सीईओ कृष्णा, न्यूयॉर्क फेडरल रिजर्व बैंक के निदेशक मंडल के सदस्य भी हैं। साथ ही नॉर्थ्रॉप ग्रुम्मन के निदेशक मंडल में भी कार्यरत हैं। उन्होंने तकनीकी दिग्गज के साथ तीन दशकों से अधिक समय से जुड़े उद्योग और आईबीएम के अनुभवी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्लाउड, क्वांटम कंप्यूटिंग और ब्लॉकचेन में आईबीएम के लिए नए बाजारों के निर्माण और विस्तार का नेतृत्व किया है।

कृष्णा नवीन आईबीएम उत्पादों और समाधानों के विकास में भी एक प्रेरक शक्ति रहे हैं। उन्होंने समाधान तथा साहसिक परिवर्तनों की एक श्रृंखला का नेतृत्व किया, जिसने सिद्ध व्यावसायिक परिणाम दिए हैं, जिसमें आईबीएम के सूचना प्रबंधन व्यवसाय को 50 प्रतिशत तक बढ़ाना भी शामिल है।

अमेरिका और भारत के बीच अच्छी पार्टनरशिप

इधर, कृष्णा का कहना है, अमेरिका और भारत के बीच काफी अच्छे संबंध हैं, जो साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और मजबूत आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों में निहित है। यूएसआईएसपीएफ के सदस्य के रूप में, मैं आर्थिक विकास को बढ़ावा देने, सभी के लिए अवसर पैदा करने और हमारे समय की अनूठी चुनौतियों का समाधान करने के लिए प्रौद्योगिकी की शक्ति का उपयोग करने के लिए उत्सुक हूं।

यूएसआईएसपीएफ ने बताया कि कृष्णा ने वायरलेस नेटवर्किंग, सुरक्षा, सिस्टम और डेटाबेस सहित कई तकनीकी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण वैज्ञानिक योगदान दिया है। उन्होंने आईबीएम के सुरक्षा सॉफ्टवेयर व्यवसाय की स्थापना की है और दुनिया का पहला वाणिज्यिक वायरलेस सिस्टम बनाने में मदद की है।

असम को जल्द मिलेगा चिप पैकेजिंग प्लांट : राजीव चंद्रशेखर

नई दिल्ली।
केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने असम में 25,000 करोड़ रुपये की लागत वाले सेमीकंडक्टर पैकेजिंग संयंत्र का ऐलान करते हुए कहा कि असम को जल्द ही 25,000 करोड़ रुपये का सेमीकंडक्टर पैकेजिंग संयंत्र मिलने वाला है। यह टाटा का प्रस्ताव है, जिसका आकलन किया जाना है। चंद्रशेखर ने हाल ही में गुवाहाटी में डिजिटल इंडिया फ्यूचर स्किल्स समिट में यह बात कही। पिछले साल दिसंबर में असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने राज्य में सेमीकंडक्टर इकाई के लिए टाटा समूह की निवेश योजनाओं का खुलासा किया था। एक्स पर एक पोस्ट में शर्मा ने कहा था, टाटा ग्रुप ने 40,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ असम में सेमीकंडक्टर प्रोसेसिंग संयंत्र के लिए आवेदन किया है। इससे बड़ा बदलाव होगा। निवेश की यह घोषणा पिछले साल अगस्त में राज्य के मंत्रिमंडल द्वारा सेमीकंडक्टर नीति को मंजूरी देने के बाद की गई थी। चंद्रशेखर ने गुवाहाटी में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी तथा नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स ऐंड आईटी (एनआईईएलआईटी) के

सहयोग से आयोजित डिजिटल इंडिया फ्यूचर स्किल समिट के पहले संस्करण में अपने संबोधन के दौरान यह घोषणा की। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक इस शिखर सम्मेलन में एनआईईएलआईटी और इंटेल, एचसीएल, माइक्रोसॉफ्ट, किंडराइल, आईआईएम रायपुर, आईआईटीएम ग्वालियर, विप्रो और अन्य कंपनियों के बीच 20 से अधिक रणनीतिक सहयोग होंगे।

सीएम सिद्धारमैया ने गारंटी योजनाओं का किया बचाव, कहा- ये चुनावी हथकंडा नहीं

बंगलूरू।
कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने विधानसभा में अपना 15वां बजट पेश किया। इस दौरान उन्होंने एलान किया की कांग्रेस की पांच चुनाव गारंटियों को पूरा करने के लिए सालाना 52,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जाएंगे। इस दौरान उन्होंने अपनी सरकार की गारंटी योजना का मजबूती से बचाव किया और कहा कि ये चुनावी हथकंडा नहीं हैं बल्कि 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान दिए गए सुझावों पर आधारित हैं। केंद्र सरकार की आलोचना इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने 'जन विरोधी' नीतियों के लिए केंद्र सरकार की आलोचना की। सिद्धारमैया ने विधानसभा में 2024-25 का बजट पेश करते हुए कहा कि भारत में बनी शराब (आईएमएल) और बीयर के लिए कर की दरें संशोधित करना प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार संविधान में निहित न्याय, समानता और भाईचारे के सिद्धांतों पर आधारित विकास के कर्नाटक मॉडल का एक नया उदाहरण स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। साथ ही उन्होंने दावा किया कि केंद्र में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार के कार्यकाल के दौरान खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, रोजगार प्रदान करने के लिए जन-केंद्रित योजनाएं और कानून

बनाए गए थे।

हमारी गारंटी योजनाएं सिर्फ चुनावी हथकंडे नहीं

सिद्धारमैया ने कहा, 'वहीं पिछले 10 वर्षों में केंद्र सरकार के जन-विरोधी फैसलों से असमानता, कुछ ही लोगों के हाथों में पूंजी और साठगांठ वाला पूंजीवाद बढ़ा है। हमारी गारंटी योजनाएं सिर्फ चुनावी हथकंडे नहीं हैं बल्कि भारत जोड़ो यात्रा के दौरान दिए गए सुझावों पर आधारित हैं।'

करोड़ों लोगों को 52,000 करोड़ रुपये दे रही सरकार

उन्होंने कहा कि पांच गारंटी योजनाओं के माध्यम से सरकार 2024-25 के दौरान करोड़ों लोगों को 52,000 करोड़ रुपये दे रही है। सीएम ने कहा कि गारंटी योजनाओं के माध्यम से प्रति वर्ष प्रत्येक परिवार को औसतन 50,000 रुपये से 55,000 रुपये अंतरित किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि गारंटी योजनाओं के क्रियान्वयन को पूरी दुनिया ने सराहा है। मुख्यमंत्री ने विरोधियों की आलोचना की और आरोप लगाया कि वे नकारात्मक प्रचार करके उनके प्रशासन के मनोबल को कम करने के लिए सभी प्रयास कर रहे हैं।

सांसद साध्वी प्रज्ञा के आरोप पर अकासा एयर ने मांगी माफी, कहा- घटना की विस्तार से होगी जांच

नई दिल्ली।
भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर एक बार फिर चर्चाओं में हैं। उन्होंने आकासा एयरलाइंस के ड्यूटी मैनेजर और उसके साथियों पर उन्हें हानि पहुंचाने के प्रयास का आरोप लगाया है। मामले को बढ़ता देख अकासा एयर ने मामले में कार्रवाई का भरोसा दिया है।

दरअसल, भाजपा नेता साध्वी ने सोशल मीडिया पर यह लिखकर आरोप लगाया कि आकासा एयर के ड्यूटी मैनेजर इमरान और उनके साथियों ने षड्यंत्र कर उन्हें हानि पहुंचाने का प्रयास किया। उन्होंने इसकी शिकायत नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से की और उम्मीद जताई कि कार्रवाई की जाएगी।

अकासा एयर की सफाई

वहीं, सांसद के आरोपों पर बढ़ते मामले को देखकर अकासा एयर ने सफाई दी है। उसने कहा, सांसद प्रज्ञा ठाकुर को हुए डी-बोर्डिंग अनुभव पर खेद है। उन्हें हुई असुविधा के लिए हम

क्षमा चाहते हैं। घटना की विस्तार से जांच की जाएगी। हम अपनी सेवाओं में सुधार जारी रखने के अवसर के रूप में लेंगे।

यह है मामला

भोपाल सांसद आकासा एयरलाइंस की फ्लाइट संख्या क्यूपी1120 में बैठकर मुंबई से दिल्ली आई थीं। इस दौरान ही उनके साथ कुछ हुआ है, जो उन्होंने अपनी आपत्ति सोशल मीडिया पर व्यक्त की। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जी, मुंबई से दिल्ली आकासा एयर की फ्लाइट नंबर क्यूपी1120 से दिल्ली आने पर ड्यूटी मैनेजर इमरान और उसके साथियों द्वारा षड्यंत्र कर मुझे बड़ी हानि पहुंचाने का प्रयास किया। अपेक्षा करती हूं कि आप कार्यवाही अवश्य करेंगे। जय श्री राम। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि इमरान और उसके साथियों ने किस तरह हानि पहुंचाई है, जिस पर सिंधिया से कार्यवाही की उम्मीद की गई है।

2019 में भी हुआ था विवाद

इससे पहले 23 नवंबर 2019 को साध्वी प्रज्ञा दिल्ली से भोपाल जाने वाली स्पाइसजेट की फ्लाइट में सवार हुई थी। सीट को लेकर साध्वी की क्रू मेंबर से बहस हुई थी। फिर धरने पर बैठ गई थी। यात्रियों ने विमान में साध्वी के बर्ताव की निंदा की थी। एक वीडियो भी वायरल हुआ था। एक यात्री ने तो भोपाल सांसद से कह दिया था कि आपको शर्म नहीं है कि आप इस तरह का बर्ताव कर रही हैं।

जनवरी में उड़ानों की देरी से पांच लाख यात्री प्रभावित हुएः डीजीसीए

मुंबई। इस साल जनवरी में उड़ानों में देरी होने से 4.82 लाख यात्रियों पर असर पड़ा है, जिसके मुआवजे के तौर पर एयरलाइन कंपनियों को 3.69 करोड़ रुपये का भुगतान करना पड़ा। मासिक हवाई यातायात आंकड़ों से यह जानकारी सामने आई है। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) की तरफ से जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक जनवरी में घरेलू यात्रियों की संख्या पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 4.69 प्रतिशत बढ़कर 1.31 करोड़ हो गई। जनवरी, 2023 में घरेलू यात्री यातायात 1.25 करोड़ रहा था। आंकड़ों के अनुसार पिछले महीने उड़ानों में देरी के अलावा विभिन्न एयरलाइंस ने 1,374 यात्रियों को विमान में सवार होने से रोक दिया था। इसकी वजह से वैकल्पिक उड़ानों के इंतजाम और ठहरने एवं खानपान सुविधा देने पर 1.28 करोड़ रुपये खर्च हुए। डीजीसीए के आंकड़ों के मुताबिक जनवरी में उड़ानों के रद्द होने पर एयरलाइंस ने 68,362 यात्रियों को रिफंड और दोबारा बुकिंग की पेशकश के साथ 1.43 करोड़ रुपये भी हर्जाने के तौर पर दिए। घरेलू यात्री यातायात के मोर्चे पर पिछले महीने इंडिगो ने 79.09 लाख यात्रियों के साथ 60.2 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी हासिल की। इसके बाद 15.97 लाख यात्रियों के साथ एयर इंडिया की 12.2 प्रतिशत हिस्सेदारी रही।

ऑस्ट्रेलिया की सदरलैंड ने महिला टेस्ट इतिहास में सबसे तेज़ दोहरा शतक लगाया

पर्थ।

ऑस्ट्रेलिया की महिला ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के दूसरे दिन चाय तक 200 रन बनाकर महिला टेस्ट इतिहास का सबसे तेज दोहरा शतक जड़ दिया।

करेन रोल्टन के 306 गेंदों के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ते हुए वह केवल 248 गेंदों में इस मील के पत्थर तक पहुंच गईं।

इस प्रक्रिया में वह दोहरा शतक बनाने वाली सबसे कम उम्र की ऑस्ट्रेलियाई महिला भी बन गईं।

दूसरे दिन 54 रनों की शानदार पारी के साथ अपनी पारी को फिर से शुरू करते हुए सदरलैंड ने धैर्य और कौशल का प्रदर्शन किया।

दूसरे दिन प्रोटियाज़ के गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ अपना आक्रमण जारी रखा और अपने दूसरे टेस्ट शतक को दोहरे में बदल दिया।

उनकी पारी 121.4 ओवर में समाप्त हो गई जब वह 210 के स्कोर पर क्लो ट्रायॉन का शिकार बन गईं।

सदरलैंड टेस्ट में दोहरा शतक बनाने वाली नौवीं महिला और पांचवीं ऑस्ट्रेलियाई हैं। भारत की पूर्व कप्तान मिताली राज दोहरा शतक स्कोर करने वाली एकमात्र युवा खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 2002 में 19 साल की उम्र में 214 रन बनाए थे।

22 वर्षीया इससे पहले नंबर 6 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए दो शतक बनाने वाली पहली महिला बनी थीं।

उनका पहला टेस्ट शतक पिछले साल एशेज के दौरान ट्रेंट ब्रिज में इंग्लैंड के खिलाफ आया था। जहां उन्होंने नंबर 8 पर बल्लेबाजी करते हुए शानदार नाबाद 137 रन बनाए थे।

सदरलैंड कुल मिलाकर दो या अधिक शतक लगाने वाली तीसरी सबसे कम उम्र की महिला हैं। वह भारत की संध्या अग्रवाल और न्यूजीलैंड की एमिली ड्रम से पीछे हैं। दोनों ने 21 साल की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी।

सदरलैंड की पारी की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे दिन चाय तक अपनी बढ़त 450 के करीब पहुंचा दी।

न्यूज ब्रीफ

किलियन एम्बाप्पे के गोल से पीएसजी को मिली जीत, लाजियो ने बायर्न म्यूनिख को हराया

नई दिल्ली। फ्रांस के स्टार फुटबॉलर किलियन एम्बाप्पे के गोल की बदौलत पेरिस सेंट जर्मेन ने रियल सोसिदाद को 2-0 से हरा दिया। चैंपियंस लीग के अंतिम-16 के प्रथम चरण में एम्बाप्पे ने दूसरे हाफ के 58वें मिनट में गोल किया। 2017 में पीएसजी से जुड़ने के बाद एम्बाप्पे का क्लब के लिए यह रिकॉर्ड 243वां गोल है। लीग के बीते सात सत्र में से पांच में अंतिम-16 से बाहर हो चुके पीएसजी ने इस जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में प्रवेश की उम्मीदों को मजबूत कर लिया है। पांच मार्च को होने वाले दूसरे चरण के मुकाबले में पीएसजी को अंतिम-8 में पहुंचने के लिए महज ड्रॉ खेलना होगा। सोसिदाद ने पहले हाफ में दबदबा बनाकर रखा। 58वें मिनट में जब म्बाप्पे ने गोल किया उससे पहले तक सोसिदाद ही ज्यादातर समय आक्रमण पर रहा, लेकिन उसे गोल नसीब नहीं हुआ। एम्बाप्पे डेंबेले की ओर से लिए गए कॉर्नर पर मारक्वीनोज के हेडर पर वॉली लगाकर गोल किया। इसके बाद 70वें मिनट में ब्राडली बारकोला ने पीएसजी की बढ़त 2-0 कर दी।

रामकुमार बोले- क्ले कोर्ट पर स्वीडन को हरा सकता है भारत

नई दिल्ली। रामकुमार रामनाथन ने कहा है कि अगर स्वीडन सितंबर में होने वाले डेविस कप टेनिस मुकाबले को क्ले कोर्ट पर खेलने का फैसला करता है तो भारतीय टीम मेजबान टीम की चुनौती से निपटने में सक्षम है। भारतीय टीम स्वीडन जाएगी तो उसकी नजरें इस यूरोपीय टीम के खिलाफ पहली जीत दर्ज करने पर टिकी होंगी। अब तक दोनों टीम के बीच पांच मुकाबले खेले गए हैं। रामकुमार ने कहा कि स्वीडन के खिलाड़ियों की खेलने की शैली से परिचित होने का भी टीम को फायदा मिलेगा। हाल में इस्लामाबाद में हुए प्ले ऑफ में भारत ने पाकिस्तान को 4-0 से हराकर विश्व ग्रुप के लिए क्वालिफाई किया। बेंगलुरु में कर्नाटक राज्य लॉन टेनिस संघ (केएसएलटीए) द्वारा डेविस कप खिलाड़ियों को सम्मानित करने के लिए आयोजित समारोह में रामकुमार ने कहा, 'मुझे यकीन है कि वे क्ले कोर्ट पर खेलेंगे लेकिन हम कुछ अविश्वसनीय टेनिस खेल रहे हैं और फिर हमारे पास सुमित नागल हैं, मुझे लगता है कि वह उन्हें परेशान कर सकते हैं। मुझे यकीन है कि वह काफी फिट हैं।' उन्होंने कहा, 'कोर्ट पर रैंकिंग मायने नहीं रखती क्योंकि यह इस बात पर निर्भर करता है कि हम उस दिन कितना अच्छा खेलते हैं। आपने देखा है कि ऐसाम (पाकिस्तान के ऐसाम उल-हक कुरैशी) ने (डेविस कप में) कैसा प्रदर्शन किया था, सही है ना' समारोह में एन श्रीराम बालाजी, साकेत माइनेनी, निक्की पूनाचा और केएसएलटीए के संयुक्त सचिव सुनील यजमन भी मौजूद रहे।

फीफा रैंकिंग में भारतीय टीम को नुकसान, 15 स्थान खिसक कर 117वें पायदान पर पहुंचा भारत

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम हाल में एएफसी एशियाई कप में निराशाजनक प्रदर्शन के कारण बृहस्पतिवार को फीफा रैंकिंग में 15 पायदान खिसककर 117वें स्थान पर पहुंच गई जो सात साल में उसकी सबसे खराब रैंकिंग है। भारत एएफसी एशियाई कप में अपने सभी तीनों ग्रुप मैच गंवा बैठा था। यह भारत की जनवरी 2017 में 129वीं रैंकिंग के बाद सबसे खराब रैंकिंग है। हालांकि अभी तक देश की सबसे खराब रैंकिंग 2015 में 173 थी। पिछली फीफा रैंकिंग में भारतीय टीम 102वें स्थान पर थी जो 21 दिसंबर 2023 को जारी हुई थी। भारत ने पिछली रैंकिंग से 35.63 रेटिंग अंक गंवा दिए। अब यह टोगो (116वीं रैंकिंग) और गिनी बिसाऊ (118वीं रैंकिंग) के बीच में काबिज है। एशियाई देशों में भारत की रैंकिंग 22 है। कोच इगोर स्टिमेक के मार्गदर्शन में भारत एशियाई कप में ऑस्ट्रेलिया से 0-2, उज्बेकिस्तान से 0-3 और सीरिया से 0-1 से हार गया था जिससे उसे कोई अंक नहीं मिला और टीम इसमें कोई गोल भी नहीं कर पाई।

केन विलियमसन के वर्ल्ड रिकॉर्ड के दम पर न्यूजीलैंड ने जीता दूसरा टेस्ट, दक्षिण अफ्रीका ने 0-2 से झेला क्लीन स्वीप

नई दिल्ली।

केन विलियमसन (133*) के रिकॉर्ड शतक और विल यंग (60*) की उम्दा पारी के दम पर न्यूजीलैंड ने हैमिल्टन में दूसरे टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका को 7 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ न्यूजीलैंड ने दो मैचों की सीरीज में दक्षिण अफ्रीका का 2-0 से क्लीन स्वीप किया। याद दिला दें कि न्यूजीलैंड ने पहला टेस्ट 281 रन के विशाल अंतर से जीता था। हैमिल्टन में खेले गए दूसरे टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी की और पहली पारी में 242 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड की पारी 211 रन पर ऑलआउट हो गई। इस तरह मेहमान टीम को पहली पारी के आधार पर 31 रन की बढ़त मिल गई। फिर प्रोटियाज की दूसरी पारी 235 रन पर ऑलआउट हो गई और न्यूजीलैंड को जीत के लिए 267 रन का लक्ष्य मिला। मेजबान टीम ने तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल किया।

न्यूजीलैंड की पारी का हाल

याद दिला दें कि न्यूजीलैंड ने चौथे दिन अपनी पारी 40/1 के स्कोर से आगे बढ़ाई। डान पीड्ट ने टॉम लैथम (30) को हमजा के हाथों कैच आउट कराकर न्यूजीलैंड को दूसरा झटका दिया। इसके बाद विलियमसन ने रचिन रवींद्र (20) के साथ तीसरे विकेट के लिए 64 रन की साझेदारी करके न्यूजीलैंड को 100 रन के पार पहुंचाया। पीड्ट ने रवींद्र को ब्रांड के हाथों कैच आउट कराकर इस साझेदारी को तोड़ा। यहां से विलियमसन ने विल यंग (60*) के साथ दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों पर काउंटर अटैक किया और चौथे विकेट के लिए 152 रन की अविजित साझेदारी करके न्यूजीलैंड को सात विकेट की जीत दिलाई।

विलियमसन का रिकॉर्ड शतक

केन विलियमसन ने इस दौरान अपने टेस्ट करियर का 32वां शतक जमाया। उन्होंने 203 गेंदों में सैकड़ा पूरा किया। केन विलियमसन टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज 32 शतक जमाने वाले बैटर बने। उन्होंने 172 पारियों में 32 शतक ठोके। विलियमसन ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 174वीं पारी में 32वां शतक जमाया था।

भारतीय महिलाओं ने क्वार्टर फाइनल में हांगकांग को हराया, पहला पदक पक्का किया

नई दिल्ली। शाह आलम,भारतीय महिला बैडमिंटन टीम ने क्वार्टर फाइनल में हांगकांग को 3-0 से हराकर बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप (बीएटीसी) के सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ अपना पहला पदक पक्का कर लिया। शीर्ष शटलर पी वी सिंधु ने चोट के बाद वापसी में अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए लो सिन यान हैप्पी को 21-7, 16-21, 21-12 से हराकर भारत को शुरुआती बढ़त दिला दी। अश्विनी पोनप्पा और तनीषा क्रैस्टो की युगल जोड़ी ने युंग नगा टिंग और युंग पुई लैम पर सीधे गेमों में 21-10, 21-14 से जीत दर्ज करके बढ़त दोगुनी कर दी। फिर, अश्मिता चालिहा ने युंग सुम यी पर 21-12, 21-13 से जीत के साथ ताबूत में आखिरी कील ठोक दी और टीम के लिए सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। पदक पक्का, भारत अब सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त जापान से भिड़ेगा जिसने अन्य क्वार्टर फाइनल में चीन को 3-2 से पराजित किया। द्विवार्षिक महाद्वीपीय टीम चैंपियनशिप का 2024 संस्करण अप्रैल-मई में चीन के चेंगदू में होने वाले 2024 थॉमस और उबेर कप के लिए एशियाई क्वालीफायर के रूप में भी काम करेगा। भारत थॉमस कप का वर्तमान धारक है। यह चैंपियनशिप मूल्यवान रेस टू पेरिस 2024 रैंकिंग अंक भी प्रदान करती है, जो आगामी ओलंपिक खेलों में प्रतिस्पर्धा करने के इच्छुक शटलरों के लिए महत्वपूर्ण होगा।

एशिया टीम चैंपियनशिप में चीन से 2-3 से मिली हार, प्रणय-लक्ष्य की जीत के बावजूद दूसरे मैच में हारे

नई दिल्ली।

भारतीय पुरुष टीम को सात्विकसाईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार युगल जोड़ी की काफी कमी खली जिससे उसे बृहस्पतिवार को यहां बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप (बीएटीसी) के ग्रुप मैच में चीन से 2-3 से हार का सामना करना पड़ा।

स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी एच एस प्रणय और लक्ष्य सेन ने अपने एकल मुकाबले जीते लेकिन चीन ने वापसी करते हुए दोनों युगल मुकाबले जीतकर स्कोर 2-2 कर दिया। और अंतिम मैच में राष्ट्रीय चैंपियन चिराग सेन को वांग झेंग जिंग से 15-21 16-21 से हार मिली जिससे भारत मुकाबला गंवा बैठा। पहले ही नॉकआउट चरण में जगह बना चुकी भारतीय टीम ग्रुप में दूसरे स्थान पर रही और चीन ने शीर्ष स्थान हासिल किया।

सात्विक और चिराग को टीम प्रबंधन ने आराम दिया था क्योंकि भारत पहले ही हांगकांग पर 4-1 की जीत से क्वार्टरफाइनल में जगह बना चुका था। दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी प्रणय ने दुनिया के 16वें नंबर के खिलाड़ी वेंग पर 6-21 21-18 21-19 से जीत दर्ज कर भारत को 1-0 से आगे कर दिया।

पहले युगल में एम आर अर्जुन और ध्रुव कपिला एक गेम जीतने के बावजूद चेन बो यांग और लियू यिन से 15-21 21-19 19-21 से पराजित हो गए। राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन लक्ष्य सेन ने फिर लेई लान जि को 40 मिनट में 21-11 21-16 से हराकर भारत को वापसी कराई।

सूरज गोआला और पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय की जोड़ी को दूसरे युगल में रेन जियांग यु और जि हाओ नान की जोड़ी से 13-21 9-21 से हार मिली जिससे स्कोरलाइन 2-2 हो गई। निर्णायक मैच में चिराग भारत के लिए मैच नहीं जीत सके। भारतीय महिला टीम ने अपने लीग मैच में चीन को 3-2 से हराकर उलटफेर किया था जिससे उसने अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया।

भारतीय महिलाएं ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका से भिड़ने के लिए तैयार

राउरकेला।

भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023-24 के राउरकेला चरण के अपने अंतिम दो मैच 17 और 18 फरवरी को खेलेगी, जब वे क्रमशः ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त राज्य अमेरिका से बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम, राउरकेला में भिड़ेंगी। एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023/24 में अब तक भारत का प्रदर्शन कठिन रहा है और उसने अपने पांच में से चार मैच हारे हैं। चीन के खिलाफ अपने पहले मैच में 1-2 से हार झेलने के बाद, भारत नीदरलैंड से 1-3 से और ऑस्ट्रेलिया से 0-3 से हार गया और फिर भुवनेश्वर चरण के अपने अंतिम मैच में संयुक्त राज्य अमेरिका को 3-1 से हरा दिया। राउरकेला चरण के अपने पहले मैच में, भारत ने खेल की शुरुआत में बढ़त ले ली, लेकिन चीन ने जोरदार वापसी करते हुए मैच 2-1 से जीत लिया। इसके बाद भारत नीदरलैंड से 0-1 से हार गया। ऑस्ट्रेलिया के साथ मुकाबले से पहले कप्तान सविता पुनिया ने कहा, हम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछला मुकाबला हार गए थे लेकिन इस बार हमारा ध्यान जीत हासिल करने पर है और हम अपना सौ प्रतिशत देंगे। ऑस्ट्रेलिया हमारे जैसी ही शैली खेलता है, उनकी गेंदों को स्थानांतरित करने में असाधारण और उनकी फिनिशिंग शीर्ष पायदान पर है, लेकिन हमारा लक्ष्य इसे रद्द करना होगा और अपनी आमने-सामने की लड़ाई जीतना होगा। हम इस टूर्नामेंट में खेलने वाली किसी भी

टीम के समान अच्छे हैं, इसलिए जब हम मैदान में उतरेंगे तो हम अपना सब कुछ देंगे क्योंकि ये हमारे लिए महत्वपूर्ण मैच हैं। ऑस्ट्रेलिया को हाल के दिनों में भारत के खिलाफ अधिक अनुकूल परिणाम मिले हैं, जिसमें इस महीने की शुरुआत में एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023/24 के भुवनेश्वर चरण में 3-0 की जीत भी शामिल है, लेकिन भारतीय महिलाएं 2020 ओलंपिक क्वार्टर फाइनल में ऑस्ट्रेलिया पर अपनी 1-0 की जीत को दोहराने की कोशिश करेंगी जब वे राउरकेला में भिड़ेंगे। दूसरी ओर, भारतीय महिलाओं ने पिछले छह मौकों में से चार में संयुक्त राज्य अमेरिका को हराया है, जिसका दोनों टीमों ने सामना किया है, जिसमें एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023/24 के भुवनेश्वर चरण के दौरान 9 फरवरी को 3-1 की जीत भी शामिल है।

हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन ने कथित दुर्व्यवहार के आरोप में महिला टीम के कोच को निलंबित किया

हैदराबाद।

हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (एचसीए) ने सीनियर महिला टीम के मुख्य कोच विद्युत जयसिम्हा को टीम बस में कथित तौर पर शराब पीने और महिला क्रिकेटरों के साथ दुर्व्यवहार करने के बाद निलंबित कर दिया। एचसीए अध्यक्ष जगन मोहन राव ने जांच के आदेश दिए और जयसिम्हा को जांच पूरी होने तक क्रिकेट गतिविधियों से दूर रहने का निर्देश दिया।

जयसिम्हा को लिखे पत्र में, एचसीए अध्यक्ष ने एचसीए को प्राप्त एक गुमनाम ईमेल का हवाला दिया, जिसमें वीडियो के साथ उन्हें हैदराबाद राज्य टीम के साथ कोचिंग असाइनमेंट के दौरान टीम बस में शराब ले जाते और पीते हुए दिखाया गया था।

इसके अलावा वीडियो विभिन्न व्हाट्सएप समूहों में भी प्रसारित किए गए और टीवी समाचार चैनलों पर भी दिखाए गए। यह गंभीर चिंता का विषय है और मैंने इस मामले में गहन जांच करने के लिए कहा है और जांच के बारे में परिणाम के आधार पर निर्णय लिया जाएगा।

जगन मोहन ने लिखा, जब तक जांच चल रही है, मैं आपको निर्देश दे रहा हूं कि आप एचसीए की ओर से किसी भी क्रिकेट गतिविधि में शामिल होने से बचें।

इस बीच, एचसीए अध्यक्ष ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो कोच के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि एचसीए ऐसी गतिविधि में शामिल किसी भी व्यक्ति से सख्ती से निपटेगा और उन पर आजीवन प्रतिबंध लगाएगा।

महिला क्रिकेटरों द्वारा कथित तौर पर जयसिम्हा के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर पुलिस से संपर्क करने के बाद एचसीए ने कार्रवाई की। यह घटना तब घटी जब कुछ दिन पहले महिला टीम एक मैच के लिए हैदराबाद से विजयवाड़ा जा रही थी महिला खिलाड़ियों के माता-पिता और रिश्तेदारों ने चार दिन पहले एचसीए अधिकारियों से शिकायत की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि कोच द्वारा शराब पीने और महिला खिलाड़ियों के साथ अनुचित व्यवहार करने की कई घटनाएं हुई हैं।

क्विंटन डी कॉक, राशिद खान और ट्रेंट बोल्ट समेत कई खिलाड़ियों को प्रमुख लीग के लिए किया गया रिटेन

नई दिल्ली।

मेजर लीग क्रिकेट के दूसरे सीजन के लिए रिटेन किए गए खिलाड़ियों का ऐलान कर दिया गया है। क्विंटन डी कॉक, ट्रेंट बोल्ट, राशिद खान और निकोलस पूरन समेत कुल 23 खिलाड़ियों को आगामी सीजन के लिए रिटेन किया गया है। इस बार टूर्नामेंट का आयोजन टी20 वर्ल्ड कप खत्म होने के तुरंत बाद 4 जुलाई से होगा।

मेजर लीग क्रिकेट के दूसरे सीजन के आयोजन के लिए एक बेहतरीन विंडो मिल गया है। टी20 वर्ल्ड कप खत्म होने के चार दिन बाद और द हंड्रेड के आगाज से पहले इसका आयोजन करा लिया जाएगा। इसकी वजह से प्रमुख टीमों के खिलाड़ी भी उपलब्ध रहेंगे। ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, इंग्लैंड और पाकिस्तान के खिलाड़ी लीग में खेलने के लिए उपलब्ध रह सकते हैं।

एमआई न्युयॉर्क ने अपनी कोर टीम को बरकरार रखा है। निकोलस पूरन,

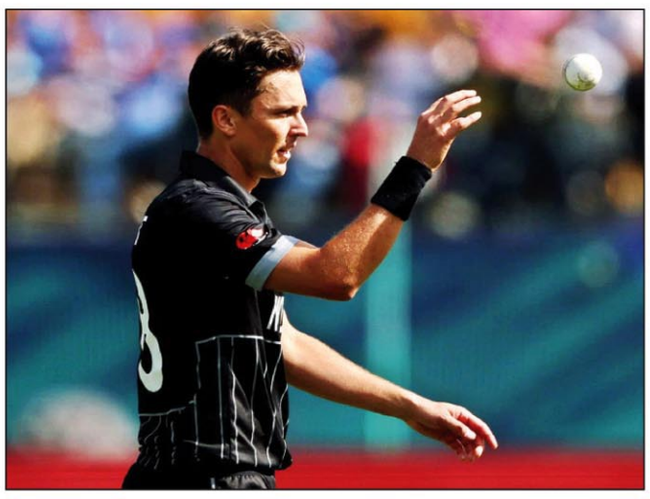

किरोन पोलार्ड, डेवाल्ड ब्रेविस और टिम डेविड जैसे खिलाड़ियों को रिटेन किया गया है। जबकि कगिसो रबाडा, ट्रेंट बोल्ट और राशिद खान को गेंदबाजी में बरकरार रखा गया है। वहीं एलए नाइटराइडर्स ने आंद्रे रसेल, सुनील नारेन, स्पेंसर जॉनसन, एडम जैम्पा और जेसन रॉय जैसे प्लेयर्स को रिटेन किया है। हेनरिक क्लासेन, क्विंटन डी कॉक और इमाद वसीम जैसे प्लेयर्स को किया गया रिटेन

पिछले सीजन की रनर अप सीएटल ऑर्कस ने हेनरिक क्लासेन, क्विंटन डी कॉक और कप्तान वेन पर्नेल को रिटेन किया है। इसके अलावा पाकिस्तानी ऑलराउंडर इमाद वसीम को भी बरकरार रखा गया है। जबकि टेक्सास सुपर किंग्स ने फाफ डू प्लेसी, डेवोन कॉनवे और मिचेल सैंटनर को रिटेन किया है। सेन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न ने हारिस रऊफ और फिन एलेन को रिटेन किया है। जबकि रिकी पोंटिंग की कोचिंग वाली वॉशिंगटन फ्रीडम ने भी सिर्फ दो खिलाड़ियों अकील हुसैन और मार्को यानसेन को ही बरकरार रखा है।

आपको बता दें कि सभी फ्रेंचाइजी को ये इजाजत होगी कि वो अपने रोस्टर में 9 इंटरनेशनल खिलाड़ियों को नामित कर सकती हैं। डोमेस्टिक रिटेंशन का ऐलान फरवरी के आखिर तक हो सकता है और मार्च में इसके लिए ड्राफ्ट होगा।

साल 2027 एशेज सीरीज तक खेलना चाहते हैं लियोन

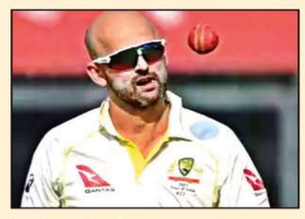

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लियोन का कहना है कि वह इंग्लैंड में साल 2027 एशेज सीरीज तक टीम में बने रहना चाहते हैं हालांकि तब तक वह 39 वर्ष के हो जाएंगे। वहीं इसी को लेकर पूर्व कप्तान मार्क टेलर का मानना है कि लियोन की फिटनेस काफी अच्छी है और वह 40 साल की उम्र में भी टेस्ट क्रिकेट खेल सकते हैं। इसलिए उनके बयान पर मुझे हैरानी नहीं हुई है। लियोन ने अब तक 500 से अधिक टेस्ट विकेट लिए हैं और वह ये उपलब्धि हासिल करने वाले तीसरे ऑस्ट्रेलियाई और कुल मिलाकर आठवें गेंदबाज हैं। टेलर ने कहा, मुझे आगे भी उनके खेलने पर कोई हैरत नहीं होगी क्योंकि वह अभी भी खेलने को लेकर बहुत उत्साहित है और मैंने हाल ही में उससे बात की थी। अगर वह अभी भी खेल का आनंद ले रहा है और विकेट ले रहा है तो अगर वह 40 के करीब पहुंच जाता है तो उसके खेलने में कुछ गलत नहीं है। मुझे नहीं लगता कि उसे जल्दबाजी में इसे छोड़ देना चाहिये। 123 मैचों में 501 विकेट के साथ लियोन अभी सबसे अधिक टेस्ट विकेट लेने की सूची में मुथैया मुरलीधरन 800, शेन वार्न 708, जेम्स एंडरसन 690, अनिल कुंबले 619, स्टुअर्ट ब्रॉड 604, ग्लेन मैकग्राथ 563, और कर्टनी वॉल्श 519 के बाद आठवें स्थान पर है। टेस्ट क्रिकेट में एक गेंदबाज के रूप में लियोन के स्थान को लेकर उन्होंने कहा, मुझे इतिहास के बारे में बातें कहना पसंद नहीं है क्योंकि यह अब बहुत अलग है।

हाई हील सैंडल

कहीं बीमार न बना दे आपको

हाई हील और स्किन टाइट कपड़े लड़कियों को खास पसंद होती हैं। लेकिन उन्हें यह मालूम नहीं कि ऐसा करके वह पैरों की एक खास बीमारी वैरिकोज वेन्स यानी की पैरों की नसों में सूजन को दावत दे रही हैं। करीब 7 फीसदी युवा इस बीमारी से परेशान हैं। आगे की स्लाइड्स पर क्लिक कर देखें कैसे होती है ***ये बीमारी और बचने के उपाय....***

मुसीबत न बन जाए हाई हील

जानकारों के अनुसार जब निचले अंगों की नसों के वॉल्व क्षतिग्रस्त हो जाते हैं तब वैरिकोज नसों का गठन होता है। इसकी वजह से हृदय के निचले अंगों से हृदय की ओर रक्त का प्रवाह कम हो जाता है।

पैरों में सूजन

इससे नसों में खून एकत्रित होता रहता है और पैरों में सूजन आ जाती है। यह रोग आमतौर पर पैरों में पाया जाता है।

दर्द, थकान, खुजली

इंडियन मेडिकल असोसिएशन (आईएमए) के नैशनल प्रेसीडेंट डॉ. के के अग्रवाल बताते हैं कि पैर में कई वॉल्व होते हैं जो रक्त को हृदय की दिशा में प्रवाहित होने में मदद करते हैं। वैरिकोस अल्सर दोनों पैरों में हो सकता है। जब ये वॉल्व क्षतिग्रस्त हो जाते हैं, तो सूजन, दर्द, थकान, खुजली और रक्त के थक्के बनना शुरू हो होता है।

समय पर इलाज जरूरी

यह एक धीमी लेकिन परेशानी करने वाली बीमारी है। यद्यपि लक्षण शुरुआत में हल्के होते हैं, जिस वजह से लोग इसे गंभीरता से नहीं लेते। इसका इलाज समय पर कराना जरूरी है अन्यथा अल्सर विकसित हो सकता है और इससे एक्जिमा और उच्च रक्तचाप हो सकता है।

पहली बार दौड़ते वक्त न करें ये गलतियां

ऐसे बहुत से लोग हैं जो न तो जिम जाते हैं और न ही एक्सरसाइज करते हैं, मगर जब बात दौड़ने की आती है तो वे हर सुबह जूते बांध कर दौड़ने के लिए निकल पड़ते हैं। अगर आप भी दौड़ने वालों की श्रेणी में आना चाहते हैं तो आपको जानना होगा कि ऐसी कौन सी आम गलतियां हैं, जो अच्छे से अच्छे दौड़ने वाले कर जाते हैं। अगर आप लंबे समय से रनिंग करने की सोच रहे हैं, तो कुछ खास बातों का खयाल रखें। इससे आपको दौड़ने में आसानी हो जाएगी।

एड़ियां कम यूज करें

रनिंग के दौरान कभी भी जमीन पर जोर से एड़ियों का दबाव नहीं डालना चाहिए। इससे शरीर पर दबाव भी बढ़ेगा। यह गलती आमतौर पर ज्यादातर लोग करते हैं। इससे आपके जोड़ और हड्डियां चोटिल हो सकती हैं। वहीं खाली पेट नहीं दौड़ना चाहिए।

तेज ना दौड़ें

जो लोग रनिंग के मामले में नए होते हैं, वे तुरंत ही तेजी के साथ भागना शुरू कर देते हैं, जिससे वह आगे चल कर बुरी तरह से थक जाते हैं। इससे रनिंग आपके लिए एक कठिन काम बन जाती है।

आसान लक्ष्य रखें

लोग जोश में आकर लंबा दौड़ने की सोच लेते हैं, लेकिन ध्यान रखना है कि आपकी प्रतिस्पर्द्धा खुद से हो। अगर आप दौड़ में नए हैं और एक ही बार में 5 किमी दौड़ लेना चाहते हैं, तो केवल निराशा ही हाथ लगेगी। इसलिए दौड़ते समय छोटे-छोटे गोल बनाएं और उसे पूरा करें।

गलत जूते ना पहनें

दौड़ने से पहले अपने जूते चेक कर लें कि कहीं उन्हें पहनने से आपके पैरों में दर्द, हिप पेन, जोड़ों में दर्द या कंधे में दर्द तो शुरू नहीं हो गया। अगर आप सही जूते पहनेंगे तो बिना दर्द के लंबा दौड़ पाएंगे।

सराहाह डाउनलोड करने से पहले यह पढ़ें नहीं तो पछताना पड़ेगा

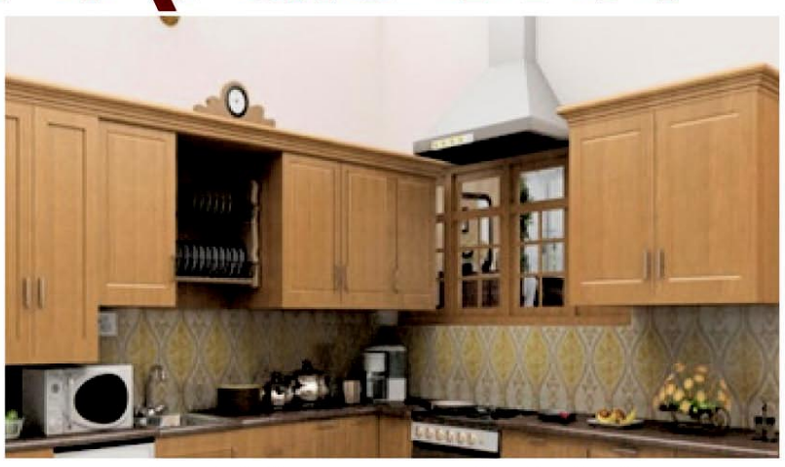

हाल ही में एक नया एप्प तेज़ी से दुनिया भर में पॉपुलर हो रहा है। और भारत में इस एप्प को लेकर लोगों की उत्सुकता इस कदर है कि यह केवल गूगल एप्प स्टोर पर ही नहीं बल्कि हर जगह ट्रेंड कर रहा है। साथ ही सभी फेमस सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर भी यह चर्चा का विषय बना हुआ है। और इस एप्प का नाम है सराहाह, जो कि एक अरबी शब्द है जिसका मतलब है इमानदारी। इस एप्प को सउदी अरब के एक सॉफ्टवेयर डेवेलपर जैनुल आबेदीन ने बनाया है। अब तक इस एप्प को 50 लाख से भी ज्यादा लोग डाउनलोड कर चुके हैं। और भारत में यह एप्प गूगल प्ले स्टोर पर नंबर-1 पर ट्रेंड कर रहा है।

सराहाह एप्प की खासियत यह है कि इस एप्प से मैसेज भेजने वाले की आइडेंटिटी ज़ाहिर नहीं होती है। इस पर मैसेज किसने भेजा है यह पता नहीं लगाया जा सकता है। इसे एप्प की सबसे बड़ी कमी व खूबी, दोनों कह सकते हैं। माना जा रहा है कि इस तरह के एप्प से साइबर बुलिंग का खतरा बढ़ सकता है। क्योंकि कोई भी किसी को किसी भी तरह के आपत्तिजनक मैसेज भेज सकता है। चूंकि सेंडर की पहचान छुपी रहती है तो ऐसे में कोई भी आपको वह सब खुलकर बता पाता है जो वह आपके बारे में सोचता है या फिर आसानी से धमकी भरा संदेश भी भेज सकता है। वैसे भी आजकल सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग की घटना काफी बढ़ी हुई है। ऐसे में इस एप्प को यूज़ करने के कई संभावित खतरे भी हो सकते हैं।

कैसे करता है ये एप्प काम?

इस एप्प को इस्तेमाल करने के लिए आपको इसकी वेबसाइट पर या मोबाइल एप्प पर अपना रजिस्ट्रेशन कराना होगा। मोबाइल एप्प को आप गूगल प्ले स्टोर या ऐप्पल स्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं। इसके बाद रजिस्ट्रेशन करने के लिए आपको ईमेल आईडी देनी होगी। रजिस्टर करने के बाद आपको इसका लिंक फेसबुक पर पोस्ट करने का ऑप्शन मिलता है। इसके अलावा आप सोशल नेटवर्किंग साइट्स जैसे ट्विटर और स्नैपचैट पर भी यह लिंक पोस्ट कर सकते हैं या फिर प्राइवेट मैसेज के ज़रिए किसी को भेज सकते हैं। दिए हुए लिंक को क्लिक करके कोई भी आपको मैसेज भेज सकता है। लेकिन मैसेज भेजने वाले शख्स के बारे में आपको कोई जानकारी नहीं होगी। आपके सराहाह एप्प पर जैसे ही लिंक के ज़रिए कोई आपको मैसेज भेजता है, आपको एप्प में नोटिफिकेशन मिलेगा, जहां आप मैसेज पढ़ सकते हैं। हालांकि इसके द्वारा भेजे गए मैसेज का फिलहाल रिप्लाई नहीं किया जा सकता है। इस एप्प का यूज़र इंटरफेस काफी आसान है और आने वाले समय में इसमें कुछ नए फीचर्स और लाने की तैयारी है, जिसका ऐलान जल्द किया जाएगा।

कितना सिक्यॉर है ये एप्प?

यह एप्प कितनी सुरक्षित है या कितनी नहीं, इसका पता आपको खुद ही लग जाएगा। क्योंकि इसमें सेंडर की पहचान नहीं हो पाती है, ऐसे में कोई भी आपको कैसा भी मैसेज कर सकता है। वहीं एप्प की सिक्यॉरिटी को लेकर यूज़र्स के मन में कई सवाल हैं। जैसे कि इसमें रजिस्टर करने के लिए आपको अपनी ईमेल आईडी देनी होती है। इमेल आईडी, आईपी अड्रेस और ब्राउज़र की कूकीज़ के जरिये हैकर्स आपको ट्रेस भी कर सकते हैं। साथ ही कुछ यूज़र्स का कहना है कि इस एप्प पर अपने राज़ व खुफिया बातें खोल देने का खामियाजा, फिरौती देकर या ब्लैकमेल होकर न भुगतना पड़े। इस एप्प पर रजिस्टर्ड यूज़र्स को सिर्फ मेसेज रिसीव होते हैं। रिसीवर का डेटा और फेवरिट मेसेज ही सेव होते हैं। भेजने वाले यूज़र की आइडेंटिफिकेशन का कोई तरीका नहीं है क्योंकि वह एक लिंक के जरिये मेसेज भेजता है। ऐसे में यूज़र्स को काफी सोच-समझकर ही इस एप्प पर लॉग-इन करना होगा और नेगेटिव रिस्पॉन्स के लिए भी तैयार रहना होगा। ताकि भविष्य में आपको किसी भी तरह की मुसीबत का सामना ना करना पड़े।

किचन में रखें वास्तु का ख्याल, मिलेंगे कई सारे फायदे

रसोई घर (किचन), घर के सबसे जरूरी हिस्सों में से एक है इसलिए वास्तु के अनुसार किचन की जमावट करने पर घर की सकारात्मक ऊर्जा में ब?ोतरी होती है। किचन में वास्तु उपाय अपनाकर सारे अशुभ प्रभावों को खत्म किया जा सकता है।

- जिस घर में किचन के अंदर ही मंदिर होता है, वहां रहने वाले लोग गरम मिजाज के होते हैं। परिवार के किसी सदस्य को रक्त संबंधी शिकायत भी हो सकती है। इसलिए मंदिर के लिए किचन से बाहर अलग जगह होना चाहिए।

- जिस घर में किचन मेन गेट से जु?ा हो, वहां पति-पत्नी के बीच बिना कारण आपस में मतभेद पैदा होने लगते हैं। निर्माण में इस बात का

विशेष ध्यान रखना चाहिए।

- जिस घर में किचन व बाथरूम एक सीध में हों, वहां रहने वाले लोगों का स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता। साथ ही जीवन अशांति रहती है। इससे बचने के लिए बाथरूम में कटोरीभर नमक रखें, समय-समय पर इसे बदलते भी रहें।

- जहां किचन के अंदर स्टोर रूम हो और कबा? रखा रहता हो तो गृहस्वामी नौकरी या व्यापार में काफी कठिनाइयों का सामना करना प?ता है। बचाव के लिए किचन में चांदी का सिक्का रखें।

शादी के लिए यूं बनाएं अपनी मुस्कान चमकदार

शादी के दिन जहां खूबसूरत दिखने वाले कपड़ों और मेहमानों की मेहमाननवाजी का खास ध्यान रखा जाता है, वहीं कुछ छोटी-छोटी चीजें ऐसी भी होती हैं जो इस दिन को आपके लिए खास और शानदार बना सकती हैं. ठीक ऐसे ही लाल जोड़े में खूबसूरत सफेद दांतों के साथ शर्माती हुई दुल्हन की मुस्कुराहट उसकी खूबसूरती में चार-चांद लगाती है.

रीजोव क्लीनिक की प्रिंयका गोयत और चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान परास्नातक संस्थान (चंडीगढ़) के सोमवीर सिंह ने शादी के इस खास दिन को खूबसूरत सफेद दांतों से खास बनाने के लिए दांतों की देखरेख के संबंध में ये सुझाव दिए हैं =

» जिन खाने की चीजों से दांतों पर दाग, धब्बे पड़ जाते हैं, उन्हें लेने से बचें. सोडा, कॉफी, चाय, ब्लूबेरी, चेरी और सोया सॉस ऐसी चीजों में आते हैं. इसके अलावा शराब नहीं पिएं और धूम्रपान से भी बचें. अगर आप स्टेनिंग वाले पेय पदार्थों को लेना बंद नहीं कर सकती हैं तो फिर इन्हें स्ट्रॉ से पिएं या हर तीन महीने पर दांतों को क्लीनिक में साफ कराएं.

» पानी खूब पिए. इससे न केवल आपके चेहरे पर चमक आती है बल्कि दांतों में भी चमक आती है. शादी के खास दिन भी आप पानी पर्याप्त मात्रा में पिएं, जिससे आपके शरीर और होंठों पर नमी बरकरार रहेगी और आप सहजता से मुस्कुरा सकेंगी। साथ ही लिपस्टिक भी देर तक टिका रहेगा.

महिलाओं के अलावा पुरुषों के लिए भी स्किन केयर जरूरी

» आप टीथ व्हाइटनिंग ट्रीटमेंट कराएं या न कराएं, लेकिन अपने दांतों की देखभाल जरूर करें. रोज इन्हें अच्छी तरह से साफ करें. रोजाना कम से कम दो बार ब्रश करें और अच्छी तरह गरारा करें. इसके अलावा फ्लॉसिंग भी करें. स्वस्थ सफेद दांतों के लिए नियमित रूप से चेकअप कराना नहीं भूलें.

» शादी के दिन दांतों को और भी ज्यादा खूबसूरत दिखाने के लिए आप चाहें तो प्रिसिजली कट और पॉलिश्ड स्वारोस्की टूथ क्रिस्टल वर्क अपने दांतों पर करा सकती हैं, इससे आपके दांतों को एक्स्ट्रा शाइन मिलेगी.

» शादी का दिन किसी भी लड़की के लिए उसकी लाइफ का खास दिन होता है, इसलिए खूबसूरत दांतों के साथ आकर्षक मुस्कान बिखेरना न भूलें.

ऑफिस टिप्सः जानिए कैसे करें उस साथी के साथ काम जो नहीं करता है कोई काम

ऑफिस के काम से मनचुराने वाले लोगों के साथ काम करना बेहद मुश्किल होता है और इसका खामियाजा पूरी टीम को भुगतना पड़ता है. ऐसे में जानिए कैसे करें उस साथी के साथ काम जो नहीं करता है ऑफिस में कोई काम...

हर एक ऑफिस में एक न एक ऐसा कर्मचारी जरूर होता है, जोकि हमेशा 9 से 5 के शेड्यूल में रहना पसंद करता है या फिर यूं कहे कि लंबे लंच ब्रेक के साथ 9:15 से 4: 59 की ऑफिस ड्यूटी ही करता है. इस तरह के लोगों की वजह से ऑफिस का माहौल खराब होता है और दूसरे कर्मचारियों का भी वर्क आउटपुट गिरता है. ऑफिस के काम से मनचुराने वाले लोगों के साथ काम करना बेहद मुश्किल होता है और इसका खामियाजा पूरी टीम को भुगतना पड़ता है. ऐसे में जानिए कैसे करें उस साथी के साथ काम जो नहीं करता है ऑफिस में कोई काम...

काम नहीं करने वालों का काम करने से बचें

अगर आपके को-वर्कर के हिस्से का काम आपको करना पड़ रहा है, तो इस चीज को जल्द से जल्द करना बंद करें. जितना हो सके सिर्फ अपने काम पर फोकस रखें और अगर काम न करने वाला को-वर्कर आपसे कोई काम कहते है, तो विनम्र तरीके से उसे न कहना सीख लें. अगर आप ऐसा करना शुरु करते हैं तो इससे दो चीजें होने की संभावना है. पहली ये कि...या तो को-वर्कर की प्रोडक्टिविटी बढ़ जाएगी और दूसरी ये कि आपके मैनेजर को वर्क आउटपुट कम होता दिखने लगेगा.

एक बार जरूर कर लें बात

अगर ऑफिस में आपका साथी काम नहीं कर रहा है और उसकी वजह से आप पर एक्सट्रा प्रेशर पड़ रहा है, तो एक बार अपने साथी से जरूर बात कर लें. इस प्रॉब्लम से बचने के लिए आप उससे अकेले में वन ऑन वन बात क्लियर कर सकते हैं. क्योंकि कई बार पर्सनल लाइफ में चल रही उथल-पुथल के चलते कर्मचारी अपने काम पर 100 प्रतिशत नहीं दे पाता है.

मैनेजर से करें बात

एक टीम मैनेजर हमेशा यही चाहता है कि उसकी टीम अपना बेस्ट दे, क्योंकि अगर टीम का आउटपुट अच्छा नहीं होगा, तो सबसे पहले गाज मैनेजर पर ही गिरेगी. अगर आपको लगता है कि लाख कोशिशों के बावजूद को-वर्कर अपना काम आप पर थोप रहा है, तो एक बार उसके रवैये के बारे में मैनेजर को अवगत कराएं. मैनेजर को बताने का ये फायदा होगा कि इससे पूरी टीम को सफर नहीं करना पड़ेगा और काम से भागने वाला आपका साथी खुद से अपना काम करना शुरु कर देगा या फिर अपने लिए दूसरी नौकरी की तलाश में जुट जाएगा.

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**